राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

वर्ष : 13 , अंक : 49, पृष्ठ : 08, नई दिल्ली मंगलवार 05 सितम्बर 2023, मूल्य : 1.50/-

नई दिल्ली से प्रकाशित

RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

नई दिल्ली इलाके में ऑनलाइन डिलीवरी पर रहेगी रोक, घर बैठे मंगवा सकेंगे दवाएं .... पेज 03

सुरक्षा के मुद्दे पर हम आधी आबादी के विश्वास को जीतने में सफल रहे : योगी .... पेज 05

एशियाई खेलों से पहले 17 दिवसीय शिविर में हिस्सा लेंगे भारतीय मुक्केबाज .... पेज 07

एनएचआरसी ने राजस्थान सरकार को भेजा नोटिस

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) भारत ने राजस्थान के प्रतापगढ़ जिले में एक गर्भवती महिला को उसके परिवार के सदस्यों द्वारा पीटने और नग्न घुमाने की कथित घटना पर राज्य सरकार को नोटिस भेज कर चार सप्ताह में कृत कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी है। आयोग ने सोमवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा है कि उसने इस मामले में मीडिया की एक खबर पर स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार को नोटिस जारी किया है। रिपोर्ट के अनुसार 31 अगस्त को उक्त महिला को उसके परिवार के सदस्यों द्वारा कथित तौर पर पीटा गया और गांव में नग्न घुमाया गया। उसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। विज्ञप्ति के अनुसार आयोग ने कहा है कि मीडिया रिपोर्ट की सामग्री यदि सच है, तो यह पीड़िता के मानवाधिकारों के उल्लंघन का गंभीर मुद्दा है। आयोग ने राजस्थान के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी कर चार सप्ताह के भीतर मामले में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

सनातन धर्म खत्म करने की बात पर अड़े एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि

उदयनिधि ने कहा कि मैं फिर से कह रहा हूं कि मैंने सनातन धर्म की आलोचना की थी और कहा था कि इसे खत्म कर देना चाहिए

थूथुकुडी। सनातन धर्म पर अपनी टिप्पणी को लेकर विवादों में घिरे उदयनिधि स्टालिन पीछे हटने के लिए तैयार नहीं हैं। सोमवार को तमिलनाडु के थूथुकुडी में बोलते हुए उदयनिधि ने कहा कि मैंने एक कार्यक्रम के दौरान सनातन धर्म पर टिप्पणी की थी। मैं वही बात बार-बार दोहराऊंगा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के बेटे ने आगे कहा कि यह केवल हिंदू धर्म के बारे में नहीं था। मैंने सभी धर्मों की बात की थी। उन्होंने कहा कि मैंने जातिवाद का विरोध किया था, बस इतनी सी बात है। गौरतलब है कि एक कार्यक्रम के दौरान उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मच्छर आदि से की

थी। इसके बाद से भाजपा उनके ऊपर हमलावर है।

बचकाना बातें कर रहे लोग

उदयनिधि ने आगे कहा कि मैं फिर से कह रहा हूं कि मैंने सनातन धर्म की आलोचना की थी और कहा था कि इसे खत्म कर देना चाहिए। मैं यह बात लगातार कहता हूं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग बचकाना बातें कर रहे हैं और कह रहे हैं कि मैंने नरसंहार के लिए आमंत्रित किया है। जबकि, कुछ अन्य कह रहे हैं कि द्रविड़म को समाप्त कर दिया जाना चाहिए। क्या इसका मतलब है कि डीएमके के लोगों को मार डालना चाहिए। उदयनिधि ने कहा कि सनातन क्या है? सनातन का अर्थ है कुछ भी बदलना नहीं चाहिए और सबकुछ स्थायी है। लेकिन द्रविड़ मॉडल कहता है कि बदलाव होना चाहिए और समानता की बात करता है।

भाजपा तोड़-मरोड़ रही मेरा बयान

एमके स्टालिन के बेटे ने आगे कहा कि भाजपा मेरे बयान को तोड़-मरोड़ रही है और फेक न्यूज फैला रही है। यह उनका हमेशा का काम है। मेरे खिलाफ जो भी केस फाइल होंगे मैं उन्हें झेलने के लिए तैयार हूं। उन्होंने कहाकि भाजपा इंडिया गठबंधन से डरी हुई है और लोगों का ध्यान भटकाने के लिए ऐसी बातें कर रही है। उदयनिधि ने कहा कि डीएमके की नीति एक कबीला, एक ईश्वर की है। डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन के बयान पर भाजपा लगातार हमलावर है। भाजपा ने इसको लेकर इंडिया गठबंधन पर निशाना साधा है। पार्टी ने सोमवार को विपक्ष पर हमला तेज करते हुए कांग्रेस से सवाल कि क्या इंडिया गठबंधन ने धर्म को निशाना बनाने के लिए मुंबई में बैठक की थी।

2018 में जम्मू-कश्मीर विधानसभा में 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाने का मामला

माफी मांगें अकबर लोन

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार (4 सितंबर) को आर्टिकल 370 पर 15वें दिन की सुनवाई हुई। इस दौरान केंद्र सरकार ने मांग की कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के मोहम्मद अकबर लोन माफी मांगें। उन्होंने 2018 में जम्मू-कश्मीर विधानसभा में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए थे।

इस पर सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि मोहम्मद अकबर लोन हलफनामा (एफिडेविट) दायर करें। इसमें बताएं कि उनकी भारतीय संविधान में निष्ठा है। वही, कपिल सिब्बल ने कहा कि वे व्यक्तिगत रूप से एनसी नेता मोहम्मद अकबर लोन द्वारा 2018 में जम्मू-कश्मीर विधानसभा में कही गई बातों से सहमत नहीं हैं।

डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस सूर्यकांत की बेंच इस मामले में सुनवाई कर रही है। सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पैरवी कर रहे हैं।

कश्मीरी पंडितों ने लगाई याचिका

कश्मीरी पंडितों ने 3 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इसमें याचिकाकर्ता लोन पर सवाल उठाए गए थे। रूट्स इन कश्मीर संगठन ने दावा किया कि लोन घोषित तौर पर पाकिस्तान का समर्थन करते हैं। वो विधानसभा में पाकिस्तान के समर्थन में नारे लगा चुके हैं। केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि वह चाहता है कि एनसी नेता मोहम्मद अकबर लोन 2018 में जम्मू-कश्मीर विधानसभा म[illegible] पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाने के लिए माफी मांगें।

मुख्य याचिकाकर्ता हैं एनसी नेता लोन

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की पीठ को केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि लोन ही अनुच्छेद 370 को निरस्त करने को चुनौती देने वाले प्रमुख याचिकाकर्ता हैं।

उन्हें यह बताना होगा कि वह संविधान के प्रति सम्मान और निष्ठा रखते हैं और विधानसभा के पटल पर पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाने के लिए माफी मांगें।

पाकिस्तान के समर्थन करने वालों के सहयोगी

एक गैर सरकारी संगठन रूट्स इन कश्मीर द्वारा सुप्रीम कोर्ट में एक हस्तक्षेप आवेदन दाखिल किया गया है। इस संगठन का दावा है कि वह कश्मीरी पंडित युवाओं का एक समूह है और मामले में कुछ अतिरिक्त दस्तावेजों और तथ्यों को रिकॉर्ड पर लाने की मांग कर रहा है। आवेदन में आरोप लगाया गया कि लोन को =जे-जे-के में सक्रिय अलगाववादी ताकतों के समर्थक के रूप में जाने जाते हैं, जो पाकिस्तान का समर्थन करते हैं।

संसद के विशेष सत्र पर कल मंथन करेंगे विपक्षी दल

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने 18 सितम्बर से आयोजित संसद के विशेष सत्र को देखते हुए संसद में पार्टी तथा विपक्षी दलों की रणनीति तैयार करने के बारे में चर्चा के लिए मंगलवार को संसदीय दल तथा समान विचारधारा वाले दलों के नेताओं की बैठक बुलाई है। कांग्रेस महासचिव - संगठन के सी वेणुगोपाल ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कल हम संसदीय रणनीति समूह की बैठक बुला रहे हैं। संसदीय रणनीतिक समिति समूह की बैठक कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के आवास पर मंगलवार शाम पांच बजे से होगी। उन्होंने यह भी कहा कि संसद में विपक्षी दलों के 'इंडिया' गठबंधन की भी बैठक मंगलवार को बुलाई गई है। समान विचारधारा वाले दल इस बैठक में संसद में गठबंधन की रणनीति को लेकर चर्चा करेंगे। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि यह विपक्षी दलों के नेताओं की बैठक कांग्रेस संसदीय दल की बैठक समाप्त होने के बाद रात आठ बजे से होगी।

नेशनल पार्टियों की संपत्ति 1 साल में 1531 करोड़ बढ़ी

भाजपा की 21 प्रतिशत और कांग्रेस की 16 प्रतिशत ज्यादा

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की 8 नेशनल पार्टियों की घोषित संपत्ति 1 साल में 1531 करोड़ रुपए बढ़ गई। 2020-21 में इन पार्टियों की संपत्ति 7,297.62 करोड़ रुपए थी। 2021-22 के दौरान इनकी संपत्ति बढ़कर 8,829.16 करोड़ रुपए हो गई। द एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है।

ये पार्टियां- भाजपा, कांग्रेस, नेशनल कांग्रेस पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया , कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया, सीपीआई (माओवादी), तृणमूल कांग्रेस और नेशनल पीपुल्स पार्टी हैं।

एक साल में 5 पार्टियों का कर्ज कम हुआ

2020-21 के दौरान राष्ट्रीय पार्टियों पर 103.55 करोड़ रुपए का कर्ज था।

इनमें से कांग्रेस के ऊपर 71 करोड़, भाजपा के ऊपर 16 करोड़, सीपीआई (माओवादी) के ऊपर 16 करोड़, टीएमसी के ऊपर 3.8 करोड़ और एनसीपी के ऊपर 0.73 करोड़ रुपए का कर्ज था।

2021-22 के दौरान इन पांचों पार्टियों का कर्ज कम हो गया। इस दौरान कांग्रेस के ऊपर 41.9 करोड़, भाजपा के ऊपर 5 करोड़, सीपीआई (माओवादी) के ऊपर 12 करोड़, टीएमसी के ऊपर 2.5 करोड़ और एनसीपी के ऊपर 0.72 करोड़ रुपए का कर्ज था।

एक साल में 1572 करोड़ रुपए बढ़ा रिजर्व फंड

एक साल में राष्ट्रीय पार्टियों का रिजर्व फंड 1572 करोड़ रुपए बढ़ गया। 2020-21 में इन पार्टियों का रिजर्व फंड 7194 करोड़ रुपए था, जो 2021-22 में बढ़कर 8766 करोड़ रुपए हो गया।

गाइडलाइंस का पालन नहीं कर रहीं पार्टियां

एडीआर ने कहा कि सभी नेशनल पार्टियां इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की गाइडलाइंस का पालन करने में असफल रहीं। इस गाइडलाइन के मुताबिक, पार्टियों को यह बताना होता है कि उन्होंने किस बैंक, फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन या एजेंसी से लोन लिया है।

महाराष्ट्र सरकार ने मराठा आंदोलनकारियों से माफी मांगी

जालना में जो हुआ वह दुर्भाग्यपूर्ण; 1 सितंबर को पुलिस ने लाठीचार्ज किया था

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने जालना जिले में मराठा आरक्षण की मांग कर रहे आंदोलनकारियों पर शुक्रवार, 1 सितंबर को लाठीचार्ज के लिए माफी मांगी है।

सोमवार को मराठा आरक्षण को लेकर कैबिनेट सब-कमेटी की बैठक हुई, जिसमें सीएम एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार शामिल हुए।

बैठक के बाद देवेंद्र फडणवीस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- जालना में जो कुछ भी हुआ वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण था। हमले में निर्दोष लोग घायल हुए। मैं सरकार की ओर से माफी मांगता हूं।

फडणवीस ने बताया कि सीएम एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में हुई उच्च

स्तरीय बैठक में संभाजी राजे, उदयनराजे और माराठा संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल रहे।

फडणवीस ने कहा- मैं महाराष्ट्र सरकार के पिछले कार्यकाल में राज्य का गृहमंत्री था। मराठा संगठनों की ओर से 2000 से अधिक विरोध प्रदर्शन किए गए थे। मैं जालना की घटना के लिए बतौर गृहमंत्री माफी मांगता हूं।

लाठीचार्ज के निर्देश सरकार ने नहीं दिए

फडनवीस ने आरोप लगाया कि घटना को लेकर अब सियासत शुरू हो गई है और पूरे मामले पर राजनीति की रोटी सेंकी जा रही है। जालना में हिंसा को लेकर राज्य सरकार के खिलाफ एक नैरेटिव सेट किया जा रहा है।

यह बताने का प्रयास किया जा रहा है कि राज्य सरकार ने लाठीचार्ज करने का निर्देश दिया था, लेकिन मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि सरकार की ओर से ऐसे कोई भी निर्देश नहीं दिए गए थे। इसे एस स्तर के अधिकारी दे सकते हैं।

बीएसएफ, एनएसजी और सीआरपीएफ ने संभाला मोर्चा

होटलों पर एंटी ड्रोन सिस्टम तैनात; स्नाइपर्स भी रख रहे पैनी नजर

नई दिल्ली। आगामी आठ सितंबर से शुरू होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान किसी भी तरह के हमले व अन्य हालात से तुरंत निपटने के लिए विदेशी सुरक्षा एजेंसियां, भारतीय केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियां, पैरा मिलिट्री और एयरफोर्स समेत दिल्ली पुलिस की विभिन्न यूनिट पूरी तरह से तैयार हैं। गुरुग्राम के दो और दिल्ली के 23 होटलों में 29 देशों के राष्ट्राध्यक्ष, उक्त देशों के मंत्रियों व अंतरराष्ट्रीय संगठनों के पदाधिकारी ठहरेंगे।

इन होटलों के अलावा प्रगति मैदान, राजघाट और अन्य संबंधित जगहों पर ड्रोन से होने वाले हमले को रोकने के लिए बीएसएफ , एनएसजी व सीआरपीएफ को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन तीनों एजेंसियों ने अपने-अपने एंटी ड्रोन सिस्टम लगाकर मोर्चा संभाल लिया है।

दूर से ड्रोन को मार गिराने की क्षमता

इनके पास सबसे आधुनिक तरीके के एंटी ड्रोन सिस्टम हैं। इसलिए इन्हें ये महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के पास सबसे खास तरीके के एंटी ड्रोन गन हैं। इनसे करीब दो किलोमीटर के रेंज में दुश्मनों के किसी भी तरह के ड्रोन को मार गिराया जा सकता है।

होटलों की छतों पर एंटी ड्रोन सिस्टम लगा, स्नाइपर भी तैनात

पुलिस अधिकारी के अनुसार, बीएसएफ और एनएसजी के साथ सीआरपीएफ ने होटलों की छतों पर एंटी ड्रोन सिस्टम लगाकर मोर्चा संभाल लिया है। होटलों, प्रगति मैदान व अन्य सभी जगहों पर दिल्ली पुलिस

स्पेशल सेल के स्वाट कमांडो को तैनात कर दिया गया है। ये स्नाइपर राइफलों से लैस हैं।

राइफल से अंधेरे में डेढ़ किमी तक दुश्मनों को मारने की क्षमता

इस राइफल की खासियत यह है कि इससे रात के अंधेरे में भी करीब डेढ़ किलोमीटर दूर तक दुश्मनों को मार गिराया जा सकता है। सभी होटलों व प्रगति मैदान में एंटी सबोटेज टीम को भी तैनात कर दिया गया है, जो किसी भी तरह की आपात स्थिति में तुरंत मोर्चा संभाल सके। इसमें स्पेशल सेल और सुरक्षा यूनिट के जवान शामिल हैं।

मंगलवार से होटलों में बाहर के लोगों का प्रवेश नहीं

होटलों की पिछले कई दिनों तक मल्टी एजेंसियों द्वारा जांच पड़ताल के बाद दिल्ली पुलिस की सुरक्षा यूनिट ने अब पूरी तरह अपने कब्जे में ले लिया है। होटलों में विदेशी व भारतीय सुरक्षा एजेंसी, पैरा मिलिट्री, एनडीआरएफ व दिल्ली पुलिस की अभी ही तैनाती कर दी गई है। मंगलवार से होटलों में बाहरी लोगों के ठहरने की अनुमति नहीं होगी। होटल पूरी तरह से दिल्ली पुलिस के कब्जे में रहेगा।

केंद्रीय एजेंसियां मिलकर कर रहीं सुरक्षा अभ्यास

ऐसा पहली बार देखा जा रहा है जब देश की सभी सुरक्षा एजेंसियां एक साथ मिलकर पिछले कई माह से दिन रात सुरक्षा तैयारियों में जुटी हुई थीं। सोमवार को भी सभी केंद्रीय एजेंसियों ने विदेशी सुरक्षा एजेंसियों व दिल्ली पुलिस के साथ मिलकर कारकेड के साथ मिलकर सुरक्षा अभ्यास किया। सुबह छह बजे अभ्यास शुरू किया गया जो दोपहर तक चला। विभिन्न होटलों से 60 कारकेड पहले राजघाट व फिर प्रगति मैदान पहुंचे।

हादसा

1 अब भी मलबे में दबा; कमजोर नींव पर खड़ी कर दी इमारत

यूपी : बाराबंकी में 3 मंजिला इमारत गिरी, 3 की मौत

बाराबंकी। बाराबंकी में तीन मंजिला घर गिरने के आठ घंटे बीतने के बाद भी रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। मलबे के नीचे फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ टीम के सदस्य मशक्कत कर रहे हैं। अब तक मलबे में फंसे 15 लोगों को बाहर निकाला गया है, जिनमें तीन की मौत हुई है। तीसरा शव दोपहर करीब एक 2 बजे मलबे से निकाला गया। बताया जा रहा है कि जो घर गिरा है। वह 20 साल पुराना था। बाद में कमजोर नींव पर ही तीन मंजिला बिल्डिंग बनवा ली। घटना फतेहपुर कोतवाली क्षेत्र की है।

एसपी दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि हाशिम नाम के व्यक्ति का 3 मंजिला गिर गया है। हादसे के वक्त घर में 16 लोग थे। सभी सो रहे थे। हादसे में अब तक 15 का रेस्क्यू किया गया है। इसमें 3 की मौत हो गई। एक अभी भी मलबा में दबा हैं। एनडीआरएफ की टीम निकालने की कोशिश कर रही है।

आसपास के लोगों ने बताया कि धमाके जैसी तेज आवाज से उनकी नींद खुली। बाहर निकलकर देखा तो हाशिम का पूरा मकान गिर चुका था। घटना से आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया।

डॉयल-112 को सूचना दी। थोड़ी ही देर में पुलिस, फायर ब्रिगेड और प्रशासन के अफसर मौके पर पहुंच गए। हादसे की भयावहता को देखते हुए एसडीआरएफ को बुलाया गया। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद मलबे में दबे लोगों को बाहर निकाल कर जिला अस्पताल भेजा गया।

हादसे में हाशिम की बेटी रोशनी (22) और इस्लामुद्दीन के बेटे हकीमुद्दीन (25), दानिश पुत्र हाशिम की मौत हो गई। जबकि हाशिम की पत्नी शकीला (55), पुत्री जैनब (10), महक (12), बेटा समीर (18), सलमान (25), सुल्तान (28) घायल है। इसके अलावा, जफरुल हसन (35) पुत्र इस्लामुद्दीन और उसकी मां उम्मे कुलसुम (60) को गंभीर चोटें आई। वहीं मो. आजम (18) पुत्र मो. हाशिम और अलतमस (11) पुत्र इस्लामुद्दीन को डिस्चार्ज कर दिया है।

तमिलनाडु के पल्लादम जिले में एक परिवार के चार सदस्यों की हुई दर्दनाक हत्या

मृतकों के परिजनों ने किया हंगामा

तिरुप्पुर। तमिलनाडु के पल्लादम जिले के कल्लाकिनार गांव में एक दिल दहलाने वाली वारदात को अंजाम दिया गया है। पुलिस ने जानकारी दी कि दुश्मनी की वजह से तीन लोगों ने दो महिलाओं समेत एक परिवार के चार सदस्यों की हत्या कर दी। पुलिस ने आगे कहा कि अपराध के सिलसिले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है।

गौरतलब है कि मृतकों के रिश्तेदारों और दोस्तों ने तब तक शव लेने से इनकार कर दिया जब तक कि सभी दोषियों को सजा नहीं मिल जाती। बता दें कि मृतकों के परिजनों ने अपनी मांग के समर्थन में पल्लदम में प्रदर्शन किया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उन्हें शांत करने के लिए मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने कहा कि मृतकों की पहचान सेंथिल कुमार, उनकी मां पुष्पावती, चचेरे भाई मोहन और एक अन्य रिश्तेदार रथिनम्बल के रूप में हुई है। इन सभी लोगों के शवों को पल्लादम के सरकारी अस्पताल में पोस्टमॉर्टम के लिए ले जाया गया।

पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि सेंथिल कुमार के लिए ड्राइवर के रूप में काम करने वाले वेंकटेश ने 3 सितंबर की रात को सेंथिल कुमार की दुकान के पास अपने साथ आए दो अन्य लोगों के साथ शराब पीना शुरू कर दिया, जिससे वेंकटेश ने उन्हें वहां से हटने की सलाह दी। इसके बाद वेंकटेश के साथ मौजूद लोगों ने सेंथिल कुमार पर हमला कर दिया। सेंथिल की चीख-पुकार सुनकर उसका चचेरा भाई, मां और एक अन्य रिश्तेदार उसे बचाने के लिए दौड़े, लेकिन हत्यारों ने उनकी भी हत्या कर दी। बता दें कि पुलिस ने आईपीसी की धारा 302 के तहत मामला दर्ज किया है।

‘मैं ही जीतूंगा’ हर कार्यकर्ता को लेना होगा इस मंत्र का संकल्प: नरोत्तम

मध्यप्रदेश के गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा ने आज भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र देते हुए कहा कि आने वाले चुनावों में हमें ‘मैं जीतूंगा’ की सोच दिमाग से निकाल देना है। इसकी बजाय हमें यह संकल्प लेकर आगे बढ़ना है कि ‘मैं ही जीतूंगा’। भारतीय जनता पार्टी द्वारा विंध्य क्षेत्र में निकाली जा रही जन आशीर्वाद यात्रा आज सतना से रवाना हुयी। इससे पूर्व यात्रा में शामिल गृह मंत्री डॉ मिश्रा, सांसद गणेश सिंह एवं पार्टी के जिलाध्यक्ष सतीश शर्मा ने कार्यकर्ताओं की बैठक ली।

शार्ट न्यूज

राज्यपाल के आईटी सलाहकार ने दिया नवीन तकनीकियों का प्रस्तुतिकरण

देहरादून। उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (से नि) गुरमीत सिंह के समक्ष सोमवार को राजभवन में उनके आईटी सलाहकार के. नारायणन ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आईटी एवं नवीन तकनीकों के उपयोग से संबंधित अपना प्रस्तुतिकरण दिया। सिंह ने कहा कि वर्तमान में टेक्नोलॉजी को अपनाना बेहद जरूरी है और अपने दैनिक कार्यों में इसका प्रयोग किया जाना समय की मांग है। उन्होंने कहा कि वर्तमान टेक्नोलॉजी की सदी में आम जनमानस को बेहतर सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल टेक्नोलॉजी का प्रयोग हर क्षेत्र में करने की आवश्यकता है। राज्यपाल ने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में टेक्नोलॉजी का उपयोग एक बेहतर विकल्प है। उन्होंने कहा कि राजभवन में ऑनलाइन माध्यम से व्यवस्थाओं को सुलभ बनाये जाने का प्रयास किया और फिर समूचे प्रदेश में टेक्नोलॉजी की सहायता से सकारात्मक परिवर्तन लाए जाए। बैठक में सचिव, राज्यपाल, रविनाथ रामन और अपर सचिव स्वाति एस. भदौरिया भी उपस्थित थीं।

केंद्र को कोयला आयात की अतिरिक्त लागत वहन करनी चाहिए: एआईपीईएफ

जालंधर। ऑल इंडियन पावर इंजीनियर्स फेडरेशन (एआईपीईएफ) ने बिजली मंत्रालय द्वारा जारी एक सितंबर के निर्देश को ‘केंद्र सरकार द्वारा राज्यों पर अनुचित दबाव डालने का एक प्रयास’ करार दिया और अपनी मांग दोहराई कि राज्य बिजली उत्पादन घरों की गलती के कारण कोयला आयात की अतिरिक्त लागत केंद्र सरकार द्वारा वहन की जानी चाहिए। एआईपीईएफ के प्रवक्ता वी के गुप्ता ने सोमवार को कहा कि केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय ने सभी थर्मल उत्पादन स्टेशनों को मार्च, 2024 तक अपनी कुल आवश्यकताओं के वजन के हिसाब से चार प्रतिशत कोयला आयात करने के लिए कहा है । घरेलू कोयला आधारित संयंत्रों द्वारा कोयले की खपत और आपूर्ति के बीच का अंतर दो लाख टन प्रतिदिन है । रेलवे द्वारा बुनियादी ढाँचे की समस्याएँ और अन्य बाधाएं का सामना की जा रही है । ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन ने मांग की है कि केंद्र सरकार को राज्य बिजली उत्पादक कंपनियों द्वारा आयातित कोयले की कीमत का भुगतान करना चाहिए। प्रवक्ता वी के गुप्ता ने कहा कि राज्य के ताप विद्युत संयंत्रों पर आयातित कोयले का अतिरिक्त भार डालना उचित नहीं है ।

कांग्रेस का राहुलयान गत बीस साल से नहीं हो पा रहा है लांच: राजनाथ

रामदेवरा (जैसलमेर)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत मजबूत और ताकतवर बनता जा रहा है और देश में मंगलयान और चंद्रयान की सफल लॉचिंग और लैंडिंग हो रही वहीं कांग्रेस का ‘राहुल यान’ पिछले बीस साल से लांच नहीं हो पा रहा है। सिंह सोमवार को जैसलमेर जिले के रामदेवरा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की परिवर्तन संकल्प यात्रा के तीसरे रथ को रवाना करने के अवसर पर आयोजित जनसभा में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आज भारत चंद्रमा और मंगल ग्रह तक पहुंच चुका है और पूरा देश आदित्य दल-1 की सफल लांचिंग हो चुकी है। इस बार भी चंद्रयान की लैंडिंग हो गई तब भी दबी आवाज में कांग्रेस ने सवाल उठाने की कोशिश की मगर जब देश का मूड देखा तो चुप्पी साध ली गई। उन्होंने कहा कि जिस देश में मंगलयान और चंद्रयान की सफल लॉचिंग और लैंडिंग हो रही है, वहां कांग्रेस का ‘राहुल यान’ पिछले बीस साल से लांच हो नही पा रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया हैरान है कि हालीवुड की बड़ी-बड़ी फिल्मों से भी कम बजट में भारत ने मंगलयान और चंद्रयान मिशन पूरे कर लिए है।

21वीं सदी के विद्वानों का संस्कृत साहित्य को योगदान विषयक संगोष्ठी

उदयपुर। साहित्य संस्थान, जनार्दनराय नगर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड टू बी विश्वविद्यालय), उदयपुर एवं राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 21वीं सदी के विद्वानों का संस्कृत साहित्य को योगदान विषय साहित्य संस्थान के सभागार में आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो जीवनसिंह खरकवाल, निदेशक, साहित्य संस्थान ने अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि संस्कृत आमजन की भाषा रही है, परन्तु वर्तमान में यह आमजन की भाषा नहीं रही है, परन्तु हमें घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि वेद संस्कृत में लिखे गए हैं और वर्तमान युग में इसकी बहुत प्रासंगिकता है। वैज्ञानिक वेदों का सहयोग ले रहे हैं। हमें सिर्फ इसमें छुपे ज्ञान को निकालना है। कार्यक्रम के प्रथम मुख्यवक्ता प्रो नीरज शर्मा, संस्कृत विभागाध्यक्ष, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर ने 21वीं सादी के विद्वानों का संस्कृत को योगदान विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि 21 शताब्दी संस्कृत रचनात्मक योगदान की दृष्टि स्वर्णिमकाल कहा जा सकता है ।21 वीं शताब्दी की संस्कृत रचनाधर्मिता विविधता से परिपूर्ण है जिसमें एक ओर समकालीन जीवन और परिवेश के संघर्ष, पीड़ा और विषमताओं को विषय बनाया गया है वहीं दूसरी ओर पश्चिमी जगत और पूर्वी जगतके रचना विधान और विषयों को भी संस्कृत ने आत्मसात किया है ।

सम्पूर्ण विश्व को दिशा दिखलाने वाली भाषा है संस्कृत

दरभंगा। बिहार के प्रतिष्ठित ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 सुरेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि भारतीय संस्कृति की आधारस्वरूप संस्कृत भाषा में लिखित दर्शन, साहित्य, वेद, पुराण आदि वे निधि हैं, जो सम्पूर्ण विश्व को दिशा दिखला सकती है। प्रो. सिंह ने सोमवार को यहां चंद्रधारी मिथिला कला महाविद्यालय दरभंगा के सभागार में संस्कृत विभाग एवं संस्कृत शिक्षण केन्द्र तथा संस्कृत भारती बिहार प्रान्त के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित दस दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि ज्ञान, विज्ञान एवं संस्कार की भाषा के रूप में अनादि काल से प्रवाहित हो रही संस्कृत रुपी गंगा में जिसने अवगाहन किया वह निश्चय ही एक संस्कारित मानव के रूप में सम्पूर्ण विश्व का मार्गदर्शन करेगा। उन्होने कहा कि भगवद गीता दुनिया का सर्वश्रेष्ठ ग्रन्थ है, जो हमें कर्म करने के लिये प्रेरित करती है। प्रधानाचार्य प्रो. मुश्ताक़ अहमद ने संस्कृत भाषा के वर्तमानकालिक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह भाषा किसी धर्म, जाति या संप्रदाय की भाषा नहीं बल्कि ज्ञान एवं विज्ञान की भाषा है। इसी भाषा में विश्व के सारे प्राचीन ज्ञान निहित हैं। उन्होंने सभी विषयों के छात्रों से संस्कृत सीखने का आह्वान करते हुए कहा कि यह हमारी बहुत बड़ी चूक है कि हमने संस्कृत भाषा को पढ़ना छोड़ दिया। आज आवश्यकता है कि संस्कृत को जन जन तक पहुँचाया जाए।

वृक्षारोपण राष्ट्र सेवा है : बाबूलाल मरांडी

रांची। भारतीय जनता पार्टी के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने आज अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर ओरमांझी प्रखंड अंतर्गत कूचू ग्राम के पुराना तालाब बगीचा में वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश महामंत्री एवम सांसद आदित्य साहू उपस्थित थे। मरांडी ने चंदन एवम कल्प वृक्ष के पौधे को लगाया। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मरांडी ने कहा कि भारत की सनातन संस्कृति परंपरा महान है। हमने धरती को माता माना है। और धरती माता की सबसे बड़ी सेवा पहाड़,जंगल नदियां,पेड़ पौधे का संरक्षण है। उन्होंने कहा कि यह सब धरती का श्रृंगार है। वृक्षारोपण करके हम धरती माता भारत माता की शोभा में चार चांद लगा देते हैं ।उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण राष्ट्र सेवा है,मां भारती की सेवा है। मरांडी ने कहा कि विश्व की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा के कार्यकर्ता केवल राजनितिक गतिविधियां ही नहीं चलाते बल्कि समाज सेवा जुड़े विभिन्न प्रकल्पों में बढ़चढकर भाग लेते हैं ।उन्होंने प्रदेश महामंत्री एवम सांसद आदित्य साहू जी को अमृत वाटिका निर्माण केलिए शुभकामनाएं दी ।तथा सभी कार्यकर्ताओं से अपने अपने क्षेत्र में वृक्षारोपण कार्यक्रम को बढ़ाने का का आह्वान किया।

युवा महात्मा गांधी के बारे में पढ़ें , उनका जीवन-दर्शन आत्मसात करें : मुर्मु

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को देश के नागरिकों, विशेष रूप से युवाओं और बच्चों से महात्मा गांधीजी के बारे में अधिक से अधिक पढ़ने और उनके आदर्शों को आत्मसात करने की अपील की।

मुर्मु ने कहा कि गांधीजी के आदर्श और मूल्य हमारे देश एवं समाज के लिए बहुत प्रासंगिक हैं तथा उनका मार्ग ही विश्व-कल्याण और विश्व-शांति का मार्ग है। राष्ट्रपति ने यहां गांधी दर्शन में गांधीजी की 12 फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया और परिसर में गांधी वाटिका का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी नागरिकों, विशेष रूप से युवाओं और बच्चों से आग्रह से गांधीजी के बारे में अधिक से अधिक पढ़ने और उनके आदर्शों को आत्मसात करने की अपील करते हुए कहा कि ‘इस संबंध में गांधी स्मृति, दर्शन समिति तथा ऐसी अन्य संस्थाओं की भूमिका बहुत

महत्वपूर्ण हो जाती है।’ राष्ट्रपति ने कहा कि गांधीवादी संस्थाएं पुस्तकों, फिल्मों, संगोष्ठियों, कार्टूनों और अन्य संचार माध्यमों के जरिए युवाओं और बच्चों को गांधीजी के जीवन की शिक्षाओं के बारे में अधिक जागरूक कर सकती हैं और गांधीजी के सपनों के भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं।

मुर्मु ने कहा, ‘ महात्मा गांधी संपूर्ण विश्व समुदाय के लिए वरदान स्वरूप हैं।

उनके आदर्शों और जीवन मूल्यों ने पूरी दुनिया को एक नई दिशा दी है। उन्होंने अहिंसा का मार्ग उस समय दिखाया जब विश्व-युद्धों के कालखंड के दौरान दुनिया घृणा और द्वेष से ग्रसित थी।’

उन्होंने कहा कि सत्य और अहिंसा के साथ गांधीजी के प्रयोग ने उन्हें एक महामानव का दर्जा दिया। राष्ट्रपति ने बताया कि उनकी प्रतिमाएं कई देशों में स्थापित हैं और दुनिया भर के लोग उनके आदर्शों में विश्वास करते हैं। उन्होंने नेल्सन मंडेला, मार्टिन लूथर किंग जूनियर और बराक ओबामा का उदाहरण देते हुए कहा कि कई महान नेताओं ने गांधीजी द्वारा दिखाए गए सत्य और अहिंसा के मार्ग को विश्व कल्याण का मार्ग माना। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि उनके दिखाए मार्ग पर चलकर विश्व शांति के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

राष्ट्रपति ने कहा कि गांधीजी ने सार्वजनिक और व्यक्तिगत जीवन में पवित्रता पर बहुत बल दिया। उनका मानना था कि नैतिक शक्ति के आधार पर ही अहिंसा के माध्यम से हिंसा का सामना किया जा सकता है।

‘भारत जोड़ो यात्रा’ की वर्षगांठ पर कांग्रेस करेगी 722 पदयात्राएं

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि ‘भारत जोड़ो यात्रा’ से पार्टी कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह पैदा हुआ है और इस यात्रा की पहली सालगिरह पर पार्टी सात सितंबर को देशभर में जिला स्तर पर 722 पदयात्राएं आयोजित करेगी जिसमें सभी बड़े नेता हिस्सा लेंगे।

कांग्रेस महासचिव संगठन के सी वेणुगोपाल ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पिछले साल सात सितम्बर को पार्टी नेता राहुल गांधी ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक ऐतिहासिक ‘भारत जोड़ो यात्रा’ शुरु की। देश में किसी भी राजनेता द्वारा की गई यह अब तक की सबसे लंबी पदयात्रा है। श्री गांधी की 4081 किलोमीटर लम्बी यह यात्रा 136 दिन तक चली जो 12 राज्यों, दो केंद्र शासित प्रदेशों, 75 जिलों और 76

लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों से होते हुए जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर पहुंची थी।

उन्होंने कहा कि ‘भारत जोड़ो यात्रा’ में गांधी ने व्यापक स्तर पर जनसंपर्क किया। इस दौरान असंख्य लोगों ने उनसे मुलाकात की और अपनी समस्याएं उनको बताई। कांग्रेस नेता ने यात्रा में बच्चों से लेकर महिलाओं और बुजुर्गों से बातचीत की और विभिन्न वर्ग के लोगों की समस्याएं सुनी। उनका कहना था कि यात्रा के दौरान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने सौ से अधिक संगठनों और समूहों के लोगों से बातचीत की। इस दौरान 100 से ज्यादा बैठकें हुई और 13 विशाल जनसभाओं को उन्होंने संबोधित किया। सार्वजनिक बैठकें और 12 प्रेस कॉन्फ्रेंस के साथ-साथ देश भर में अनगिनत बैठकें इस यात्रा का हिस्सा थीं।

वेणुगोपाल ने कहा,भारत जोड़ो यात्रा की पहली सालगिरह पर हम पूरे देश में 722 ‘भारत जोड़ो’ यात्राएं शुरू कर रहे हैं। यह पदयात्रा सात सितंबर को शाम पांच बजे से छह बजे तक देश के प्रत्येक जिले में कांग्रेस के विरष्ठ नेताओं के नेतृत्व में आयोजित की जाएगी। यात्रा के बाद बैठकें होंगी।

कांग्रेस नेता ने कहा,हाल में गठित कांग्रेस की सर्वोच्च नीति निर्धारक संस्था कांग्रेस कार्य समिति की 16 सितंबर को तेलंगाना के हैदराबाद में बैठक हो रही है। बैठक में तेलंगाना के लिए ‘पांच गारंटी’ योजनाओं की घोषणा की जाएगी। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के अनुसार नवगठित कार्यसमिति की यह पहली बैठक 17 सितंबर को होगी और फिर 18 सितंबर को इसकी विस्तारित बैठक होगी। सभी सीडब्ल्यूसी सदस्य, पीसीसी अध्यक्ष, सीएलपी नेता और संसदीय दल के पदाधिकारी भाग लेंगे। श्री खड़गे इस दौरान सीडब्ल्यूसी सदस्यों, पीसीसी अध्यक्षों और सीएलपी नेताओं के काफिले को भी हरी झंडी दिखाएंगे जो तेलंगाना के 119 विधानसभा क्षेत्रों में से प्रत्येक का दौरा करेंगे। फिर 18 सितंबर को कांग्रेस कार्यकर्ता बीआरएस सरकार के खिलाफ अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में घर-घर अभियान चलाएंगे। नेता प्रभावशाली लोगों के साथ सामुदायिक दोपहर के भोजन में भाग लेंगे, जिसके बाद भारत जोड़ो मार्च होगा।

बीरेन ने मणिपुर संकट पर ईजीआई रिपोर्ट की निंदा की

इंफाल। मणिपुर सरकार ने एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया (ईजीआई) की रिपोर्ट की निंदा करते हुए रिपोर्ट बनाने वाले व्यक्तियों पर प्राथमिकी दर्ज कराई है।

मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने सोमवार को कहा कि ऐसे समय जब राज्य के लोग कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं और विभिन्न सरकारी एजेंसियां संकट के समाधान का प्रयास कर रही हैं, तो निहित स्वार्थ वाले कुछ लोग स्थिति का उचित आकलन किए बिना रिपोर्ट देकर चल रहे संकट को भड़का रहे हैं। सिंह ने कार्यालय में मीडिया से कहा, मणिपुर संकट के बारे में एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया द्वारा एक रिपोर्ट प्रकाशित की गई है। उन्होंने रिपोर्ट तैयार करने के तरीके पर सवाल उठाते हुए पूछा कि इसे किसने प्रभावित किया, क्योंकि यह पता लगाने का कोई प्रयास नहीं किया गया। जब लोग मर रहे हैं और विस्थापित हो रहे हैं, तो ऐसी पक्षपातपूर्ण रिपोर्ट ने मणिपुर में स्थिति और खराब हो गयी।

मुख्यमंत्री ने पूछा, ऐसी रिपोर्ट बनाने

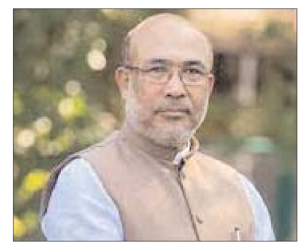

वाले आप कौन होते हैं आप कठिन स्थिति के बारे में, मणिपुर के इतिहास के बारे में कितना जानते हैं। ऐसे नाजुक समय में जब लोग पीड़ित हैं तो रिपोर्ट जारी करना और फैसला देना बेहद निंदनीय है। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट बनाने वाले चार व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करना जरूरी हो गया था क्योंकि उन्होंने आग में तेल डाला है। मणिपुर सरकार के पास चुराचांदपुर जिले में 3 मई को सुबह 1030 बजे शुरू हुई आगजनी और हिंसा के बारे में सारी जानकारी है, लेकिन कोई बयान जारी नहीं किया गया है क्योंकि इससे शांति प्रक्रिया बाधित होगी और उच्चतम न्यायालय ने मामले की जांच करने का निर्णय लिया है।

हिमाचल भाजपा विधायक दल की बैठक में कई मुद्दों पर होगी चर्चा

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र 18 सितंबर से शुरू होने जा रहा है। इससे पहले ही हिमाचल भारतीय जनता पार्टी सरकार को घेरने की तैयारी में जुट गई है। सरकार को किन मुद्दों पर घेरना है। इसके लिए भाजपा विधायक दल की बैठक बुलाई गई है। बैठक की अध्यक्षता नेता प्रतिपक्ष जय राम ठाकुर करेंगे। यह बैठक शाम छह बजे शिमला स्थित सर्किट हाउस में होगी।

भारतीय जनता पार्टी विधायक दल की इस बैठक में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर समेत सभी 25 विधायक हिस्सा लेंगें ।. इस बैठक में नेता प्रतिपक्ष सभी भाजपा विधायकों से रिपोर्ट लेंगे। विधायक दल की पिछली बैठक में सभी भाजपा विधायकों को ग्राउंड जीरो पर जाकर यह चेक करने के लिए कहा गया था कि उनके इलाके में प्रभावित लोगों को मदद राशि किस तरह दी जा रही है।

भाजपा लगातार सरकार पर भाई-भतीजावाद करने का आरोप लगा रही है।

विपक्ष का आरोप है कि सरकार सिर्फ अपने चहेतों को राहत दे रही है, जबकि असल प्रभावितों तक राहत पहुंचाने में देरी हो रही है ।. यही ग्राउंड रिपोर्ट लेकर सभी विधायक नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर के सामने पेश करेंगे। बैठक में हिमाचल भाजपा अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल भी मौजूद रहेंगे। हिमाचल प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र आपदा के चलते इस बार करीब एक महीने की देरी से हो रहा है।

हैदराबाद में राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर बाइक रैली

हैदराबाद। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) 17 सितंबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर यहां बाइक रैली और आम सभा का आयोजन करेगी। पार्टी ने सोमवार को यहां एक विज्ञप्ति में कहा कि बाइक रैली दरगाह यूसुफैन, नामपल्ली से हॉकी ग्राउंड, मसाब टैंक तक दोपहर एक बजे शुरू होगी। दोपहर दो बजे मासाब टैंक स्थित हॉकी मैदान में आमसभा होगी। एआईएमआईएम अध्यक्ष एवं हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन औवेसी, तेलंगाना विधानसभा में फ्लोर लीडर अकबरुद्दीन औवेसी, पार्टी विधायक, नगरसेवक और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता इस मौके पर मौजूद रहेंगे।

रिजर्व फारेस्ट खनन मामला : जवाब दो अन्यथा जुर्माना भुगतो, प्रमुख सचिव को भी पेश होने के निर्देश

नैनीताल। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने आरक्षित वन क्षेत्र में खनन की अनुमति दिये जाने के मामले में सरकार को अंतिम मोहलत देते हुए एक सप्ताह में जवाब देने के निर्देश दिये हैं।

न्यायालय ने साथ ही अपने आदेश में लिखा है कि एक सप्ताह में जवाब पेश नहीं करने की एवज में प्रमुख सचिव वन व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होंगे और सरकार बतौर जुर्माना 25 हजार रुपये की धनराशि राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण में जमा करेगी।

मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी और न्यायमूर्ति आलोक कुमार वर्मा की युगलपीठ ने ये निर्देश आज बाजपुर निवासी रमेश कांबोज की ओर से दायर जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए दिये।

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता

एसआरएस गिल की ओर से अदालत को बताया गया कि सरकार इस मामले में जवाब पेश नहीं कर रही है। अदालत ने पिछले साल 2022 में एक आदेश जारी कर सरकार को जवाबी हलफनामा प्रस्तुत करने के निर्देश दिये थे, लेकिन सरकार इस मामले में जवाब पेश करने में हीलाहवाली कर रही है।

आज तक जवाबी हलफनामा प्रस्तुत नहीं किया गया है। इसके बाद अदालत ने सरकार को अंतिम मोहलत देते हुए एक सप्ताह में जवाब प्रस्तुत करने को कहा। साथ ही जवाब नहीं देने की एवज में 25000 जुर्माना के साथ ही प्रमुख सचिव को व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होने को कहा है।

याचिकाकर्ता ने 2022 में एक जनहित याचिका दायर कर कहा कि सरकार की ओर से आरक्षित वन क्षेत्र में खनन की अनुमति दी जा रही है। यह उच्च न्यायालय के वर्ष 2014 में जारी आदेश का उल्लंघन है। इसके लिये केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय की अनुमति भी नहीं ली गयी है।

उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ प्रदेश सरकार उच्चतम न्यायालय से भी विशेष अपील हार चुकी है। इसके बावजूद सरकार की ओर से निजी लोगों को खनन के पट्टे आवंटित किये जा रहे हैं।

बंगलादेशी प्रतिनिधिमंडल की मांग को केंद्र के समक्ष उठाउंगा : साहा

अगरतला। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने बंगलादेश से आए पत्रकार प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया है कि वह वीजा प्रक्रिया को सरल बनाने की उनकी मांग का मामला विदेश मंत्रालय के समक्ष उठाएंगे।

साहा ने भारत और बंगलादेश के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उठाए गए कई महत्वपूर्ण कदमों पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा अपनाया गया विकास का हीरा मॉडल क्षेत्र में कनेक्टिविटी को मजबूत करने में सहायक बन गया है। उन्होंने नशीली दवाओं और नशीले पदार्थों की सीमा

पार आवाजाही को खत्म करने के लिए अपनी सरकार की अटूट प्रतिबद्धता के बारे में भी जानकारी साझा की। उन्होंने कहा, हमारा त्रिपुरा को नशा मुक्त राज्य बनाने के लिए अभियान जारी है, जिसे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने देश में नशीली दवाओं और भारत के माध्यम से उनके आंदोलन के खिलाफ शून्य-सहिष्णुता के रूप में घोषित किया है। बंगलादेशी प्रतिनिधिमंडल ने दक्षिण त्रिपुरा के छोटाखला में भारत-बंगलादेश मैत्री उद्यान का दौरा किया और त्रिपुरा सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया, जो 1971 के मुक्ति संग्राम की यादों को संरक्षित करने पर ध्यान केंद्रित करती है।

हिसार में दिखी कांग्रेस की गुटबाजी, पर्यवेक्षकों के समक्ष नारेबाजी

हिसार। हरियाणा में यहां जिला कांग्रेस भवन में सोमवार को प्रदेश में संगठन विस्तार को लेकर कांग्रेस कमेटी के प्रदेश पर्यवेक्षकों को पार्टी में गुटबाजी खुलेआम देखने को मिली। पार्टी कार्यकर्ताओं से फीडबैक लेने पहुंचे पर्यवेक्षक शैली चौधरी, विधायक रघुबीर कादियान और गुजरात से कांति भाई को यहां पार्टी के गुटों की नारेबाजी और हंगामे का सामना करना पड़ा। बैठक में कुमारी सैलजा गुट के समर्थकों ने नारे लगाते हुए कहा कि बाप-बेटे की नहीं चलेगी। दूसरा गुट भूपेंद्र सिंह हुड्डा और दीपेंद्र हुड्डा के नारे लगाकर शक्ति प्रदर्शन करता नजर आया। इस बीच पर्यवेक्षकों ने कार्यकर्ताओं से फीडबैक लिया जिसकी रिपोर्ट 10 सितम्बर तक आलाकमान को दी जाएगी।

मोदी के नेतृत्व में भारत प्रगति पथ पर अग्रसर : ठाकुर

फगवाड़ा। सूचना एवं प्रसारण और युवा मामले एवं खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने सोमवार को सभी से मेरी माटी- मेरा देश अभियान का हिस्सा बनने और देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले सभी राष्ट्र भक्तों को याद रखने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि यह एक राष्ट्रीय अभियान है जो स्वतंत्रता सेनानियों के साथ-साथ उन सैनिकों को नमन करने के लिए शुरू किया गया है जिन्होंने अपने सर्वोच्च बलिदान से हमारी सीमाओं को सुरक्षित किया है। केन्द्रीय मंत्री ने अपनी मिट्टी से हम सबको एकजुट रखने का श्रेय किसानों और सुरक्षा बलों दोनों को देते हुए कहा कि जहां किसान अनाज पैदा करके 140 करोड़ भारतीयों की भोजन

संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति कर रहे हैं, जवान अपनी मिट्टी, अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों तक की कीमत चुकाने में भी कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। कपूरथला जिले के फगवाड़ा के हरबंसपुर गांव में ग्रामीणों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उन सभी को याद रखना व नमन करना हमारा कर्तव्य है जिन्होंने देश की आजादी के साथ-साथ इसकी सीमाओं को सुरक्षित रखने में योगदान दिया है।

प्रदेश की समृद्ध संस्कृति के संवाहक बने प्रवासी हिमाचली : सुक्खू

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आज शिमला से वर्चुअल माध्यम से कनाडा में हिमाचली एसोसिएशन ऑफ अल्बर्टा, कैलगरी द्वारा आयोजित ‘हिमाचली धाम’ कार्यक्रम में भाग लिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विदेशों में रह रहे हिमाचलियों को अपनी समृद्ध विरासत और संस्कृति से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश की जीवंत संस्कृति के अग्रदूत के रूप में प्रवासी हिमाचली विश्व भर में प्रशंसनीय भूमिका निभा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को राज्य की परम्पराओं और संस्कृति से परिचित करवाने में इस प्रकार के आयोजन महत्वपूर्ण हैं और इससे युवा अपनी संस्कृति के प्रति और अधिक जुड़ाव महसूस करते हैं।

बोस ने बंगाल के 16 विश्वविद्यालयों में अंतरिम कुलपति नियुक्त किए

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस ने सरकार की ओर से प्रायोजित प्रदेश के 16 विश्वविद्यालयों में कुलपति नियुक्त किए हैं।

आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि राजभवन द्वारा विश्वविद्यालयों के छात्रों के लिए एक ऑनलाइन सेवा शुरू करने के बमुश्किल तीन दिन बाद रविवार देर रात एक अभूतपूर्व कदम उठाया गया। इन विश्वविद्यालयों में कुलपति नहीं थे।

राज्यपाल राज्य विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति होता है। इन नाते श्री बोस ने उन 16 विश्वविद्यालयों के लिए अंतरिम कुलपति नियुक्त किये, जो बगैर कुपति के संचालित हो रहे थे। राजभवन से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि विश्वविद्यालयों में कुलपति के नहीं होने की वजह से छात्रों को डिग्री प्रमाणपत्र तथा अन्य आवश्य दस्तावेज प्राप्त करने समस्याएं हो रही थीं।

राजभवन ने अधिकारियों से राज्य सरकार के आदेशों (यदि कोई हो) को क्रियान्वित करने से पहले कुलपति की सहमति लेने के लिए भी कहा है। राज्यपाल ने रविवार को शुरुआत में सात विश्वविद्यालयों में कुलपति की नियुक्ति की, जिनमें प्रतिष्ठित प्रेसीडेंसी यूनिवर्सिटी, मकाउत और यूनिवर्सिटी ऑफ बर्दवान शामिल हैं। राजभवन की ओर से जारी आदेश के मुताबिक प्रोफेसर राज कुमार कोठारी को पश्चिम बंगाल राज्य विश्वविद्यालय का अंतरिम कुलपति नियुक्त किया गया। पूर्व मुख्य न्यायाधीश शुभ्रकमल मुखर्जी (जिनके पास वर्तमान में रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय का अंतरिम प्रभार है- प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय के अंतरिम कुलपति भी होंगे। प्रोफेसर देबब्रत बसु को उत्तर बंगाल कृषि विश्वविद्यालय का अंतरिम कुलपति नियुक्त किया गया है।

गौरवशाली भारत
नई दिल्ली
मंगलवार 05 सितम्बर 2023
Www.gauravshalibharat.com

शार्ट न्यूज

खंभे से टकराई कार, नाबालिग की मौत

नई दिल्ली। बेगमपुर इलाके में शनिवार दोपहर एक होंडा अमेज कार बिजली के खंभे से टकरा गई। हादसे में कार चला रहे नाबालिग की मौत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। लोगों के मुताबिक घटना के समय कार की रफ्तार काफी तेज थी। लोगों ने रॉड से दरवाजे को खोलकर नाबालिग को बाहर निकाला। उसे पास के अस्पताल में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस लापरवाही से वाहन चलाने से हुई मौत का मामला दर्ज कर जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मृतक की शिनाख्त आदेश माथुर (17) के रूप में हुई है। वह पिता सचिन, मां, भाई और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मोहम्मदपुर मजरी गांव में रहता था। उसके पिता एक निजी पब्लिक स्कूल चलाते हैं। शनिवार दोपहर पुलिस को रोहिणी सेक्टर 36 हेलीपैड के पास सड़क हादसा होने की जानकारी मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि कार एक बिजली के खंभे से टकराकर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। वहां जमा लोगों ने बताया कि कार चला रहे युवक को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल पहुंचने पर पुलिस को पता चला कि चालक को मृत घोषित कर दिया गया है। पूछताछ में पता चला कि आदेश माथुर किसी काम से रोहिणी गया हुआ था। वहां से वह वापस घर की ओर जा रहा था। घटनास्थल के पास मौजूद लोगों ने बताया कि घटना के समय कार की रफ्तार काफी तेज थी। कार अचानक अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकरा गई और कार के परखच्चे उड़ गए।

किसान एकता संघ की बैठक आयोजित

जेवर। सोमवार को किसान एकता संघ की बैठक रबुपूरा कोतवाली के म्याना गांव में राष्ट्रीय सोरन प्रधान के नेतृत्व में सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता चौधरी बाली सिंह व संचालन प्रदेश अध्यक्ष पंडित प्रमोद शर्मा ने किया। इस दौरान संगठन के जिला अध्यक्ष पप्पे नागर ने बताया कि 15 सितम्बर को सलारपुर अंडर पास के नीचे एक महापंचायत किसान एकता संघ के बैनर तले होगी। उन्होंने बताया की 22 सितम्बर को मोटो जीपी बाइक रेस जो दनकौर क्षेत्र में स्थित बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में होनी है। रेसिंग ट्रैक के लिए दनकौर क्षेत्र के 11 गांवों के किसानों की जमीन का 2007 में अधिग्रहण किया गया था। लेकिन अभी तक उसका 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवजा क्षेत्र के किसानों को नहीं दिया गया है। पिछले कई सालों से किसान आन्दोलन करते आ रहे हैं। कोर्ट के आदेश के बावजूद क्षेत्र का किसान मुआवजे से वंचित है। जब तक किसानों को मुआवजा नहीं दिया जाएगा। तब तक वह होने वाले हर आयोजन का विरोध करते रहेंगे। किसानों का कहना है कि चाहे उसके लिए हमें जेल जाना पड़े। हम जेल जाने के लिए तैयार हैं। हम 15 सितम्बर की महापंचायत को सफल बनाने को लेकर हर प्रभावित गांव में जाकर नुक्कड़ सभा कर लोगों से पंचायत में आने के अपील करेंगे। वहीं, किसानों की महापंचायत को लेकर प्रशासनिक अधिकारी भी उनको मनाने में पिछले कई दिनों से लगे हुए हैं। इस दौरान संगठन के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी रमेश कसाना ने बताया कि बैठक म्याना गांव में हुई। बैठक में सर्वसम्मति से संगठन का विस्तार भी किया गया।

लोगों को बिजली की समस्या से मिलगी निजात

जेवर। दनकौर कस्बे के लोगों को बिजली कटौती की समस्या से कुछ महीने बाद निजात मिल जाएगी। बिजली कटौती से कस्बे में रहने वाले लोग काफी परेशान हैं। लोगों की समस्या को देखते हुए विभागीय अधिकारियों ने 20 मेगावाट का नया बिजली सब स्टेशन बनाना शुरू कर दिया है। जिसका निर्माण काफी तेज गति से कराया जा रहा है। जिसको लेकर लोगों में खुशी भी देखने को मिली है। दनकौर ऐतिहासिक कस्बा है। जिसकी जनसंख्या करीब 50 हजार है। उसके बावजूद भी यहां के बिजली व्यवस्था काफी खराब स्थिति में है। जिससे लोगों को काफी परेशानी होती है। दिन और रात को काफी घंटे तक बिजली कटौती होने से लोगों को दिक्कत का सामना करना पड़ता है। साथ ही कस्बे में कोतवाली भी स्थित है। जहां बिजली नहीं आने के चलते कोतवाली में आने वाले फरियादियों की सिस्टम बिजली के बिना नहीं चलते। एफआईआर भी दर्ज नहीं होती है। जिसकी वजह से लोगों को लाइट आने का इंतजार करना पड़ता है। साथ जी व्यापारियों को भी बिजली नहीं आने की वजह से व्यापार चलाने में काफी परेशानी होती है। अधिकांश दुकान पर जो सामान बेचे जाते हैं। जो बिजली से ही चेक किए जाते हैं। लेकिन बिजली नहीं आने से व्यापारियों को भी काफी परेशानी हो रही है। जिसको देखते हुए उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड विभाग द्वारा अब कस्बे के लोगों के लिए नया बिजली सब स्टेशन बनवाया जा रहा है।

महिलाओं ने मोदीनगर तहसील पर किया प्रदर्शन

मोदीनगर। मोदीनगर में कमेटी डालने के नाम पर 50 महिलाओं से 60 लाख रुपए ठगने का मामला सामने आया है। महिलाओं ने मोदीनगर तहसील पर प्रदर्शन कर जमकर हंगामा किया। महिलाओं का आरोप है कि ठगी करने वाली महिला ने अपनी नमक फैक्ट्री लगा ली है। पैसे वापस मांगने पर झूठे केस में फंसाने व जान से मारने की धमकी देती है। एसीपी मोदीनगर ने महिलाओं के बयान दर्ज किए हैं। नगर की बह्ममपुरी कॉलोनी निवासी एक दर्जन से अधिक महिलाएं एकत्र होकर मोदीनगर तहसील पहुंचीं। महिलाओं ने उपजिलाधिकारी संतोष राय व एसीपी मोदीनगर ज्ञानप्रकाश राय के कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर जमकर हंगामा किया। महिला ललिता, पूनम शर्मा, उमा, सुधा चौधरी सहित अन्य महिलाओं ने बताया कि साहब कॉलोनी की रहने वाले एक महिला कमेटी डालती है। 50 से अधिक महिलाओं ने उक्त महिला के पास 60 लाख से अधिक की कमेटी डाल रखी है। उक्त महिला ने कमेटी के पैसे से अपनी नमक फैक्ट्री लगा ली है। उनका आरोप है कि कमेटी के पैसे वापस मांगने पर अभद्रता व मारपीट की जाती है। महिलाओं ने एक एक पैसा जोड़कर कमेटी डाली थी। महिलाओं ने बताया कि जब वह पैसे मांगने जाती हैं तो उक्त महिला व उनका पति झूठे केस में फंसाने व जान से मारने की धमकी देता है। यह दंपति पहले भी कई लोगों से ठगी कर चुके हैं। महिलाओं ने चेतावनी दी है कि यदि कमेटी के पैसे वापस नहीं दिलाए गए तो वह पुलिस कमिश्नर अजय मिश्र के कार्यालय पर धरना प्रदर्शन करेंगी।

नई दिल्ली इलाके में ऑनलाइन डिलीवरी पर रहेगी रोक, घर बैठे मंगवा सकेंगे दवाएं

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली जी20 समिट के दौरान तीन दिन बंद रहेगी। इस दौरान नई दिल्ली इलाके में सबसे ज्यादा पाबंदियां हैं। ऐसे में लोग जानना चाहते हैं कि आखिर 8 से लेकर 10 सितंबर तक क्या क्या खुला रहेगा। और कौन सी सेवाएं बंद रहेंगी। दिल्ली पुलिस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि सभी ऑनलाइन सेवाएं नई दिल्ली जिले में बंद रहेंगी। सिर्फ ऑनलाइन दवा मंगवा सकते हैं।

विशेष पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक) एसएस यादव ने कहा कि बीती 25 अगस्त को दिल्ली पुलिस के द्वारा जारी की गई ट्रैफिक एडवाइजरी में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में जरूरी सेवाएं जैसे पोस्टल, मेडिकल और पैथ लेब से सैंपल कलेक्शन की इजाजत रहेगी। नई दिल्ली इलाके में वाणिज्य गतिविधियों की अनुमति नहीं होगी। ऑनलाइ डिलीवरी सेवा की अनुमति नहीं होगी। लेकिन दवाओं की डिलीवरी की इज्जाजत होगी। उन्होंने आगे कहा कि जरूरी सेवाओं के लिए एक वैध अनुमति दी गई है।

सीनियर अधिकारी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन बंद रहेगा। लेकिन मेट्रो सेवा पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। वीआईपी गतिविधियों के दौरान मेट्रो स्टेशन पर गेट 10 से 15 मिनट तक के लिए बंद रहेंगे। प्रगति मैदान को छोड़ दें तो मेट्रो सेवा अन्य स्टेशनों पर प्रभावित नहीं होगी।

यादव ने आगे कहा कि जिन लोगों ने नई दिल्ली जिले में होटल बुकिंग की है, उन्हें एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन से यात्रा करने की इज्जाजत होग। लेकिन इसके लिए आपकों अपने दस्तावेज दिखाने होंगे। उन्होंने कहा कि उस समय सुरक्षा प्रतिबंधों के कारण 10-15 मिनट की देरी हो सकती है। लेकिन एंट्री की इज्जाजत होगी। जी20 नेताओं का शिखर सम्मेलन 9-10 सितंबर को प्रगति मैदान में नवनिर्मित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और प्रदर्शनी केंद्र भारत मंडपम में होगा।

सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन को छोड़कर बाकी कोई स्टेशन नहीं रहेंगे बंद

देश की राजधानी दिल्ली जी 20 शिखर सम्मेलन के लिए सजकर चमक उठी है। दुनिया भर के ताकतवर मुल्कों के नेता मेहमान बनकर यहां आएंगे। नौ और 10 सितंबर को दिल्ली में सम्मेलन का आयोजन होना है और इसको लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस दौरान दिल्ली के कई रास्तों पर रूट डायवर्जन भी किया जाएगा, जिसको लेकर ट्रैफिक पुलिस पहले ही एडवाइजरी जारी कर चुकी है। इस बीच सोशल मीडिया पर पोस्ट वायरल हो रही हैं कि दिल्ली में जी20 समिट के चलते लॉकडाउन लगने वाला है। अब इसको लेकर दिल्ली पुलिस ने बयान जारी करते हुए कहा कि ये कोई लॉकडाउन नहीं है। दिल्ली पुलिस के विशेष पुलिस आयुक्त एसएस यादव ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन को छोड़कर बाकी कोई मेट्रो स्टेशन बंद नहीं रहेगा। जब मेट्रो स्टेशन के पास से काफिला गुजरेगा तो उस समय मेट्रो स्टेशनों पर प्रवेश व निकास 10 से 15 मिनट के लिए बंद रहेगा। दिल्ली पुलिस ने रविवार को घोषणा की कि नौ और 10 सितंबर को होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान कोई लॉकडाउन नहीं है। बता दें कि दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने एक हेल्पडेस्क स्थापित किया है, जो शिखर सम्मेलन के दौरान राष्ट्रीय राजधानी में ट्रैफिक की जानकारी मुहैया कराएगा। वाहन चालक किसी भी तरह की दिक्कत होने पर हेल्पडेस्क से संपर्क कर सकते हैं। इससे पहले शनिवार को, दिल्ली पुलिस ने जी20 शिखर सम्मेलन के लिए फुल ड्रेस रिहर्सल की, जिसमें राष्ट्रीय राजधानी के विभिन्न हिस्सों से नई दिल्ली जिले की ओर काफिले को ले जाया गया।

उदयनिधि स्टालिन से माफी की मांग की

दिल्ली भाजपा नेताओं ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को विरोध पत्र सौंपा

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के नेता आज अध्यक्ष श्री वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में तमिलनाडु हाउस गए और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन को संबोधित एक विरोध पत्र सौंपा। मुख्य मंत्री स्टालिन को लिखे पत्र मे उनके बेटे और राज्य के मंत्री उदयनिधि स्टालिन के उस बयान का विरोध किया गया, जिसमें उन्होंने संतान धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों से करते हुए सनातन धर्म को खत्म करने का आह्वान किया है।

बीजेपी नेताओं ने संयुक्त पत्र में मुख्य मंत्री एम.के. स्टालिन से संवैधानिक स्वामित्व का उल्लंघन करने वाले अनैतिक बयान के लिए अपने बेटे और मंत्री उदयनिधि स्टालिन से तत्काल माफी मंगवाने का आह्वान किया गया है।

दिल्ली भाजपा नेताओं के प्रतिनिधिमंडल में अध्यक्ष श्री वीरेंद्र सचदेवा, दिल्ली विधानसभा में एल.ओ.पी. श्री रामवीर सिंह बिधूड़ी, संसद सदस्य डॉ. हर्ष वर्धन, मनोज तिवारी, रमेश बिधूड़ी एवं प्रवेश साहिब सिंह, दिल्ली भाजपा महामंत्री हर्ष मल्होत्रा, योगेन्द्र चंदोलिया एवं

कमलजीत सहरावत और मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर शामिल थे।

विरोध पत्र सौंपने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के बेटे, जो खुद मंत्री हैं, उदयनिधि स्टालिन का बयान चौंकाने वाला है, जिसमें उन्होंने संतान धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियों से की है और सनातन धर्म के उन्मूलन का आह्वान किया है।

वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि उदयनिधि स्टालिन सनातन धर्म को खत्म करना चाहते हैं जो विदेशी आक्रमणकारी भी नहीं कर सके।

दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष ने कहा कि मंत्री के संवैधानिक पद पर रहते हुए भी उदयनिधि स्टालिन सनातन धर्म के उन्मूलन के आह्वान वाले एक सम्मेलन में न केवल शामिल हुए बल्कि उसे संबोधित कर घृणास्पद ब्यान भी दिया। दिल्ली तो क्या पूरे देश में डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन के 100 करोड़ सनातन धर्मी भारतीयों के खिलाफ दिये नफरत भरे भाषण के खिलाफ गुस्सा है।

वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि मंत्री उदयनिधि स्टालिन का बयान नफरत फैलाने वाला भाषण है जो सनातनी भारतीयों के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई को उकसाता है। यह भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार एक दंडनीय अपराध है। इसके अलावा उक्त बयान सनातनी समुदाय के खिलाफ पूर्वाग्रह को भी दर्शाता है और प्रोत्साहित करता है जो भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 19, 21 और 25 के विपरीत है।

वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि एक संवैधानिक पद धारक की ओर से आने वाले ऐसे अवैध, दंडनीय और असंवैधानिक बयान और कार्रवाई गंभीर चिंता का विषय है और यह तमिलनाडु राज्य की स्थिति को दर्शाता है।

दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष ने कहा कि उदयनिधि स्टालिन का यह बयान I.N.D.I.A. गठबंधन की बैठक के 2 दिन बाद आया है और यह गठबंधन की सबसे अच्छी सोची-समझी रणनीति प्रतीत होती है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के करीबी राजनीतिक सहयोगी हैं और इस मुद्दे पर उनकी चुप्पी 2 करोड़ सनातन धर्मी दिल्लीवासियों को चुभ रही है।

दिल्ली के लोग चाहते हैं कि अरविंद केजरीवाल आगे आएं और सनातन धर्म के उन्मूलन के उदयनिधि स्टालिन के आह्वान की निंदा करें।

नोएडा में नक्शा और कंपलीशन लेना हुआ महंगा

एजेंसी

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण से संबंधित आवंटित संपत्ति का नक्शा पास कराना और पूर्णता प्रमाण पत्र लेना आज (सोमवार) से महंगा हो जाएगा। अब नक्शा पास कराने के लिए 30 और पूर्णता प्रमाण पत्र लेने के लिए 35 रुपए प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से फीस देनी होगी। अभी तक दोनों मामलों में यह शुल्क 15 रुपए प्रति वर्ग मीटर लगता था।

12 अगस्त को नोएडा प्राधिकरण की हुई 210वीं बोर्ड में ये शुल्क बढ़ाने का निर्णय लिया गया था। बोर्ड बैठक अवस्थापन एवं औद्योगिक विकास आयुक्त एवं नोएडा प्राधिकरण के चेयरमैन मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई थी। अब इनको सोमवार से लागू किया जा रहा है। नई दरें लागू होने से अब घर बनाने के लिए नक्शा पास कराना और काम पूरा होने पर नोएडा प्राधिकरण से पूर्णता प्रमाण पत्र लेने के अधिक जेब ढीली करनी होगी।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2010 के बाद नक्शा पास कराने व पूर्णता प्रमाण पत्र शुल्क में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई थी। जबकि जो शुल्क नोएडा प्राधिकरण ने अब तय किए हैं, वे पहले से ही ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में लागू हैं। ऐसे में उन्हीं शुल्क को नोएडा में भी लागू करने का निर्णय लिया गया था। अधिकारियों ने बताया कि नक्शा पास कराने के लिए सभी प्रकार के भवनों के लिए सभी मंजि लों के ढके हुए क्षेत्र पर 30 रुपए प्रति वर्ग मीटर से शुल्क देना होगा।

इसके अलावा अभिन्यास योजना के लिए 4 हेक्टेयर तक के भूखंड क्षेत्र के लिए 2 रुपए प्रति वर्ग मीटर और इससे बड़े आकार के भूखंड के लिए 1 रुपए प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से शुल्क देना होगा। इसी तरह पूर्णता प्रमाण पत्र लेने के लिए सभी प्रकार के भवनों के लिए सभी मंजिलों के ढके हुए क्षेत्र पर 35 रुपए प्रति वर्ग मीटर और अभिन्यास योजना के लिए 4 हेक्टेयर क्षेत्र तक के भूखंड के लिए 1 रुपए 50 पैसे प्रति वर्ग मीटर और इससे बड़े एरिया के भूखंड के लिए 75 पैसे प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से शुल्क देना होगा।

नोएडा में लिफ्ट बनाने वाली फैक्ट्री में लगी भीषण आग

दमकल की 7 गाड़ियों ने एक घंटे में पाया काबू, कोई जनहानि नहीं

गौतम बुद्ध नगर। नोएडा जोन के फेज 1 कोतवाली के क्षेत्र में स्थित सेक्टर-3 में लिफ्ट बनाने वाली फैक्ट्री में देर रात आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की सात गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं और आग पर एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद काबू पा लिया गया। जब आग लगी उस समय फैक्ट्री बंद थी, जिसके कारण किसी जनहानि या किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। लेकिन काफी समान जल कर खाक हो गया।

सेक्टर-3 नोएडा में लोकपाल इंडस्ट्रियल फैक्ट्री जो लिफ्ट बनाने का काम करती है, उसमें देर रात अचानक आग लग गई। फैक्ट्री में तैनात गार्ड ने इसकी सूचना फायर स्टेशन को दी। आग लगने की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की सात गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं और आग बुझाने का काम शुरू कर दिया।

सीएफओ प्रदीप कुमार ने बताया कि देर रात करीब सवा 12 बजे सेक्टर-3 में स्थित लोकपाल इंडस्ट्रीज में आग लगने की सूचना मिली। फायर स्टेशन के नजदीक सेक्टर 3 में होने के कारण फायर ब्रिगेड की गाड़ियां जल्दी ही मौके पर पहुंच गईं और लगभग 7 गाड़ियों की मदद से इस आग पर एक घंटे की भारी मशक्कत के बाद काबू पा लिया गया।

आग लगी थी जब तो उस समय फैक्ट्री बंद था। उसमें कोई काम नहीं हो रहा था, ना ही कोई कर्मी वहां मौजूद था। इसलिए किसी भी जनहानि और किसी के घायल होने की भी सूचना नहीं है।

नवहिंद स्कूल के 70वें स्थापना दिवस पर कार्यक्रम प्रस्तुत किए

नई दिल्ली। दिल्ली के प्रतिष्ठित नवहिंद स्कूल के 70वें स्थापना दिवस पर अनेकता मे एकता और महिला सशक्तीकरण को प्रदर्शित करते हुए विभिन्न प्रदेशों के लोक नृत्यों तथा महिलाएं खेलों और विज्ञान के क्षेत्र पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। चेयरमैन कीर्ति शर्मा ने बताया नवहिंद एजुकेशनल सोसायटी के अंतर्गत नवहिंद गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल की स्थापना सन् 1953 मे हुई। इसकी आधारशिला तत्कालीन भारत के राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद जी द्वारा रक्खी गई।

विधालय के संस्थापक सदस्य स्वतंत्रता सेनानी, सामाजिक और राजनैतिक लोग रहे, जिनमें श्रीमती सुचेता कृपलानी, श्री वी कल्यानम (निजी सचिव महात्मा गांधी) आचार्य जे बी कृपलानी, श्री राधारमण, श्री राजनरायन, सुश्री कौशल्या नरूला विशेष रूप से सहयोगी थे। पिछले 70 वर्षों में इस विधालय से पढ़कर अनेक विधार्थी विभिन्न क्षैत्रो में वरिष्ठ पदों पर पहुंचे और राष्ट्र की प्रगति में सहभागी बने। आज भी महिला सशक्तीकरण के लिए अनेक कार्यक्रम नवहिंद सोसायटी द्वारा चलाए जा रहे हैं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि रोटेरी क्लब के पूर्व गवर्नर तथा उधोगपति डॉ ललित खन्ना ने अपने काव्यात्मक शैली से युक्त वक्तव्य में अटल जी की कविता को उद्धत करते हुए हार नहीं मानूंगा, रार नहीं ठानूंगा छात्राओं को प्रेरित किया कि जीवन के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु ठान ले तो विश्व की कोई भी शक्ति उसे रोक नहीं सकती। जीवन ? मे सकारात्मक सोच ही उन्नति का उतम साधन है। विशिष्ट अतिथि श्री राजीव विज ने छात्रों को नौकरियों के पीछे भागने की जगह उद्यमी बनने की सलाह दी और इसके लिए हर प्रकार से सहयोग देने का आश्वासन दिया। क्षेत्र विधायक विशेष रवि और अनेक विधालयों के चेयरमैन व समाज के प्रतिष्ठित लोगों ने विधार्थियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रम की भरपूर सराहना की। कार्यक्रम में समाज के अनेक विशिष्ट लोग श्रीमती मनदीप बक्शी, अशोक सचदेवा, ओम प्रकाश सराफ, विनोद राजपाल, डॉ अशोक शारदा, वागीश ईसर, विकास राज, नीति गुप्ता उपस्थित रहे। विधालय की प्रधानाचार्या ने विद्यालय की गतिविधियों, उपलब्धियां का विवरण प्रस्तुत किया कार्यक्रम का संचालन श्रीमती मीना गोयल ने किया। सचिव राकेश भल्ला ने धन्यवाद प्रस्तुत किया और सभी को कार्यक्रम में उपस्थित होने पर आभार प्रकट किया।

मेवाड़ में रजत जयंती महोत्सव की रहेगी धूम

आकर्षक रंगारंग कार्यक्रमों और नाटकों ने सबका मन मोहा

गाजियाबाद। वसुंधरा स्थित मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस का रजत जयंती महोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। आकर्षक प्रेजेन्टेशन्स, वाद-विवाद प्रतियोगिता, पूर्व शिक्षकों एवं पुरातन विद्यार्थियों के सम्मेलन, रंगारंग कार्यक्रमों और नाटकों के मंचन ने सबका दिल जीत लिया। प्रबंधन ने भी अपने उद्बोधन में अपने इंस्टीट्यूशंस के 25 वर्षों की यात्रा में आये आरोह-अवरोह की जानकारी दी। मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन डॉ. अशोक कुमार गदिया ने नई शिक्षा नीति-2020 के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि मेवाड़ परिवार में जो एक बार शामिल हो गया उसे वह कभी नहीं भूलते। अब समय आ गया है कि मेवाड़ियन अपनी प्रतिभा का भरपूर प्रदर्शन कर दुनिया को तालियां बजाने पर मजबूर कर दें। उन्होंने कहा कि भारत के पास जो 75 करोड़ नौजवानों

की ताकत है, उसे चैनलाइज करने की आवश्यकता है। इससे देश को सही दिशा मिलेगी और हम फिर से विश्वगुरु बनेंगे। इंस्टीट्यूशंस के महासचिव सीए अशोक कुमार सिंहल ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य देश और समाज के लिए महत्वपूर्ण हैं। हम शिक्षक हैं इसपर गर्व होना चाहिए। शिक्षक के पढ़ाये हुए बच्चे देश के महानायक बनते हैं। चंद्रयान-3 में जुटे 790 वैज्ञानिक भी उनके शिक्षकों की ही देन हैं। देश के प्रधानमंत्री भी उनके शिक्षक ने ही गढ़े हैं। इसलिए शिक्षक अपने आपको सबसे बड़ा समझें। स्वयं को महत्वपूर्ण मानें और देश के कर्णधारों में देशभक्ति की भावना का संचार करें। ताकि नौजवानों में देश एवं समाज के प्रति सेवाभाव जागे। इस मौके पर नृत्य, एकल गायन, नाटक आदि के मंचन किये गये। मेवाड़ पर बनी एक विशेष डाक्यूमेंट्री प्रदर्शित की गई। विजेता विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं शील्ड देकर पुरस्कृत किया गया। निदेशिका डॉ. अलका अग्रवाल ने भी इस अवसर पर अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया कि रजत जयंती महोत्सव 5 सितम्बर तक चलेगा। चार सितम्बर की शाम देश के नामी-गिरामी लोग शामिल होंगे। 5 सितम्बर को शिक्षक दिवस मनाया जाएगा।

एंटोड फॉर्मास्यूटिकल्स ने मनाया 38वां राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा

जागरूकता के माध्यम से जिंदगियों को कर रहे रोशन

नई दिल्ली। भारत की जानी-मानी फॉर्मास्यूटिकल कंपनी, एंटोड फॉर्मास्यूटिकल्स ने बड़ा बदलाव लाने वाले एक कार्यक्रम की घोषणा की है, जिसका संचालन 25 अगस्त से 8 सितंबर, 2023 के बीच चलाए जा रहे 38वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के दौरान किया जाना प्रस्तावित है। इस अभियान का लक्ष्य लोगों को यह समझाना है कि नेत्रदान कितना महत्वपूर्ण है। साथ ही, अधिक से अधिक लोगों को कॉर्निया-ट्रांसप्लांट के लिए प्रेरित करना है, जिससे कॉर्नियल नेत्रहीनता की बड़ी समस्या से निपटने में मदद मिल सके। पूरे भारत में अस्पतालों और क्लीनिक्स के साथ मिलकर काम करते हुए इस प्रयास से 10 से अधिक राज्यों में 1000 से ज्यादा डॉक्टर्स को साथ जोड़ा जाएगा, जबकि 50 हजार से ज्यादा लोगों का सहयोग लेने का लक्ष्य रखा गया है। ये डॉक्टर्स मरीजों को नेत्रदान

की मुख्य भूमिका के बारे में बताने, प्रक्रिया को सरल शब्दों में समझाने, भ्रम दूर करने और बड़े स्तर पर दयालुता को प्रेरित करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे।

इन मुख्य प्रयासों के अतिरिक्त, लोगों को जोड़ने वाली विभिन्न प्रकार की अनेक गतिविधियां संचालित की जानी हैं। इनके अंतर्गत, पूरे भारत में 10 से ज्यादा राज्यों में शिविरों और रैलियों के माध्यम से नेत्रदान के बारे में जागरूकता फैलाने की योजना है। इन राज्यों में महाराष्ट्र (मुंबई), बंगाल (कोलकाता), दिल्ली, तेलंगाना (हैदराबाद), बिहार (पटना) आदि शामिल हैं। इन आगामी कार्यक्रमों की योजना बहुत सोच-समझकर बनाई गई है, जिससे आपसी संवाद के लिए एक मंच तैयार किया जा सके और नेत्रदान के समर्थन में समुदायों को शिक्षित, प्रेरित और एकजुट किया जा सके। गहन अनुभव वाले इन शिविरों और प्रेरक रैलियों के माध्यम से, अभियान का उद्देश्य लोगों में जिम्मेदारी और प्रेरणा की संयुक्त भावना का विकास करना है। यह प्रयास भौगोलिक सीमाओं के परे है, जो नेत्रहीनों की दृष्टि लौटाने और उम्मीद जगाने का साझा लक्ष्य रखने वाले लोगों के बीच एकजुटता का धागा बुनता है।

राष्ट्रीय नेत्रहीनता सर्वेक्षण (2015-2019) के अनुसार, भारत में 48 लाख लोग नेत्रहीनता की चुनौती से जूझ रहे हैं। उल्लेखनीय है कि कॉर्निया की नेत्रहीनता, दूसरे सबसे प्रमुख प्रकार के रूप में सामने आई है, यह कुल नेत्रहीनता का 7.4 प्रतिशत भाग है। कॉर्निया की नेत्रहीनता में 25 से 30 हजार नए मामलों का हर साल सामने आना भी बेहद चिंताजनक है। दर्द की इस पृष्ठभूमि के पीछे, उम्मीद की किरण कॉर्निया ट्रांसप्लांट्स के माध्यम से इलाज में दिखाई देती है। यही आंखों की रोशनी लौटाने और कॉर्निया की गड़बड़ियों से नष्ट हुए जीवन के सुख की वापसी का एकमात्र रास्ता है।

एंटोड आई हेल्थ फाउंडेसन के अध्यक्ष श्री निखिल के. मासूरकर ने इस नेत्रदान पखवाड़े के आयोजन के उद्देश्य के बारे में इस तरह बताया, इस अभियान को बीते वर्ष चलाए गए अभियान #pledgemyeyes की सफल नींव पर तैयार किया गया है। हम नेत्रदान पखवाड़े के माध्यम से नेत्रदान के बारे में जागरूकता फैलाने के अपने प्रयासों को बड़े स्तर पर जारी रखे हुए हैं। यह प्रोफेसर डॉ. एस. नटराजन के नेतृत्व में संचालित pledgemyeyes.org पहल पर केंद्रित है। इस अभियान से लोगों को अपनी आंखें दान करने में आसानी होगी। केवल दो क्लिक्स के माध्यम से घर बैठे ही नेत्रदान के लिए रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है। इस दृष्टिकोण से नई आशा पैदा होती है और इस प्रक्रिया को नया जीवन मिलता है।

संपादकीय

'एक राष्ट्र एक चुनाव' कितना लाभ और कितनी हानि

सरकार लंबे समय से चाहती रही है कि लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए जाएं। प्रधानमंत्री कई मौकों पर दोहरा चुके हैं कि 'एक राष्ट्र एक चुनाव' का विधान होना चाहिए। इसे लेकर निर्वाचन आयोग मंथन भी कर चुका है। विधि आयोग ने भी इस पर अपने विचार दिए हैं। अब लगता है कि यह व्यवस्था लागू करने की कोई सूरत बन सकेगी। इसके लिए केंद्र ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक समिति गठित कर दी है। यह समिति किस तरह इस विचार को व्यावहारिक रूप दे पाती है, देखने की बात है।

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव अलग-अलग समय पर कराने से सरकारी खजाने पर भारी बोझ पड़ता है। सरकारी कर्मचारियों का काफी समय इनकी तैयारियों और इन्हें संपन्न कराने में जाया हो जाता है। ऐसे में सारे चुनाव एक साथ कराने से सार्वजनिक धन की काफी बचत होगी।

हालांकि निर्वाचन आयोग बता चुका है कि इसके लिए उसे बड़ी संख्या में वोटिंग मशीनों और दूसरे उपकरणों की जरूरत पड़ेगी। मगर अलग-अलग चुनावों पर आने वाले खर्च की तुलना में इन संसाधनों को जुटाना कोई बड़ा काम नहीं माना जा सकता। असल मुश्किल संविधान संशोधन और फिर यह सुनिश्चित करने की है कि भविष्य में भी चुनाव एक साथ होते रहें। इसका क्या विधान होगा, यह एक जटिल काम है।

आजादी के शुरुआती वर्षों में लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ ही हुआ करते थे। मगर करीब बीस वर्षों बाद कुछ विधानसभाएं और फिर लोकसभा अपना तय कार्यकाल पूरा नहीं कर पाई, जिसके चलते वह चक्र टूट गया और फिर टूटता ही गया। अब स्थिति यह है कि साल में कई चुनाव कराने पड़ते हैं। इस तरह चुनावों का मौसम कई बार साल भर बना रहता है। इससे राजनीतिक दलों के नेताओं को अपना काफी वक्त इसमें देना पड़ता है।

निर्वाचन आयोग को भी पूरे समय अपना ध्यान कहीं न कहीं चुनाव की तैयारियों पर लगाए रखना पड़ता है। सुरक्षाबलों और सरकारी कर्मचारियों को अपने नियमित कामकाज छोड़ कर इनमें शामिल होना पड़ता है। चुनाव खर्च का बजट लगातार बढ़ता गया है। इस पर काबू पाना निश्चित रूप से अच्छा विचार है। मगर इसके लिए कई विधानसभाओं के कार्यकाल में कटौती और कई के कार्यकाल में विस्तार करना आसान नहीं होगा। जिन विधानसभाओं के चुनाव कुछ समय पहले ही हुए हैं और उनका कार्यकाल तीन साल से अधिक है, उन्हें यह फैसला स्वीकार्य नहीं होगा। फिर, यह संवैधानिक प्रावधान का उल्लंघन होगा।

एक साथ चुनाव कराने की व्यवस्था लागू होने के बाद फिर भी यह सवाल बना रहेगा कि अगर आगे कभी लोकसभा या कोई विधानसभा अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाती, बीच में ही सरकार गिर जाती है, तो उस स्थिति में क्या होगा। ऐसे में मध्यावधि चुनाव के बजाय क्या तब तक वैकल्पिक व्यवस्था लागू रखी जाएगी, जब तक कि अगले चुनाव का समय नहीं आ जाता? ऐसा नियम बनाने से पूरी शासन-प्रणाली गड़बड़ा सकती है।

इसलिए केंद्र सरकार की ताजा पहल पर विपक्षी दलों का कहना है कि अगर यह व्यवस्था लागू होती है, तो पूरा संघीय ढांचा ही खतरे में पड़ सकता है। इस महीने बुलाए गए संसद के विशेष सत्र में सरकार इसकी क्या रूपरेखा पेश करती है, सारी कवायद उसी पर निर्भर करेगी। पर यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि किसी भी रूप में इसका ढांचा अव्यावहारिक नहीं होना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक नजरिया

अमान्य विवाह को भले कानूनी और सामाजिक दृष्टि से मंजूरी न दिए जाने की व्यवस्था रही है, लेकिन ऐसे रिश्ते में बच्चे के जन्म को 'अवैध' न मान कर माता-पिता के संबंध से स्वतंत्र रूप से देखा जाना चाहिए। यह सवाल लंबे समय से विवाद का विषय बना हुआ था कि अमान्य विवाह की स्थिति में पैदा बच्चे को पिता की संपत्ति में हिस्सा मिलना चाहिए या नहीं। अब सर्वोच्च न्यायालय ने इस मसले पर जिस तरह एक स्पष्ट फैसला सुनाया है, वह न केवल अधिकारों के लिहाज से महत्त्वपूर्ण है, बल्कि खासकर बच्चे के जीवन और अस्मिता को लेकर एक ऐतिहासिक नजरिया भी है। करीब तेरह साल पुरानी याचिका पर फैसला सुनाते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि शून्य या अमान्य ठहराए गए विवाह से पैदा बच्चे को भी वैध माना जाएगा। साथ ही, हिंदू विवाह अधिनियम 16(2) के मुताबिक, जिन मामलों में अमान्य विवाह को रद्द कर दिया गया हो, तो उसके फैसले से पहले पैदा हुआ बच्चा भी कानूनी हक रखता है। अदालत ने कहा कि किसी भी अमान्य विवाह से जन्म लेने वाली संतान का उनके माता-पिता की अर्जित और पैतृक संपत्ति में अधिकार होगा। ऐसे मामलों में बेटियां भी संपत्ति में बराबर की हकदार होंगी। हालांकि यह फैसला हिंदू मिताक्षरा कानून के तहत हिंदू परिवारों की संपत्तियों पर ही लागू होगा। दरअसल, भारत में विवाह की कानूनी व्यवस्था में पहली पत्नी के रहते दूसरा विवाह और उससे जन्म लेने वाली संतान को लेकर आम सामाजिक दृष्टि और उसके कानूनी अधिकारों को लेकर एक जटिल परंपरा कायम रही है। अब तक प्रचलित व्यवस्था में विवाहित पुरुष के किसी अन्य स्त्री से विवाह को कानूनी दर्जा नहीं दिया जाता है। इस तरह ऐसे संबंधों में जन्म लेने वाले बच्चे को लेकर भी लोग कई तरह की गलत धारणा के शिकार होते हैं। मसलन, आमतौर पर ऐसी स्थिति में बच्चे को 'अवैध' कह दिया जाता है। इससे उपजे भावनात्मक या मानसिक दंश को सिर्फ वही समझ सकता है, जो इसकी पीड़ा से गुजर रहा होता है। यह अपने आप में एक बड़ी विडंबना है कि जिस बात के लिए बच्चा कहीं से जिम्मेदार नहीं है, उसकी वजह से उसके बारे में लोगों की राय बेहद संवेदनहीन और उसके अस्तित्व को खारिज करने वाली देखी जाती है। 'अवैध' होने के आरोप और इससे जुड़ी पहचान बेहद अपमानजनक और पीड़ादायक भी होती है, जो किसी भी व्यक्ति के स्वाभाविक जीवन को बाधित करती है। इसलिए सर्वोच्च न्यायालय के ताजा फैसले की अहमियत इस बात में भी है कि यह आम समाज में प्रचलित धारणा को तोड़ने में सहायक होगी। इसके अलावा, समाज और कानून की नजर में अमान्य विवाहों की स्थिति में पैदा बच्चे के अधिकारों को लेकर भी जटिल व्यवस्था रही है कि ऐसे बच्चे को पिता की संपत्ति में हिस्सेदारी मिले या नहीं। अब तक इस मसले पर ऐसे सवाल उठते रहे हैं कि विशेष स्थितियों को छोड़ कर जब किसी पुरुष के दूसरे विवाह को मान्यता नहीं है, तब उससे जन्म लेने वाली संतान को परिवार की संपत्ति में हिस्सेदारी कैसे सही है! लेकिन इस पहलू पर अब अदालत ने स्थिति स्पष्ट कर दी है कि जब अमान्य विवाह से पैदा बच्चा 'अवैध' नहीं है, तो उसे अपने पिता की संपत्ति में भी हिस्सा मिलना चाहिए।

अमान्य विवाह को भले कानूनी और सामाजिक दृष्टि से मंजूरी न दिए जाने की व्यवस्था रही है, लेकिन ऐसे रिश्ते में बच्चे के जन्म को 'अवैध' न मान कर माता-पिता के संबंध से स्वतंत्र रूप से देखा जाना चाहिए। यह मानवीय मूल्यों के लिहाज से तो जरूरी था ही, अब सर्वोच्च न्यायालय ने कानूनी कसौटी पर भी इसे व्यवस्था का रूप दे दिया है।

5 सितम्बर शिक्षक दिवस पर विशेष

राष्ट्र के प्रकाश स्तम्भ होते हैं शिक्षक

रमेश सर्राफ धमोरा

शिक्षक हर व्यक्ति के जीवन की रीढ़ होते हैं। शिक्षक ही है जो छात्रों को जीवन का नया अर्थ सिखाता है। वे हमें सही रास्ता दिखाते हैं और कुछ भी गलत करने से रोकते हैं। वे बाहर से देख सकते हैं। वे प्रत्येक छात्र की देखभाल करते हैं और उनके विकास की कामना करते हैं। उस छात्र को मत भूलो जो छात्र अपने शिक्षकों का सम्मान नहीं करता है। वह जीवन में कभी आगे नहीं बढ़ता है। शिक्षक छात्र के व्यक्तित्व को ढालते हैं। वे एकमात्र नि:स्वार्थ व्यक्ति हैं जो खुशी-खुशी बच्चों को अपना सारा ज्ञान देते हैं।

शिक्षक विद्यार्थियो के जीवन के वास्तविक निर्माता होते हैं जो न सिर्फ हमारे जीवन को आकार देते हैं। बल्कि हमें इस काबिल बनाते हैं कि हम पूरी दुनिया में अंधकार होने के बाद भी प्रकाश की तरह जलते रहें। शिक्षक समाज में प्रकाश स्तम्भ की तरह होता है।

जो अपने शिष्यों को सही राह दिखाकर अंधेरे से प्रकाश की और ले जाता है। शिक्षकों के ज्ञान से फैलने वाली रोशनी दूर से ही नजर आने लगती है। इस वजह से हमारा राष्ट्र ढ़ेर सारे प्रकाश स्तम्भों से रोशन हो रहा है। इसलिये देश में शिक्षकों को सम्मान दिया जाता है। शिक्षक और विद्यार्थी के बीच के रिश्तों को सुदृढ़ करने को शिक्षक दिवस एक बड़ा अवसर होता है। दुनियां के एक सौ से अधिक देशों में अलग-अलग समय पर शिक्षक दिवस मनाया जाता है। भारत में भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस पांच सितम्बर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस को 1962 से शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने अपने छात्रों से अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने की इच्छा जताई थी।

कहा जाता है कि गुरु के बिना ज्ञान अधूरा रहता है। यह बात बिल्कुल सत्य है। हमारे जीवन में सबसे पहली गुरु तो मां होती है जो हमें जन्म लेते ही हर बातों का ज्ञान कराती है। मगर विद्यार्थी काल में बालक के जीवन में शिक्षक एक ऐसा गुरु होता है जो उसे शिक्षित तो करता ही है साथ ही उसे अच्छे बुरे का ज्ञान भी कराता है। पहले के समय में तो छात्र गुरुकुल में शिक्षक के पास रहकर वर्षों विद्या अध्ययन करते थे। उस दौरान गुरु अपने शिष्यों को विद्या अध्ययन करवाने के साथ ही स्वावलंबी बनने का पाठ भी पढ़ाते थे। इसीलिए कहा गया है कि गुरु गोविंद दोऊ खड़े काके लागू पाय, बलिहारी गुरु आपने गोविंद दियो बताए। गुरु का स्थान ईश्वर से भी बड़ा माना गया है, क्योंकि गुरु के माध्यम से ही व्यक्ति ईश्वर को भी प्राप्त करता है।

हमारे जीवन को संवारने में शिक्षक एक बड़ी और महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। सफलता प्राप्ति के लिये वो हमें कई प्रकार से मदद करते है। जैसे हमारे ज्ञान, कौशल के स्तर, विश्वास आदि को बढ़ाते है तथा हमारे जीवन को सही आकार में ढ़ालते है। कबीर दास ने शिक्षक के कार्य को इन पंक्तियो में समझाया है:-

गुरु कुम्हार शिष कुंभ है, गढ़ि गढ़ि काढ़ै खोट, अंतर हाथ सहार दै, बाहर बाहै चोट

कबीर दास जी कहते है कि शिक्षक एक कुम्हार की तरह है और छात्र पानी के घड़े की तरह। जो उनके द्वारा बनाया जाता है और इसके निर्माण के दौरान वह बाहर से घड़े पर चोट करता है। इसके साथ ही सहारा देने के लिए अपना एक हाथ अंदर भी रखता है।

देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ राधाकृष्णन का जन्म पांच सितम्बर 1888 को तमिलनाडु के तिरुमनी गांव में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। वे बचपन से ही किताबें पढ़ने के शौकीन थे और स्वामी विवेकानंद से काफी प्रभावित थे। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक महान शिक्षक थे। जिन्होंने अपने जीवन के 40 वर्ष अध्यापन पेशे को दिया है। वो विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षकों के योगदान और भूमिका के लिये प्रसिद्ध थे। इसलिये वो पहले व्यक्ति थे जिन्होंने शिक्षकों के बारे में सोचा और हर वर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रुप में मनाने का अनुरोध किया। उनका निधन 17 अप्रैल 1975 को चेन्नई में हुआ था।

डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने 1909 में चेन्नई के प्रेसिडेंसी कॉलेज में अध्यापन पेशे में प्रवेश करने के साथ ही दर्शनशास्त्र शिक्षक के रुप में अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने बनारस, चेन्नई, कोलकाता, मैसूर जैसे कई प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों तथा विदेशों में लंदन के ऑक्सफोर्ड जैसे विश्वविद्यालयों में दर्शनशास्त्र पढ़ाया था। अध्यापन पेशे के प्रति अपने समर्पण की वजह से उन्हें 1949 में विश्वविद्यालय छात्रवृत्ति कमीशन का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था।

पुराने समय में शिक्षकों को चरण स्पर्श कर सम्मान दिया जाता था। परन्तु आज के समय में शिक्षक और छात्र दोनो ही बदल गये है। पहले शिक्षण एक पेशा ना होकर एक उत्साह और एक शौक का कार्य था। पर अब यह मात्र एक आजीविका चलाने का साधन बनकर रह गया है। शिक्षक एक व्यक्ति के जीवन में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। शिक्षक एक मार्गदर्शक, गुरु, मित्र होने के साथ ही और कई भूमिकाएं निभाते है। यह विद्यार्थी के उपर निर्भर करता है कि वह अपने शिक्षक को कैसे परिभाषित करता है। संत तुलसी दास के ने इसे नीचे के पंक्तियों में बहुत ही अच्छे तरीके से समझाया है।

जाकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत देखी तिन तैसी

संत तुलसी दास ने बताया है कि भगवान, गुरु एक व्यक्ति को वैसे ही नजर आयेंगे जैसा कि वह सोचेगा। उदहारण के लिए अर्जुन भगवान श्रीकृष्ण को अपना मित्र मानते थे। वही मीरा बाई भगवान श्रीकृष्ण को अपना प्रेमी। ठीक इसी प्रकार से यह शिक्षक के उपर भी लागू होता है। इसीलिए कहते हैं कि शिक्षक समाज का पथ प्रदर्शक होता है।

शिक्षक दिवस को स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय और शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षक और विद्यार्थियों के द्वारा बहुत ही खुशी और उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन विद्यार्थियों से शिक्षकों को ढ़ेर सारी बधाईयां मिलती है। भारत में शिक्षक दिवस शिक्षको के सम्मान में मनाया जाता है। शिक्षक पूरे वर्ष मेहनत करते है और चाहते है कि उनके छात्र विद्यालय और अन्य गतिविधियों में अच्छा प्रदर्शन करें। शिक्षक दिवस पर पूरे देश के विद्यालयों में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

हर देश में इस दिवस को मनाने की तारीख अलग-अलग है। चीन में 10 सितम्बर तो अमेरिका में छह मई, ऑस्ट्रेलिया में अक्तूबर का अंतिम शुक्रवार, ब्राजील में 15 अक्तूबर और पाकिस्तान में पांच अक्तूबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। इसके अलावा ओमान, सीरिया, मिस्त्र, लीबिया, संयुक्त अरब अमीरात, यमन, सऊदी अरब, अल्जीरिया, मोरक्को और कई इस्लामी देशों में 28 फरवरी को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है।

वर्तमान समय में शिक्षकों का समाज में सम्मान कम होने लगा है। बहुत से शिक्षकों की घटिया हरकतों ने उनको समाज की नजरों से गिरा दिया है। स्कूल, कालेजों में छात्र, छात्राओं के साथ शिक्षकों द्वारा नीच हरकते करने के चलते शिक्षण जैसा पवित्र कार्य बदनाम होता जा रहा है। मौजूदा दौर में शिष्य भी कुछ कम नहीं हैं। छात्रों की अनुशासनहीना के चलते स्कूल, कालेजों में शिक्षा का वातावरण समाप्त होता जा रहा है। गुरू शिष्य को एक दूसरे की भावनाओं को समझ कर मिलजुल कर ज्ञान की ज्योति जलानी होगी। शिक्षक दिवस मनाने के साथ हमें शिक्षण कार्य की पवित्रता को फिर से बहाल करने की प्रतिज्ञा भी लेनी होगी। तभी हमारा शिक्षक दिवस मनाना सार्थक हो पायेगा।

शिक्षक को सम्मान दें, तभी समाज आगे बढ़ेगा

शिक्षक दिवस पर ढेर सारी बातें होंगी।शिक्षक की शान में जिसको भी मौका मिलेगा,कसीदे पढ़ेगा मगर इसे देश का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि वर्तमान दौर में देश का शिक्षक एक ऐसे दौर से गुजर रहा है,जहाँ वह %गुरु जी%से %मास्टर% बना दिया गया और फिर %टीचर% बना दिया गया।और अब तो %मल्टीपर्पज वर्कर% बना दिया गया है।गुरु जी के पास पढ़ाई के अलावा सारे काम हैं बस पढ़ाई का ही काम नहीं है।हैरत है कि गुरु जी,शिक्षा आचार्य से होता हुआ %शिक्षा मित्र% बना,%शिक्षा सहायक% बना और फिर %गेस्ट टीचर% बना,कंपनी का कम्प्यूटर टीचर बना,कंपनी का लैब सहायक बना,एन एस क्यू एफ का पारंगत बना और अब कौशल रोजगार निगम के तहत %एच के आर एन वाला टीचर% हो गया है।बकौल प्रदेश के मुखिया एक टीचर को कई-कई विषय पढ़ाने पड़ेंगे।स्कूल मर्ज किए जा रहे हैं।सात सालों तक टीचरों को जिले अलॉट नहीं हो पाए,स्टेशन कैसे अलॉट होंगे?प्रमोशन के बाद सैंकड़ों शिक्षकों को अस्थाई स्टेशन अलॉट करके विभाग भूल जाता है कि उन्हें स्थाई स्टेशन भी देने हैं या नहीं मगर यह नहीं भूलता कि टैब पर इ-अधिगम शिक्षक बने हैं या नहीं!हैरत है कि एक शिक्षक से सारे काम करवाये जाते हैं जैसे कि वोट बनाना,वोट काटना,सर्वे करना,पोलियो पिलाना,पराली की रुखाली करना,जल बचाना,नशा मुक्ति करवाना,पीपीपी बनाना,गरीबी रेखा का सर्वे,बुढापा पेंशन सर्वे,गोली खिलाना,योगा करवाना,स्वच्छता रैली निकलवाना,सिम बांटना,टैब लेना-देना,डाक बनाना,सेमिनार अटेंड करना,सेल्फी भेजना,अनाज मंडी में गेहूँ बिकवाना,मिड-डे-मील बनवाना,मतदान करवाना,मतगणना करना,निर्माण कार्य करवाना आदि-आदि और इसके बाद हर किसी की बात को सुनना और चुप रह जाना।ट्रांसफर के नाम पर आजकल शिक्षकों का जमकर मानसिक शोषण किया जाता है।इतना बड़ा विभाग फिर भी ट्रांसफर पोर्टल में टेक्निकल इश्यू हो जाता है मगर शिक्षक के टैब का टेक्निकल फाल्ट कोई मानने को तैयार नहीं होता।हैरत है कि आज के दौर में टीचर की कोई सुनने वाला नहीं है।शिक्षक वर्तमान दौर में सिर्फ कड़वे आँसू पीने को विवश है।लेकिन गजब है कि शिक्षक दिवस पर हर कोई शिक्षक की प्रशंसा में ऐसे-ऐसे कसीदे गढ़ेगा कि बेचारा शिक्षक!उन्हें सुन-सुनकर परेशान हो जाएगा क्योंकि हकीकत तो कुछ बताती है।टीचरों के आंदोलन चलते रहते हैं मगर कोई पूछता तक नहीं।शिक्षा नीति बनाते वक्त शिक्षक की राय नहीं ली जाती।कोई भी नीति बनाते वक्त शिक्षकों से सलाह-मशविरा नहीं किया जाता।पाठ्यक्रम बनाते वक्त शिक्षक को भाव नहीं दिया जाता।ट्रैनिंग बारे शिक्षक से बात नहीं की जाती बस सारी बातें थोंप दी जाती हैं और शिक्षक उनको कानून के तहत सिर्फ मानता ही रहता है।बेचारा शिक्षक क्या करे?अब तस्वीर के दूसरे पक्ष की ओर चलते हैं कि जब जापान के दो नगरों पर परमाणु हमला हुआ,तब महाविनाश हुआ लेकिन जापान की सरकार ने एक ही बात कही थी कि अगर हमारा शिक्षक और शिक्षार्थी साथ दें तो हम हर चीज से उभर सकते हैं।

यकीनन हुआ भी वही,जापान ने अपने शिक्षक को तवज्जो दी और आज जापान कहाँ है,यह कहने की बात नहीं है?

कष्ट में हैं देवता

कष्ट में हैं देवता
टनकता है सर मंदिर के बड़े घंटों से
आँखें भी जलती हैं
धूप दीपों से
नहीं सुहाती गंध
मुट्ठी भर अगरबत्तियों की
घुट रहा देवता
मन्नत के धागों से
तुलसी के सीने में फाँस है—
अगरबत्तियों के गुच्छे की
पत्ते पर सिंदूर की टीस
थक चुका है देवता
उसके आलते का रंग फैल चुका है
साटन वस्त्र त्याग
वह सूत नहीं पहन सकता
भक्तों के अतिशय प्रेम से उसे
निमोनिया हुआ है
बड़ा बेबस है देवता
वह नहीं रख सकता स्नेह भरा हाथ
किसी के सर
आलिंगन भी नहीं कर सकता वह
इतना बेबस वह कि जब मैं
रखती अपना हाथ उनके हाथ
वह नहीं बाँध सकता मुट्ठी
ना ही
फफक कर रो सकता
वह आँखें भी नहीं मिला पाता मुझसे
कभी
जिनकी चमक से चुँधिया जाए मेरी
आँखें
ईश्वर नहीं जानता—ज़िंदगी के सिवा
भी ज़िंदगी में कुछ है
वह पत्थर है—मैं इंसान हूँ
मैं पत्थर बनने के क्रम में हूँ
बस, देवता बनने ही वाली हूँ

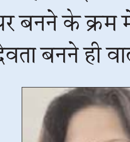

घुँघरू परमार

शिक्षण क्षमताओं में विकास और छात्रों में मनोविज्ञान का ज्ञान सृजित करना समय की मांग है

शिक्षकों को शिक्षा क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण कौशल और विद्यार्थियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का ध्येय रखना ज़रूरी - एडवोकेट किशन भावनानी गोंदिया

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियां में नए-नए आयामों को चंद्रहान-3 और आदित्य 9-एल1 के रूप में स्थापित किए हैं जिसमें भारत की प्रतिष्ठा में चार-चांद लग गए हैं परंतु इन उपलब्धियों को हम अगर गहराई से देखें तो इन आयामों तक पहुंचने वाली शक्ति, यानें इसका श्रेय सीधे-सीधे ज्ञान कला कौशलता और शिक्षा को ही है, क्योंकि बड़े बुजुर्गों का कहना है कि कोई भी मां के पेट से सीख कर नहीं आता दुनियां में आने के बाद मनुष्य प्राथमिक ज्ञान माता-पिता गुरु और शिक्षकों से ही सीख़ता है फिर आगे बढ़ते हुए वह विभिन्न क्षेत्रों में शिक्षा ग्रहण करता है और कुछलता कला के आधार पर वैज्ञानिक डॉक्टर वकील इंजीनियर का इत्यादि बहुत क्षेत्र में विशेषज्ञता प्राप्त कर देश सेवा करता है। इसलिए इसका मूल आधार शिक्षा है जो हमें हमारे शिक्षकों अध्यापकों से मिलती है जो मानवीय व्यक्तित्व के निर्माता हैं। चूंकि भारत में प्रति वर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसकी शुरुआत पहले उपराष्ट्रपति सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने की थी क्योंकि उनके चाहते छात्र उनके जन्मदिन को धूमधाम से मनाना चाहते थे तो उन्होंने उन्हें इसे शिक्षक दिवस के रूप में मनाने का अनुग्रहकिया था, उसी दिन से इस दिन को शिक्षा दिवस के रूप में मनाया जाता है। चूंकि इस दिन स्कूलों शिक्षण संस्थानों शासकीय अशासकीय स्तरपर अनेकों कार्यक्रम आयोजित होते हैं, जैसे इस दिन नई दिल्ली में माननीय राष्ट्रपति द्वारा 75 चयनित आईटी शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया जाएगा। यूपी में स्कूलों में स्मार्टकल और आईटीसी लैब स्थापना की शुरुआत की जाएगी और इस मौके पर दोनों योजनाओं के लिए 2 लाख टैबलेट भी बांटे जाएंगे, इसलिए मेरा मानना है कि इस दिन पूरे देश को राष्ट्र हित सर्वोपरि के तर्ज पर भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए शिक्षा रूपी अस्त्र काप्रयोग शिक्षा में हर क्षेत्र में गुणवत्ता बढ़ाने के लिए शिक्षकों को और अधिक कुछल और विद्यार्थियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के ध्येय का संकल्प करना होगा। क्योंकि कुछ दशक पूर्व की शैक्षणिक गुणवत्ता की तुलना अभी से की जाए तो मेरा मानना है कि हमें अभी की गुणवत्ता में कमी महसूस होगी। हालांकि प्रौद्योगिकी विकास उपकरणों में हम आगे जरुर बड़े हैं, परंतु उनके पंगु बनने की ओर माहौल बढ़ रहा है। आज भी बड़े बुजुर्गों द्वारा आंकड़े का हिसाब जिस तेजी ज़ुबानी लगाते हैं, इतनी तेजी से आधुनिक प्रोद्योगिकी से युक्त युवा नहीं लगा सकते।दूसरी और शिक्षक का मनोबल कम करने के लिए कुछ हटकर कार्य उनसे करवाए जाते हैं।शासकीय अशासकीय मैनेजमेंट द्वारा शिक्षण के अलावा अन्य कार्य बाध्यकारी रूप से उनसे करवाए जाते हैं जैसे जनगणना, चुनाव अपडेट, शासकीय योजनाओं के तहत अनेक छोटे-मोटे कार्यों का बोझ उन पर होता है जिसे हटाना समय की मांग है। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, शिक्षक मानवीय व्यक्तित्व निर्माता है, इसलिए अपनी शिक्षक क्षमता में विकास और छात्रों में मनोविज्ञान का ज्ञान सृजित करना समय की मांग है।

साथियों बात अगर हम शिक्षक के श्रेष्ठ गुणों की करें तो, हमारे देश में प्राचीन अवधारणा रही है कि शिक्षक के गुण जन्मजात होते हैं, परन्तु आज जनसंख्या वृद्धि एवं शिक्षा प्रसार के साथ-साथ शिक्षकों की बढ़ती मांग को जन्मजात शिक्षकों द्वारा पूरा किया जाना सम्भव नहीं है। इसलिए प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षक तैयार करने की आवश्यकता होती है। शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वारा भावी शिक्षकों में ज्ञान, कौशल और व्यवहारमें परिमार्जन कर शिक्षोपयोगी गुणों को विकसित किया जाता है। कार्य क्षमता एवं कुशलता में वृद्धि की भावना बढ़ जाती है। यह सर्वविदित है कि शिक्षा सामाजिक पुनर्निर्माण का प्रभावी साधन है, जो काफी सीमा तक समाज की समस्याओं का समाधान करती है, परन्तु शायद आज यह अपने उद्देश्य में सफल नहीं है। आज भारतीय समाज में अनेक आर्थिक, सामाजिक सांस्कृतिक नैतिक समस्याएं व्याप्त है। भारत में विकास की अपेक्षाकृत धीमी गति है, जातिवाद क्षेत्रीयता साम्प्रदायिकता हिंसा आतंकवाद, उपचार व्याप्त है, समाज में मूल्यों का निरन्तर विघटन हो रहा है। समाज की नैतिक अवनीति के प्रति शिक्षक की जाबावदेही अपर्याप्त है। अध्यापक में अधि लगा है। जिसका अर्थ है कि निश्चित लक्ष्य तक ले जाने वाला। अध्यापन के लिए सम्यक् ज्ञान एवं तथा उसके स्वरूप को निश्चित करने की जिम्मेदारी शिक्षक पर होती है। कोठारी आयोग का मानना है कि भारत के भविष्य का निर्माण उसकी कक्षाओं में हो रहा है। इन कक्षाओं का पूर्ण निर्देशन शिक्षक के हाथ में होता है। ऐसे छात्र का निर्माण करता है, जिसमें स्वतंत्र निर्णय, तर्क एवं चिन्तन की क्षमता हो और नैतिक एवं चारित्रिक दृष्टि से श्रेष्ठ हो। इनके अलावा उसमें अपने राष्ट्र की संस्कृति में योगदान देने के साथ-साथ उसकी रक्षा कर सकने की क्षमता भी हो।

साथियों बात अगर हम शिक्षण के अपेक्षाकृत कम होते स्तर की करें तो, दो चीजें जरूरी है। आज के शिक्षक का उद्देश्य स्थायी नौकरी प्राप्त करना है और नियत समय पर प्राप्त होने वाली सुविधाओं को प्राप्त करना है। आज पढ़ाना आलस समझा जाता है। शिक्षक सोचता है। उसे पढ़ाने की क्या जरूरत है, लड़के खुद ट्यूशन पढ़ते है। उन्हें अनेक सुविधाए मिली है, जिनका प्रयोग कर वे परीक्षा पास कर लेंगे हमारा काम बैठ लेना है। शिक्षकों में दक्षता, प्रतिबद्धता एवं कार्य सम्पादन में कमी आई है। अधिकांश शिक्षक शिक्षण कौशलों में दक्ष नहीं होते। विषय में विशेषज्ञता के अतिरिक्त उनमें पढ़ाने की और छात्र मनोविज्ञान समझने की कला भी होनी चाहिए। आज अध्यापक हर कार्य में छोटा रास्ता अपनाता है। उससे विद्यार्थी भी यही करते है।

शिक्षण आज एक व्यवसाय बन गया है। परन्तु विद्यालय न तो कोई दुकान है और न ही फैक्ट्री जहाँ निर्जीव वस्तुओं का उत्पादन एवं लेन देन होता है। शिक्षा संस्थाओं में शिक्षक को प्रतिदिन अति संवेदनशील भावुक व प्रतिक्षण परिवर्तनशील बालकों के साथ अन्त: क्रिया करनी होती है।शिक्षण वह प्रक्रिया है जिसमें अधिक परिपक्व व्यक्ति (शिक्षक) बहुत से कम परिपक्व व्यक्तियों (छात्रों) के सम्पर्क में आता है तथा उनके व्यवहार में परिमार्जन व व्यक्तित्व निर्माण का दायित्व लेता है, अपने इस उत्तरदायित्व की पूर्ति के लिए अध्यापकों को अपनी शिक्षण क्षमता में विकास के साथ छात्रों के मनोविज्ञान का ज्ञान भी आवश्यक है।

साथियों बात अगर हम राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद के सुझावों की करें तो, अध्यापक शिक्षा की संकल्पना, शैक्षिक तथा सामाजिक व्यवस्था के साथ एकीकृत करनी होगी।अध्यापक शिक्षा में राष्ट्रीय मूल्य एवं स्पष्ट रूप से परिलक्षित होने चाहिए।सैद्धान्तिक एवं व्यवहारिक घटक यथेष्ट रूप से समन्वित किया जाना चाहिए।जीवन पर्यन्त सतत् अधिगम पर बल अध्यापक शिक्षा की अनिवार्य शर्त बन जानी चाहिए। एनसीटीई एवं एनसीईआरटी के द्वारा सेवारत् शिक्षकों प्रशिक्षण का समय-समय पर आंकलन होना चाहिए। एनसीटीई के द्वारा मापदण्डों के अनुसार प्रशिक्षण संस्थान कार्य कर रहे है या नहीं, का समय-समय पर निरीक्षण करना चाहिए। शिक्षक को स्वयं भी अपनी अभिवृत्ति में और कार्य की प्रतिबद्धता में गुणात्मक में परिवर्तन लाना होगा। नैतिकता से अलग न होकर उसे अपनाना होगा। शिक्षण चयन प्रक्रिया में भी सुधार आवश्यक है।

मात्र थोड़े समय में लिया गया साक्षात्कार शिक्षण योग्यता की परख नहीं कर सकता। उच्च स्तर पर सेवारत् एवं नवनियुक्त शिक्षकों के लिए एकेडमिक स्टाफ कॉलेज पुनश्चर्या पाठ्यक्रम और ओरियंटेशन पाठ्यक्रम इस दिशा में अच्छे प्रयास है। परन्तु इन पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता में सुधार की आवश्यकता है।

शार्ट न्यूज

मथुरा में शाही ईदगाह मामले में सुनवाई टली

प्रयागराज। मथुरा के श्री कृष्ण जन्मभूमि शाही ईदगाह मस्जिद मामले में आज इलाहाबाद हाईकोर्ट में होने वाली सुनवाई टल गई है। सोमवार को वकीलों की हड़ताल के चलते सुनवाई नहीं हो सकी। अब मामले में 18 सितंबर को सुनवाई होगी। हाईकोर्ट में पूजा का अधिकार देने सहित पूरी भूमि का अधिग्रहण कर ट्रस्ट बनाने और हिंदुओं को पूजा की छूट देने की मांग को लेकर यह याचिका दाखिल की गई है। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस प्रीतिंकर दिवाकर और जस्टिस आशुतोष श्रीवास्तव की खंडपीठ ने 24 अगस्त को राज्य सरकार से जानकारी मांगी थी। याची के वकील महक महेश्वरी का कहना था कि एक समझौते के तहत कृष्ण जन्मभूमि की 13.37 एकड़ जमीन में से 11.37 एकड़ जन्मभूमि मंदिर तथा शेष 2.37 एकड़ भूमि शाही ईदगाह को सौंपा जाना गलत है। याचिका में एएसआई से साइंटिफिक सर्वे कराने की भी मांग की गई है। इस केस में अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल ने राज्य सरकार का पक्ष रखा है। जनहित याचिका में शाही ईदगाह परिसर को हिंदुओं को सौंपे जाने की मांग की गई है। याची का कहना है कि जहां शाही ईदगाह है वहीं कंस का कारागार था, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ था। मंदिर को तोड़कर वहां शाही ईदगाह मस्जिद का निर्माण कराया गया है।

मेरठ बाग में जमीन में दबी मिली लाश

मेरठ। मेरठ के किठौर थाना क्षेत्र के फतेहपुर नारायण गांव में एक बाग में लाश दबी मिली है। गांव से बाग की तरफ जाते हुए एक ग्रामीण ने जमीन में अंगुलीनुमा एक आकृति देखी। अंगुली देखकर ग्रामीण को शक हुआ कि यहां कुछ गड़बड़ है। उसने हल्की सी मिट् ?टी हटाकर देखने का प्रयास किया तो उसे बड़ी अंगुली नजर आई। इसके बाद ग्रामीण ने अन्य लोगों को बताया कि बाग में कुछ गड़बड़ है, शायद किसी की लाश है। तब ग्रामीणों ने पुलिस को सूचित किया। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने पहले फावड़े से खोदकर लाश निकलवाने का प्रयास किया। लेकिन सुरक्षा की दृष्टि से देखते हुए अब जेसीबी मंगाकर मिट्टी की खुदाई हो रही है। जेसीबी से खुदाई कराकर लाश निकाली जा रही है। मौके पर पहुंची थाना पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। बाग में लाश कहां से आई, लाश किसकी और कितने दिन पुरानी है इसकी भी जांच की जाएगी। अभी यह भी पता नहीं चल सका है कि लाश महिला या पुरुष किसकी है। पुलिस खुदाई कराकर लाश निकलवा रही है। वहीं पूरे मामले पर एसपी देहात कमलेश बहादुर सिंह का कहना है कि गांव में कुछ लाश दबी होने की सूचना पर पुलिस पहुंची है। जेसीबी से खुदाई कराई जा रही है। लाश किसकी है, कहां से आई ये भी जांच कराई जाएगी।

जिला अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल

अमेठी जिला। प्रदेश सरकार की लाख सख्ती के बावजूद स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर होने का नाम नहीं ले रही है। स्वास्थ्य राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह के जिले में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का बुरा हाल है। अमेठी के जिला अस्पताल में मूलभूत सुविधाओं की भारी कमी होने के चलते बड़ी संख्या मरीज जहां फर्श पर बैठकर अपने इलाज का इंतजार कर रहे हैं, तो कई मरीजों का इलाज ही फर्श पर किया जा रहा है। प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य राज्यमंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह के जिले में स्वास्थ्य व्यवस्थाएं पूरी तरह से बे पटरी हो चुकी है ।दो दिन बाद अस्पताल खुलने पर जिला अस्पताल में इलाज करवाने वाले मरीजो और तीमारदारों का हुजूम उमड़ पड़ा। एक तरफ जहां सभी ओपीडी में पैर रखने की जगह नही थी तो दूसरी तरफ इलाज करवाने आये मरीज और तीमारदार जमीन पर बैठ कर अपनी बारी का इंतजार करते रहे ।इतना ही नही कई मरीजो को जब अस्पताल में बेड नही मिले तो फर्श पर ही मरीजो का इलाज शुरू हो गया ।एक बुजुर्ग मरीज के खून का सैम्पल लेते वार्ड ब्वाय कैमरे में कैद हो गए। वहीं पूरे मामले पर सीएमएस बद्री प्रसाद अग्रवाल ने कहा कि जिला अस्पताल में बेड की कोई कमी नहीं है ।अस्पताल में मरीजो की संख्या ज्यादा हो जाती है तो वो फर्श पर बैठ जाते है लेकिन किसी भी मरीज का फर्श पर इलाज नही होता है।

हापुड़ में घर में लगी आग, महिला की मौत

हापुड़। हापुड़ के धौलाना के गांव दौलतपुर ढिकरी में रविवार की रात एक घर में खाना बनाते समय अचानक आग लग गई। जिसमें चार लोग घायल हो गये। आग इतनी भयानक थी कि घर में मौजूद लोगों को बाहर निकलने का भी मौका नहीं मिला। ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से सभी घायलों को गंभीर हालत में दिल्ली के लिए रेफर कर दिया गया है। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। वहीं सोमवार की सुबह एक महिला ने दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार शीला पत्नी हरिया परिवार के लिए भोजन पका रही थी। इसी दौरान वहां रखी ज्वलनशील पदार्थ की बोतल से आग लग गई। आग लगने से शीला और उसके बच्चे राहुल सैनी, चिकू सैनी और रेनू सैनी आग की चपेट में आकर बुरी तरह झुलस गए। परिजनों का शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण उनके घर की तरफ दौड़े। किसी तरह घरेलू गैस सिलेंडर को घर से बाहर निकालकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। घर से परिजनों को बाहर निकाला। घर में मौजूद चारों परिजन बुरी तरह झुलस गए थे। लोगों ने उन्हें तुरंत नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से चारों को गंभीर हालत में चिकित्सक ने दिल्ली के लिए रेफर कर दिया। आग लगने के समय हरिया घर पर मौजूद नहीं था। पुलिस भी सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया।

भदोही में 7 गांजा तस्करो पर लगा गैंगस्टर

भदोही (संत रविदास नगर)। भदोही में पुलिस ने गांजा तस्करों के एक गैंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए सात गांजा तस्करों पर गैंगस्टर एक्ट में मुकदमा पंजीकृत किया है । बीते दिनों 102 किलो गांजा के साथ यह तस्कर दुर्गागंज क्षेत्र से गिरफ्तार किए गए थे जिन पर पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत सब बड़ी कार्रवाई की है। बीते दिनों दुर्गागंज थाना इलाके से पुलिस ने दो कार से 102 किलो गांजा बरामद किया था इस दौरान गिरोह के सरगना सहित अन्य आरोपी गिरफ्तार किए गए थे । भदोही की एसपी डॉक्टर मीनाक्षी कात्यायन के निर्देश पर पुलिस के द्वारा पेशेवर अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई के लिए चलाए जा रहे अभियान के क्रम में इन गांजा तस्करों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है। दुर्गागंज थाना के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि 102 किलो गांजे के साथ गिरफ्तार कर तस्करों को जेल भेजा गया था जिन तस्करो पर गैंगस्टर एक्ट में कार्रवाई की गई है दुर्गागंज थाना के प्रभारी निरीक्षक विनोद दुबे ने कहा कि इस गिरोह के गैंग लीडर रामकुमार यादव सहित उसके साथी सौरभ चौबे ,राजमणि गौतम ,रविंद्र मिश्रा ,रविंद्र कुमार सिंह विकास कुमार गौतम और राहुल यादव पर गैंगस्टर एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया है पुलिस के द्वारा गैंगस्टर एक्ट में कार्रवाई की गई है पेशेवर संगठित अपराधियों के विरुद्ध पुलिस अभियान के तहत कार्रवाई कर रही है

चौकी इंचार्ज से अभद्रता, 2 गिरफ्तार

फर्रुखाबाद। फर्रुखाबाद में आईटीआई चौकी प्रभारी से 20 अगस्त की रात को अभद्रता हुई थी। मामले में 4 नामजद सहित 10 अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। एसपी ने चारों नामजद पर इनाम घोषित किया था। दो आरोपियों ने पहले ही थाने जानकर आत्मसमर्पण कर दिया था। पुलिस ने अब 15 हजार के इनामी भाजपा नेता और 25 हजार के इनामी साथी को गिरफ्तार कर लिया गया। 20 अगस्त की रात बरेली-इटावा राष्ट्रीय राजमार्ग पर सेंट्रल जेल चौराहे के पास आईटीआई चौकी प्रभारी से अभद्रता की गई थी। तीन दिन तक मामला दबाए रखा गया। 23 अगस्त को अभद्रता का वीडियो वायरल होने पर एसपी ने दरोगा को लताड़ लगाई। इसके बाद दरोगा सुरजीत ने शमसाबाद थाने के चिलसरा के मूल और हाल नरायनपुर कादरीगेट निवासी आशीष प्रताप सिंह उर्फ सचिन ठाकुर, अमृतपुर के भुवनपुर ताजपुर निवासी भाजपा नेता अमित ठाकुर, नेकपुर चौरासी के मनु चतुर्वेदी, विजाधरपुर के अंशुल मिश्रा उर्फ छतरी और 10 अज्ञात पर कई संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज करवाया था। पुलिस ने आशीष प्रताप सिंह पर 25 हजार और अन्य तीनों नामजदों पर 15-15 हजार रुपये इनाम घोषित किया। पुलिस के दबाव के चलते मनु और अंशुल मिश्रा उर्फ छतरी ने कादरीगेट थाने में समर्पण कर दिया था। वहीं पुलिस ने मैनपुरी से भाजपा नेता सहित एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

सुरक्षा के मुद्दे पर हम आधी आबादी के विश्वास को जीतने में सफल रहे : योगी

सीएम योगी ने कार्यक्रम 'यूपी राइजिंग 10 साल 10 बदलाव' को किया संबोधित

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले साढ़े छह वर्ष में उत्तर प्रदेश में एक भी दंगा नहीं हुआ। आज प्रदेश में सुरक्षा का माहौल है। एनसीआरबी के आंकड़े इस बात के गवाह हैं कि उत्तर प्रदेश में हर प्रकृति के अपराध में कमी आई है। उन्होंने कहा कि 2022 में हम कानून व्यवस्था को आधार बनाकर चुनाव के मैदान के गए थे और यह बहुत बड़ी बात है कि कानून व्यवस्था के मामले पर कोई सरकार दो तिहाई बहुमत के साथ रिपीट हो जाए। इसमें बड़ी भूमिका आधी आबादी ने निभाई, जिन्हें सुरक्षा का बेहतर वातावरण मिला। आज महिलाएं प्रदेश में कहीं भी बिना

भय के अकेले यात्रा कर सकती हैं। हमारी सरकार आधी आबादी के विश्वास को जीतने में सफल रही।

सीएम योगी सोमवार को होटल ताज में आयोजित एक समाचार पत्र के कार्यक्रम यूपी राइजिंग 10 साल 10 बदलाव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले उत्तर प्रदेश को लेकर लोगों का परसेप्शन था कि यूपी का कुछ नहीं हो सकता, यूपी नहीं सुधर सकता, यूपी एक बीमारू राज्य है जो देश को बीमार कर रहा है। पिछले साढ़े छह वर्षों में हमारी सरकार ने देश और दुनिया में उत्तर प्रदेश के प्रति व्याप्त इस धारणा को बदलने में सफल रही। आज उत्तर प्रदेश को लेकर लोगों में नकारात्मक सोच नहीं है। आज उत्तर प्रदेश सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहा है और यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वजह से संभव हो पाया, जिन्होंने एक प्रकाश पुंज के रूप में उत्तर प्रदेश को नई दृष्टि दी।

सीएम योगी ने कहा कि 2014 के पहले भारत के बारे में दुनिया की धारणा बहुत नकारात्मक थी। दुनिया का कोई भी देश भारत को गंभीरता से नहीं लेता था।

देश की बागडोर प्रधानमंत्री मोदी के हाथों में आने के बाद भारत के प्रति दुनिया की धारणा बदली है। अब दुनिया भारत को सकारात्मक दृष्टि से देखती है और गंभीरता से लेती है।

विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है भारत : आनंदीबेन

बस्ती। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सोमवार को कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अब विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है। जिले की लेदवा ग्राम सभा में आयोजित विभागीय विभिन्न योजनाओं के प्रदर्शनी/ किट वितरण/ लाभार्थियों को प्रशस्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से विकास की ओर अग्रसर है। पहले भारत को पिछड़ा और बुजुर्ग देश कहा जाता था लेकिन नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश तरक्की के रास्ते पर तेजी से बढ़ चला है। पूरा विश्व भारत की ताकत को देख रहा है। चंद्रयान-3 की सफलता से भारत की चारों तरफ जय-जयकार हो रहा है। जी-20 का सम्मेलन भारत के कई प्रदेशों में हो रहा है और इसमें 20 देश के लोग हिस्सा लेकर भारत की इतिहास और

उसकी उपलब्धि को नजदीक से देख रहे है। यहाँ की संस्कार,संस्कृति को जान रहे हैं। उन्होंने कहा की लेदवा ग्राम पंचायत में केंद्र सरकार एवं प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का संचालन सुचारू रूप से हो रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश प्रदान करते हुए कहा कि होम्योपैथिक की दवा बहुत ही कारगर है। प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र पर होम्योपैथिक की महावारी की दवा उपलब्ध कराई जाए और महामारी की दवा आंगनबाड़ी कार्यक्रतियो से महिलाओं में वितरित कराई जाए जिससे महिलाओं को होने वाली समस्याओं से निजात मिल सके।

महिलाओं की पिटाई से आहत युवक ने किया सुसाइड

मुरादाबाद। मुरादाबाद में महिलाओं की पिटाई से आहत एक युवक ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। बीती रात दोस्त की मां, भाभी और बहनों ने सरेआम चप्पलों से युवक की पिटाई कर दी थी। इस घटना के बाद से युवक खुद को बेहद अपमानित महसूस कर रहा था। घर जाकर उसने फंदा लगाया और पंखे पर लटक कर आत्महत्या कर ली।

घटना मुरादाबाद के मझोला थाना क्षेत्र में लाइनपार सूर्य नगर में ढक्के की पुलिया के पास की है। यहां रहने वाले विकास राघव ने बताया कि उनका भाई विशाल राघव (18 साल) ई रिक्शा चलाता था। सोमवार को सुबह करीब 9 बजे परिजनों ने देखा तो उसका शव घर में फंदे के जरिए पंखे पर लटका हुआ था। परिजनों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम को भेजा है।

विकास ने दैनिक भास्कर को बताया कि उनका भाई विशाल ई रिक्शा में चिप लगाकर गाने सुनता था। करीब दो-ढाई महीना पहले विशाल के दोस्त शिवम ने उससे गाने सुनने के लिए चिप ले ली थी। लेकिन बार-बार मांगने पर भी वो चिप लौटा नहीं रहा था। इसके अलावा विशाल से उसने 250 रुपये भी लिए थे। जिन्हें वो वापस नहीं कर रहा था। शिवम सूर्य नगर में ही रहता है। विकास ने बताया कि रविवार रात को करीब 11 बजे विशाल को उसका दोस्त शिवम मिला था।

10-साल की बच्ची से रेप, सहेलियों ने थाने में लिटाया

मेरठ में छात्राएं बोलीं- आरोपी हमें घूरता है, 4 और बच्चियों को बर्बाद करने की दी धमकी

मेरठ। मेरठ में 3 दिन पहले 10 साल की बच्ची से रेप की घटना सामने आई थी। सोमवार को रेप पीड़िता बच्ची को न्याय दिलाने के लिए उसके स्कूल की सहेलियां और गांव वाले उसे लेकर रोहटा थाने पहुंचे। थाने के बाहर पीड़िता को लिटा दिया। न्याय की मांग करते हुए पुलिस के सामने गुस्सा निकाला। छात्राओं ने कहा कि दुष्कर्मी अब तक नहीं पकड़ा गया। क्या पुलिस गांव की और बच्चियों को दरिंदे का शिकार बनते देखना चाहती है।

छात्राएं स्कूल से सीधे थाने पहुंचीं। छात्राओं ने थाने पहुंचकर कहा कि जबसे ये केस हुआ है वो बहुत घबराई हैं। क्योंकि आरोपी स्कूल के बाहर घूमता हुआ दिखा। उसने आते-जाते

बच्चियों को घूरा और कहा कि उसकी नजरों में 4 घर और हैं। जिनकी बच्चियों को वो बर्बाद कर देगा। छात्राओं ने कहा कि पुलिस ने अब तक आरोपी को पकड़ा नहीं है। आरोपी को गन्ने के खेत से निकलते देखा है। पीड़िता की मां ने बताया, मैंने दो दिन का टाइम दिया था, लेकिन हो नहीं मिला। अब चार दिन हो गए। हम योगी-मोदी के पास जाएंगे। हमे न्याय चाहिए।

बच्ची को गन्ने के खेत में घसीटा, हाथ-पैर रस्सी से बांधे और रेप किया

रोहटा क्षेत्र में 3 दिन पहले 10 साल की बच्ची से रेप का मामला सामने आया था। 40 साल के व्यक्ति पर रेप का आरोप है। बच्ची सुबह शौच के लिए जा रही थी। आरोपी ने बच्ची को गन्ने के खेत में घसीटकर हाथ, पैर रस्सी से बांधे और रेप किया। काफी देर तक बच्ची नहीं लौटी तो परिजनों ने तलाश शुरू कर दी। बाद में बच्ची खेत में बिना कपड़ों के हाथ, पैर बंधे मिली। पूछताछ में बच्ची ने बताया कि गांव के नीटू अंकल ने उसके साथ गंदी हरकत की है। पीड़िता के परिजन बच्ची को लेकर थाने पहुंचे और आरोपी के खिलाफ तहरीर देकर मुकदमा कराया।

थाने के बाहर पीड़िता को लिटाया

पीड़िता के परिजनों ने कहा कि पुलिस कहती है आरोपी मिल नहीं रहा, तलाश कर रहे हैं। जबकि वो गांव में घूम रहा है। बच्चियों ने भी उसे देखा है। ऐसे में गांव में दूसरी बच्चियों को भी खतरा है। पूरे मामले पर एसपी देहात कमलेश बहादुर का कहना है कि आरोपी को पकड़ने के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस आरोपी की तलाश में है। आरोपी उसी दिन से फरार है।

हापुड़ के डीएम और एसपी के तबादले की मांग

सेंट्रल बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं ने किया प्रदर्शन

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर में सेंट्रल बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट परिसर में जमकर विरोध प्रदर्शन किया। भारी संख्या में अधिवक्ताओं को देखकर मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया। हापुड़ में अधिवक्ताओं पर लाठीचार्ज से नाराज अधिवक्ताओं ने आरोपी पुलिसकर्मियों के तबादले और उनके ऊपर एफआईआर दर्ज करने की मांग की।

अधिवक्ताओं की मांग है कि वकीलों पर दर्ज फर्जी मुकदमे को खत्म किया जाए और हापुड़ में लाठीचार्ज में घायल अधिवक्ताओं को मुआवजा दिलाया जाए। अधिवक्ताओं ने चेतावनी दी है कि मांगें पूरी नहीं हुईं तो सेंट्रल बार एसोसिएशन की तरफ से आन्दोलन किया जाएगा।

सेंट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष ब्रजेश कुमार वैश्य के नेतृत्व में तमाम अधिवक्ताओं ने कलेक्ट्रेट परिसर गेट के पास तख्त डालकर विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उन्होंने हापुड़ में अधिवक्ताओं पर किए गए लाठीचार्ज की निंदा की। उन्होंने कहा कि, हापुड़ में वकीलों पर लाठीचार्ज होने से प्रदेश के वकीलों में रोष है।

मुख्यमंत्री को संबोधित दिए गए ज्ञापन में उन्होंने मांग की है कि हापुड़ के डीएम और एसपी का तत्काल तबादला किया जाए। अधिवक्ताओं पर बर्बरतापूर्वक लाठीचार्ज करने वाले दोषी पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज की जाए।

प्रदेश भर में अधिवक्ताओं पर पुलिस प्रशासन ने तमाम फर्जी मुकदमे दर्ज किए हैं। उन मुकदमों को तत्काल स्पंज किया जाए। एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट पारित कर तुरंत प्रदेश में लागू किया जाए। हापुड़ में लाठीचार्ज में घायल अधिवक्ताओं का समुचित इलाज कराकर उनको उचित मुआवजा दिया जाए। सेंट्रल बार एसोसिएशन की तरफ से विरोध प्रदर्शन को देखते हुए तमाम पुलिस प्रशासन के अधिकारी मौके पर डटे रहे। ज्ञापन लेने के बाद शासन के संज्ञान में लाने का आश्वासन दिया।

सेंट्रल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष ब्रजेश कुमार वैश्य ने बताया कि हापुड़ में अधिवक्ताओं पर लाठीचार्ज की अधिवक्ता निन्दा करते हैं। इससे पहले भी शासन को प्रशासन के माध्यम से ज्ञापन भेजा जा चुका है। लेकिन उस पर कोई संज्ञान नहीं लिया गया। जल्द मांगें पूरी नहीं की गईं तो सेंट्रल बार एसोसिएशन की तरफ से भी बड़ा आन्दोलन किया जाएगा।

मुरादाबाद में वकीलों का जोरदार प्रदर्शन

मुरादाबाद। हापुड़ में वकीलों की पुलिस द्वारा की गई पिटाई के विरोध में सोमवार को मुरादाबाद में भी वकीलों ने जोरदार प्रदर्शन किया। हापुड़ की घटना के विरोध में मुरादाबाद समेत प्रदेश की सभी कचहरियों में वकील हड़ताल पर हैं। मुरादाबाद में सैकड़ों वकील कलेक्ट्रेट पर जुटे और पुलिस-प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारी अधिवक्ताओं ने कहा कि हापुड़ में वकीलों पर लाठीचार्ज करने वाले पुलिस कर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। वकीलों को पीटने वाले पुलिस वालों को जब तक सजा नहीं मिलती तब तक वकील शांत नहीं बैठेंगे। सैकड़ों वकील नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट के बाहर जुलूस की शक्ल में निकले। इन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाओं को अधिवक्ता किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेंगे।

कानपुर में नशे में धुत दरोगा ने जमकर काटा हंगामा

कानपुर। कानपुर के कल्याणपुर शिवली रोड पर नशे में धुत बहराइच में तैनात दरोगा ने जमकर हंगामा काटा। मुफ्त में सिगरेट नहीं देने पर महिला दुकानदार से गाली-गलौज और अभद्रता की। पब्लिक ने वीडियो बनाने का प्रयास किया तो दौड़ा लिया। करीब 25 मिनट तक दरोगा ने बीच चौराहा जमकर हंगामा काटा। महिला दुकानदार की सूचना पर पहुंची पीआरवी ने हिरासत में लिया। दरोगा पर कार्रवाई के लिए कल्याणपुर थाने की पुलिस ने रिपोर्ट बहराइच के एसपी को भेज दी है। महाबलीपुरम कल्याणपुर में रहने वाले पुंडरीक त्रिपाठी बहराइच पुलिस लाइन में तैनात हैं। बीते 29 अगस्त को वह अपने घर आए थे। इस दौरान शराब पीकर नशे में धुत होने के बाद शिवली रोड महिला तिराहे पर जमकर हंगामा किया। मुफ्त में सिगरेट नहीं देने पर एक महिला दुकानदार से गाली-गलौज की। महिला भी पीछे नहीं हटी और पीआरवी को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पीआरवी ने दरोगा को हिरासत में लिया और कल्याणपुर थाने के सुपुर्द कर दिया।

कल्याणपुर थाना प्रभारी धनंजय पांडेय ने बताया कि दरोगा का मेडिकल कराने पर शराब पीने की पुष्टि हुई है। किसी ने दरोगा के खिलाफ कोई तहरीर नहीं दी तो दफा-34 पुलिस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। दरोगा के खिलाफ कार्रवाई के लिए रिपोर्ट बनाकर बहराइच के एसपी को भेजी गई है। नशेबाजी के दौरान दरोगा पुंडरील त्रिपाठी ने लोगों से मारपीट और गाली-गलौज की।

उदयनिधि के बयान पर भड़के हिंदूवादी संगठन ने फूंका पुतला

झांसी। तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन के हिंदू धर्म को लेकर दिये गये अपमानजनक बयान पर वीरांगना नगरी झांसी के राष्ट्रभक्त संगठन ने कड़ी नाराजगी जताते हुए आज मंत्री का पुतला फूंक दिया।

महानगर के व्यस्ततम इलाइट चौराहे पर राष्ट्रभक्त संगठन के केंद्रीय अध्यक्ष अंचल अड़जरिया आज दोपहर बड़ी संख्या में एकत्र हुए और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के पुत्र एवं राज्य में मंत्री उदयनिधि का पुतला फूंका। इस दौरान अड़जरिया ने कहा कि तमिलनाडु के मंत्री का हिंदू धर्म की तुलना डेंगू, मलेरिया और कोरोना जैसी बीमारियों से करना और यह कहना कि इनकी रोकथाम की नहीं इस धर्म को पूरी तरह से मिटाने की जरूरत है।, बेहद अपमानजनक है।

उन्होंने कहा उदयनिधि का पुतला फूंक कर हम यह संदेश देना चाहते हैं कि यह सनातन संस्कृति है। हम लोग शास्त्र की बात करते हैं लेकिन यदि अकारण हमारे धर्म के बारे में ऐसी अमर्यादितभाषा का इस्तेमाल किया जायेगा तो फिर हम शस्त्र उठाना भी जानते हैं।

बुलंदशहर में चलती कार में बीए की छात्रा से गैंगरेप

अनूपशहर। बुलंदशहर के जहांगीराबाद में दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है। यहां बीए की छात्रा के साथ 4 लोगों ने हाईवे पर चलती कार में गैंगरेप किया गया है। आरोपी छात्रा को गैंगरेप के बाद बेहोशी की हालत में हाईवे किनारे फेंक कर आरोपी भाग गए।

आरोपी पीड़िता का दोस्त है। वह उसे बहला कर नौकरी दिलाने का झांसा देकर अपने साथ बुलंदशहर ले गया था। पीड़िता की मां ने जहांगीराबाद कोतवाली में रविवार को शाम 4 बजे तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर चार

आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पूरा मामला थाना जहांगीराबाद कोतवाली क्षेत्र का है। यहां की निवासी छात्रा नगर के एक डिग्री कॉलेज में बीए द्वितीय वर्ष की पढ़ाई कर रही है। पीड़िता के अनुसार, 1 सितंबर को मैं

बेहोशी की हालत में सड़क किनारे फेंका

घर से कॉलेज के लिए निकली थी, तभी कॉलेज के गेट पर मेरा दोस्त धीरज मुझे नौकरी दिलवाने की बात कहकर अपने साथ बाइक पर बैठाकर बुलंदशहर ले गया। वहां आरोपी के तीन-चार दोस्त पहले से ही कार लेकर मौजूद थे। दोस्त मुझको कार में बैठा कर सड़कों पर घूमाते रहे और मेरे सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद दूसरे 1 सितंबर रात 10 बजे वह लोग हमे सड़क किनारे फेंक कर फरार हो गए।

आरोपियों ने घटना की वीडियो भी बनाई

आरोप है कि आरोपियों ने घटना की वीडियो भी बनाई है। वीडियो बनाने का विरोध करने पर आरोपियों ने पीड़िता के साथ मारपीट की। कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया। आरोपी पीड़िता को नशे की हालत में औरंगाबाद-स्याना रोड पर फेंककर फरार हो गए। घर पहुंचने के बाद पीड़िता ने आपबीती परिजनों को बताई।

रामपुर में महिलाओं के साथ 80 लाख की ठगी

रामपुर। रामपुर में महिलाओं के साथ ठगों ने लाखों की ठगी को अंजाम दिया है। महिलाओं का समूह बनाकर बैंक से करीब 80 लाख रुपए का लोन निकाल लिया और महिलाओं को कुछ भी नहीं दिया। महिलाओं का यह भी आरोप है कि अब रुपया मांगने पर धमकी और जातिसूचक शब्द कहे गए। पुलिस से शिकायत करने पर भी कोई हल नहीं निकला। अब महिलाओं ने इकट्ठा होकर डीएम से मामले की शिकायत की है। जिले के थाना मिलक क्षेत्र की

इंद्रवती, तौशीद, जमुना, विक्रम, निर्बल, संतोष, सरस्वती, मिथलेश आदि करीब 32 महिलाओं की शिकायत है कि उनके साथ कर्जा दिलाकर रोजगार दिलाने के नाम पर बड़ा फ्रॉड हुआ है। सभी डीएम कार्यालय पहुंचीं और अपनी पीड़ा से संबंधित के एक दिया। पत्र में कहा गया है कि उन्हीं के गांव के उमेश, बबली, संतोष, बांकेलाल और बबलू ने उनके साथ ठगी की है। लोन के लिए बंधन बैंक व अन्य कंपनियों ने उमेश और बबली को एजेंट बनाया। इनसे कहा गया की गांव की 32 महिलाओं का समूह में जोड़ो और उन्हें जरूरत के मुताबिक लोन स्वीकृत करा देंगे, जिससे वह रोजगार कर सकें। इस प्रकार करीब 80 लाख रुपए का लोन करा दिया गया। लोन मिलने पर आरोपियों ने सारा रुपया अपने पास रख लिया। शुरू की किश्तें आरोपियों ने खुद जमा कीं।

प्रधानपति के हत्यारे पर 25 हजार का इनाम घोषित

अमेठी जिला। अमेठी में एक सप्ताह पहले हुए प्रधानपति की हत्या के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी मासूक उर्फ राजू पर एसपी ने 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है। मामले में इन्हौना थाने में मासूक अली उर्फ राजू समेत पांच लोगों के खिलाफ हत्या और एससीएसटी समेत कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। दरअसल ये पूरा मामला इन्हौना थाना क्षेत्र के करनगांव का है जहां 30 अगस्त को विवाद सुलझाने गए ग्राम प्रधानपति मो रिजवान की लाठी डंडों से पीटकर हत्या कर दी गई है ।हमले में रिजवान का ड्राइवर रामधनी गंभीर रूप से घायल हो गया था जिसका इलाज अभी भी ट्रामा सेंटर में चल रहा है। मामले में इन्हौना थाने में मासूक अली उर्फ राजू समेत पांच लोगों के खिलाफ हत्या और एससीएसटी समेत कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था।

शार्ट न्यूज

शिव नादर विश्वविद्यालय के 10के चैलेंज के विजेताओं की घोषणा

नयी दिल्ली। शिव नादर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 10 के चैलेंज के विजेताओं की घोषणा कर दी गयी है जिसमें पुरुषों वर्ग के विजेता प्रशांत चौधरी बने हैं वहीं महिला वर्ग की विजेजता सोनम रही हैं। संस्थान ने आज यहां जारी बयान में कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस चैलेंज में पुरूष वर्ग में सोनू कुशवाह पहले उप विजेता और यूनुस शाह दूसरे उप विजेता रहे हैं। इसी तरह से महिला वर्ग में निशा कुमारी और अर्पिता सैनी ने प्रथम और द्वितीय उप विजेता रही हैं। इस चैलेंज में पुरुषों के 5के चैलेंज के कड़े मुकाबले में अबधेश चौधरी विजयी रहे। वहीं चेतन कुमार और अभिषेक श्रीवास्तव प्रथम और द्वितीय विजेता बने। महिलाओं की 5के चैलेंज में तनीषा विजेता बनकर उभरीं, वहीं प्रियंका ने प्रथम तो प्रियंका भाटी दूसरी उप विजेता रहीं। इस कार्यक्रम को तीन श्रेणियों, 5के वॉक, 5के रन और 10के रन में बांटा गया था। इन श्रेणियों के साथ इस कार्यक्रम में अलग-अलग फिटनेस स्तर वाले धावकों को शामिल किया गया था।

मास्टरकार्ड का गेस्ट चेकआउट ट्रांजेक्शन की सुरक्षा बढ़ाने का समाधान

नयी दिल्ली। मास्टरकार्ड ने आज गेस्ट चेकआउट ट्रांजेक्शन के लिए एएलटी आईडी समाधान लॉन्च करने की घोषणा की। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि एएलटी आईडी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर गेस्ट चेकआउट ट्रांजेक्शन के दौरान कार्डधारकों द्वारा प्रदान किए गए वास्तविक कार्ड नंबरों के लिए एक वैकल्पिक पहचानकर्ता बनाने के लिए मास्टरकार्ड द्वारा विकसित एक कस्टम-मेड क्षमता है। यह समाधान व्यापारियों और उपभोक्ताओं, दोनों के लिए ऑनलाइन भुगतान संबंधी सुरक्षा को बढ़ाएगा। मास्टरकार्ड एएलटी आईडी सॉल्यूशन उन कार्डधारकों के लिए है, जो अपने कार्ड को सेव किए बिना लेनदेन करते हैं, जिसे गेस्ट चेकआउट भी कहा जाता है। यह प्रत्येक कार्ड के लिए एक वैकल्पिक पहचानकर्ता बनाता है और संग्रहीत करता है, जिससे ऐसे ऑनलाइन भुगतान की सुरक्षा बढ़ जाती है। एएलटी आईडी सॉल्यूशन कार्डधारकों को कई लाभ प्रदान करेगा, जैसे मर्चेंट वेबसाइटों पर कार्ड नंबर का स्टोर न होना और संभावित डेटा उल्लंघनों से सुरक्षा। व्यापारियों और भुगतान सेवा प्रदाताओं के लिए, यह उन्हें न्यूनतम विकास प्रयासों के साथ कार्ड नंबर सुरक्षित करने और अपने ग्राहकों के भुगतान अनुभव में सुधार करने की अनुमति देगा।

फोनपे स्मार्टस्पीकर्स का सेलिब्रिटी वॉयस फीचर

नयी दिल्ली। फोनपे ने आज अभिनेता अमिताभ बच्चन के सहयोग से अपने स्मार्टस्पीकर पर अपनी तरह का पहला सेलिब्रिटी वॉयस फीचर लॉन्च करने की घोषणा की। फोनपे ने यहां जारी बयान में कहा कि यह नई सुविधा भारत भर में फोनपे स्मार्टस्पीकरों को श्री बच्चन की विशिष्ट आवाज़ में ग्राहक भुगतान को पुष्टि करने की अनुमति देगी। यह उद्योग की पहली सेलिब्रिटी वॉयस सुविधा वर्तमान में हिंदी और अंग्रेजी में उपलब्ध है, भविष्य में इसे अन्य भाषाओं में भी शुरू करने की योजना है। फोनपे स्मार्ट स्पीकर एक साल पहले लॉन्च हुआ है, और तब से, 19,000 पोस्टल कोड (देश के 90 प्रतिशत से अधिक को कवर करते हुए) में 40 लाख डिवाइस का उपयोग मर्चेंट पार्टनर द्वारा किया जा रहा है। श्री बच्चन की विशेषता वाली एक सेलिब्रिटी आवाज के शामिल होने से व्यापारियों और ग्राहकों दोनों के लिए भुगतान का अनुभव बेहतर होगा, जिससे यह पहले से कहीं अधिक इंटरैक्टिव हो जाएगा।

कॉग्निजेंट इंडिया के अध्यक्ष राजेश नांबियार नैसकॉम के चेयरपर्सन चुने गए

नई दिल्ली। आईटी उद्योग जगत की शीर्ष संस्था नैसकॉम ने कॉग्निजेंट इंडिया के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक राजेश नांबियार को अपना चेयरपर्सन नियुक्त किया है। नांबियार माइक्रोसॉफ्ट इंडिया के पूर्व अध्यक्ष अनंत माहेश्वरी के बाद नई भूमिका में होंगे इससे पहले वे वाइस चेयरपर्सन थे। राजेश नांबियार नैसकॉम अध्यक्ष देबजानी घोष के साथ नैसकॉम की कार्यकारी परिषद, उद्योग और सरकार के साथ काम करना जारी रखेंगे, ताकि वर्तमान अस्थिर मैक्रो वातावरण को नेविगेट करते हुए वैश्विक प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत किया जा सके। नेतृत्व की मुख्य प्राथमिकताएं उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाना और नौकरी की बढ़ती भूमिकाओं में एक विविध, समावेशी और न्यायसंगत कार्य वातावरण का निर्माण करने पर ध्यान केंद्रित करना है। इस अवसर पर नैसकॉम के चेयरपर्सन राजेश नांबियार ने कहा, यह टेकेड हमें तकनीक आधारित प्रौद्योगिकी पर पुनर्विचार करने, इसे फिर से तैयार करने और फिर से कल्पना करने का मौका प्रदान करता है। जैसे-जैसे उद्यम डिजिटलीकरण की दिशा में अपनी यात्रा में तेजी लाते हैं, सरल संस्थाओं के रूप में विकसित होंगे जो अस्थिरता को कम कर उन्हें मजबूती देगा। नैसकॉम कार्यकारी परिषद के चेयरपर्सन के रूप में समर्थन पाने के लिए मैं खुद को सम्मानित महसूस करता हूं।

फ्लिपकार्ट त्योहारी सीजन से पहले देगी एक लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार

घरेलू ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने सोमवार को कहा कि उसने त्योहारी सीजन से पहले एक लाख से अधिक मौसमी (अस्थायी) रोजगार देने का लक्ष्य तय किया है। कंपनी ने कहा कि मांग को पूरा करने के लिए उसकी सप्लाई चेन में ये भर्तियां की जाएंगी। Flipkart ने बयान में कहा कि प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष, दोनों तरह के रोजगार में लोकल किराना डिलिवरी पार्टनर और महिलाएं शामिल होंगी। इनमें विकलांग व्यक्तियों को भी नियोजित किया जाएगा। कंपनी को त्योहारी सत्र से पहले अपनी सप्लाई चेन में एक लाख से अधिक नए रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। Flipkart ग्रुप के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट हेमंत बद्री ने कहा, 'द बिग बिलियन डेज की बिक्री बड़े पैमाने पर होती है और इसका भारत के इनोवेशन और इकोसिस्टम पर असर होता है। इससे लाखों नए ग्राहकों को ई-कॉमर्स की अच्छाई का अनुभव करने का मौका मिलता है।' बद्री ने कहा, 'TBBD के दौरान जटिलता और पैमाने के लिए हमें कैपासिटी, स्टोरेज, प्लेसमेंट, सॉर्टिंग, पैकेजिंग, मानव संसाधन, ट्रेनिंग, डिलिवरी और पूरे सप्लाई चेन को बढ़ाने की आवश्यकता होती है और यह पैमाना हमेशा बेहद अहम होता है।' उनके मुताबिक, इस साल कंपनी की योजना अपने किराना डिलीवरी प्रोग्राम के जरिए 40 फीसदी से ज्यादा शिपमेंट डिलीवर करने की है।

अमेजन भारत में प्रकृति-आधारित परियोजनाओं में 30 लाख डॉलर का शुरुआती निवेश करेगी

ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन भारत में प्रकृति आधारित परियोजनाओं में 30 लाख डॉलर का शुरुआती निवेश करेगी। कंपनी की ओर से सोमवार को जारी बयान के अनुसार, यह निवेश कंपनी के एशिया-प्रशांत में प्रकृति आधारित परियोजनाओं के लिए 1.5 करोड़ डॉलर के कोष का हिस्सा है। बयान के अनुसार, '' एशिया-प्रशांत के लिए पहले आवंटन के तहत 30 लाख डॉलर का इस्तेमाल भारत में प्रकृति-आधारित परियोजनाओं में निवेश के लिए किया जाएगा। अपनी पहली परियोजना के लिए अमेजन पश्चिमी घाट में समुदायों तथा संरक्षण प्रयासों का समर्थन करने के लिए सेंटर फॉर वाइल्डलाइफ स्टडीज (सीडब्ल्यूएस) के साथ काम करेगी, जो भारत की सभी वन्यजीव प्रजातियों में से 30 प्रतिशत से अधिक का 'निवास' है। वहां दुनिया में सबसे अधिक एशियाई हाथी तथा बाघ पाए जाते हैं।'' अमेजन सीडब्ल्यूएस को ''वाइल्ड कार्बन'' कार्यक्रम स्थापित करने में मदद के लिए 10 लाख डॉलर भी देगी। इससे 10,000 किसानों को औषधीय पेड़ लगाने और उनके रखरखाव में सहायता मिलेगी। वहनीयता के लिए अमेजन की वैश्विक उपाध्यक्ष कारा हर्स्ट ने कहा, ''एशिया-प्रशांत क्षेत्र विशाल वन तथा समृद्ध तटीय वातावरण का घर है, लेकिन साथ ही यह जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता हानि और भूमि क्षरण के प्रति भी अत्यधिक संवेदनशील है।''

निस्बड, एआईसीटीई, सीबीएसई ने मेटा के साथ किए सहयोग के समझौते

नयी दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा एवं कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने उद्यमियों की मदद और उद्यमिता विकास के क्षेत्र में सहयोग के लिए शिक्षा मंत्रालय, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय और मेटा (पूर्व में फेसबुक) के बीच तीन साल की साझेदारी – एजुकेशन टू एंटरप्रेन्योरशिप (शिक्षा से उद्यमशीलता) के शुभारंभ की सोमवार को यहां घोषणा की ।

प्रधान ने कहा कि यह साझेदारी छात्रों, शिक्षकों और उद्यमियों की एक पीढ़ी को सशक्त बनाएगी। मेटा, निस्बड (राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु उद्यम विकास संस्थान), एआईसीटीई (अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद) और सीबीएसई (केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद) के बीच तीन लेटर आशय-पत्रो (एलओआई) का आदान-प्रदान किया गया। शिक्षा राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री राजीव चन्द्रशेखर भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

प्रधान ने कहा कि आज शुरू की गई पहल भारत को विश्व की कौशल राजधानी बनाने और हमारी अमृत पीढी को सशक्त बनाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपनों को पूरा करने के काम को आगे बढ़ाने के लिए है।

उन्होंने आगे कहा कि एजुकेशन टू एंटरप्रेन्योरशिप साझेदारी बाजी पलटने वाली साझेदारी है, जो डिजिटल क्षेत्र में कौशल को सामान्य लोगों के स्तर तक ले जाएगी। यह हमारे लिए प्रतिभाओं के बड़े समूह का निर्माण करेगी, छात्रों, युवाओं, कार्यबल और सूक्ष्म-उद्यमियों को भविष्य की टेक्नोलॉजीज़ के साथ सहजता से जोड़ेगी ।'

उन्होंने कहा कि इससे हमारी अमृत पीढी (आजदी के अमृत काल की पीढ़ी) को नए युग के समस्या

समाधानकर्ताओं और उद्यमियों में बदल देगी ।

उन्होंने कहा कि भारत के लोकतंत्र, जनसांख्यिकी और विविधता को टेक्नोलॉजी कन्वर्जन (प्रौद्योगिकियों के संगम) से जोड़ा जाना चाहिए ताकि टेक्नोलॉजी पूरे समाज के लिए समतुल्य बन जाए। उन्होंने कहा, एनईपी के सिद्धांतों से प्रेरित होकर, निस्बड, सीबीएसई और एआईसीटीई के साथ मेटा की साझेदारी हमारी आबादी को महत्वपूर्ण डिजिटल स्किल से लैस करने और सूक्ष्म उद्यमियों और छोटे व्यवसायों को सशक्त बनाने के लिए अनंत संभावनाओं को बढ़ावा देगी।

राजीव चन्द्रशेखर ने कहा कि इस तेजी से बदलते समय में हमारे युवाओं और कार्यबल को सफल होने और टेक्नोलॉजी और वैश्विक अर्थव्यवस्था के उभरते परिदृश्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए कौशल से लैस करने के लिए तैयार करने पर सरकार के फोकस पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि डिजिटल स्किल, इनोवेशन इकोसिस्टम में कौशल और उद्यमिता का प्रतिनिधित्व करते हुए, अधिक महत्वपूर्ण रूप से लाखों छोटे ग्रामीण, सूक्ष्म और स्व-रोज़गार उद्यमियों के बीच एक ब्रिज का प्रतिनिधित्व करता है, जो उन्हें विस्तार करने, विकास करने और सफल होने में सक्षम बनाता है।

मेटा के अध्यक्ष, ग्लोबल अफेयर्स, सर निक क्लेग ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से कहा कि वर्कफोर्स के दो सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों, शिक्षा और कौशल के बीच साझेदारी को एक साथ लाने में उनके सहयोग के लिए प्रधान को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि भारत का टैलेंट बेस और तेजी से डिजिटल अपनाना इसे उभरती टेक्नोलॉजी में निवेश करने के लिए एक आदर्श स्थान बनाता है। उन्होंने भारत के विद्यार्थियों , युवाओं और उद्यमियों को सशक्त बनाने में मेटा के योगदान की आशा व्यक्त की, जिसमें भारतीय स्टार्टअप और व्यवसायों के लिए कौशल विकास पर महत्वपूर्ण ध्यान देने के साथ, शिक्षा, रोजगार सृजन, कौशल विकास और यूजर सेफ्टी जैसे क्षेत्रों में जी20 प्रेसीडेंसी के दौरान भारत के साथ मिलकर काम किया है।

निस्बड के साथ साझेदारी के तहत, अगले तीन वर्षों में पांच लाख उद्यमियों को मेटा द्वारा डिजिटल मार्केटिंग स्किल्स तक पहुंच मिलेगी। शुरुआत में उभरते और मौजूदा उद्यमियों को सात क्षेत्रीय भाषाओं में मेटा प्लेटफॉर्म का उपयोग करके डिजिटल मार्केटिंग स्किल्स में प्रशिक्षित किया जाएगा। साझेदारी के बारे में विवरण पर प्रकाश डालते हुए तीन शॉर्ट फिल्में भी प्रदर्शित की गईं।

शेयर बाजार में दूसरे दिन भी तेजी

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 93.50 अंक उछलकर 19528.80 अंक पर पहुंचा

मुंबई। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर में और बढ़ोतरी नहीं करने की उम्मीद से विश्व बाजार में आई तेजी और स्थानीय स्तर पर आर्थिक विकास के मजबूत आंकड़ों की बदौलत हुई चौतरफा लिवाली से शेयर बाजार में आज लगातार दूसरे दिन भी तेजी जारी रही।

बीएसई का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 240.98 अंक की छलांग लगाकर 65628.14 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 93.50 अंक उछलकर 19528.80 अंक पर पहुंच गया। बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों में भी जमकर लिवाली हुई, जिससे मिडकैप 0.96 प्रतिशत की तेजी लेकर 31,736.06 अंक और स्मॉलकैप 0.84 प्रतिशत चढ़कर 37,734.14 अंक पर रहा।

इस दौरान बीएसई में कुल 3941 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2303 में तेजी जबकि 1441 में गिरावट रही वहीं 197 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 32 कंपनियां हरे जबकि शेष 19 लाल निशान पर रही।

बीएसई में एफएमसीजी और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स की 0.31 प्रतिशत तक की गिरावट को छोड़कर शेष 18 समूहों में तेजी का रुख रहा। इस दौरान कमोडिटीज 1.94, सीडी 0.09, ऊर्जा 0.69, वित्तीय सेवाएं 0.36, हेल्थकेयर 0.28, इंडस्ट्रियल्स 0.60, आईटी 1.74, दूरसंचार 0.38, यूटिलिटीज 1.91, ऑटो 0.13, बैंकिंग 0.05, कैपिटल गुड्स 0.46, धातु 2.72, तेल एवं गैस 0.35, पावर 1.55, रियल्टी 1.16, टेक 1.51 और सर्विसेज समूह के शेयर 0.59 प्रतिशत मजबूत रहे।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तेजी रही। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.59, जर्मनी का डैक्स 0.59, जापान का निक्केई 0.70, हांगकांग का हैंगसेंग 2.51 और चीन के शंघाई कंपोजिट में 1.40 का उछाल रहा।

कारोबार की शुरूआत में सेंसेक्स 139 अंक की तेजी लेकर 65,525.91 अंक पर खुला लेकिन बिकवाली होने से दोपहर से पहले 65,285.56 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। इसके बाद शुरू हुई लिवाली की बदौलत यह लगातार बढ़ता हुआ कारोबार के अंतिम चरण में 65,683.91 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 65,387.16 अंक की तुलना में 0.37 प्रतिशत बढ़कर 65,628.14 अंक पर रहा।

इसी तरह निफ्टी 90 अंक चढ़कर 19,525.05 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 19,432.85 अंक के निचले जबकि 19,545.15 अंक के उच्चतम स्तर पर भी रहा। अंत में पिछले सत्र के 19,435.30 अंक की तुलना में 0.48 प्रतिशत की तेजी लेकर 19,528.80 अंक पर पहुंच गया।

इस दौरान सेंसेक्स की मुनाफा कमाने वाली कंपनियों में विप्रो 4.34, एचसीएल टेक 3.98, अल्ट्रासिमको 3.82, टाटा स्टील 3.62, टेक महिंद्रा 2.39, एनटीपीसी 2.28, इंफोसिस 1.50, पावरग्रिड 1.25, टीसीएस 1.14, एसबीआई 1.03, एचडीएफसी बैंक 0.59, जेएसडब्ल्यूएस स्टील 0.47, एलटी 0.35, मारुति 0.29 और इंडसइंड बैंक 0.28 प्रतिशत शामिल रही।

वहीं, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.97, एक्सिस बैंक 0.93, आईटीसी 0.84, एशियन पेंट 0.76, बजाज फाइनेंस 0.67, नेस्ले इंडिया 0.66, कोटक बैंक 0.50, टाइटन 0.49, टाटा मोटर्स 0.39, बजाज फिनसर्व 0.24, आईसीआईसीआई बैंक 0.22, हिंदुस्तान यूनीलीवर 0.15, रिलायंस 0.12 और भारती एयरटेल ने 0.10 प्रतिशत का नुकसान उठाया।

विजय शेखर शर्मा पेटीएम के सबसे बड़े शेयरधारक बने

चीन की निवेश कंपनी एंटफिन ने अपनी हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली। पेटीएम के संस्थापक और सीईओ विजय शेखर शर्मा की कंपनी में हिस्सेदारी बढ़ गई है। चायनीज निवेश वाली कंपनी एंटफिन की ओर से हिस्सेदारी बेचने के बाद पेटीएम में विजय शेखर शर्मा की हिस्सेदारी में इजाफा हुआ है। इसके साथ ही शर्मा पेटीएम में इकलौते एसबीओ, यानी सिग्निफिकेन्ट बेनिफिशियल ओनर बन गए हैं। पेटीएम की पैतृक कंपनी वन 97 कम्यूनिकेशन में एंटफिन की हिस्सेदारी 23.79त्न से घटकर अब महज 9.9त्न रह गई है। कुछ हफ्ते पहले तक चीन की निवेश कंपनी एंटफिन के पास पेटीएम में 23.79त्न हिस्सेदारी थी। बीते दिनों एंटफिन ने रेसिसीलिएंट असेट मैनेजमेंट बीवी को अपनी 10.3त्न हिस्सेदारी बेची है।

वन 97 कम्यूनिकेशन में विजय शेखर शर्मा की हिस्सेदारी 19.42 प्रतिशत पर पहुंची

वन 97 कम्यूनिकेशन में अब कंपनी के संस्थापक विजय शेखर शर्मा की डायरेक्ट और इनडायरेक्ट शेयर हिस्सेदारी बढ़कर 19.42 प्रतिशत पर पहुंच गई। बता दें कि जब किसी

व्यक्ति के पास एक कंपनी में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से 10 प्रतिशत से अधिक की शेयरहोल्डिंग हो तो उन्हें SBO यानी सिग्निफिकेन्ट बेनिफिशियल ओनर कहा जाता है।

इन सबके बाद भी पेटीएम अब भी बिना किसी प्रोमोटर के पेशेवर तौर पर प्रबंधित कंपनी है। भारतीय कानून के अनुसार, किसी भी व्यक्ति को किसी कंपनी के प्रोमोटर के तौर पर चिन्हित करने के लिए कम से कम 25 प्रतिशत की शेयर हिस्सेदारी होनी जरूरी है।

पेटीएम के शेयरों में मजबूती

सोमवार को शेयर बाजार में वन97 कम्यूनिकेशन के शेयर करीब आधा फीसदी की मजबूत के साथ 861.10 रुपए प्रति शेयर के भाव पर कारोबार करते दिखे। पिछले छह महीने में कंपनी के शेयरों में 35 प्रतिशत से अधिक की मजबूती आई है।

टाटा पावर रिन्यूएबल को नियोसिम इंडस्ट्री से सौर ऊर्जा परियोजना का ठेका

एजेंसी

नयी दिल्ली। टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (टीपीआरईएल) ने सोमवार को बताया कि उसे नियोसिम इंडस्ट्री लिमिटेड से महाराष्ट्र में 26 मेगावाट क्षमता के कैप्टिव सौर बिजलीघर के निर्माण का ठेका मिला।

टीपीआरईएल टाटा पावर की सहायक कंपनी है और नियोसिम इंडस्ट्रीज आयरन कास्टिंग व विनिर्माण क्षेत्र की प्रमुख कंपनी है।

अनुमानित 5.9 करोड़ यूनिट वार्षिक बिजली पैदा करने की यह इकाई महाराष्ट्र के अहमदनगर के जामखेड में स्थापित की जा रही है और इसके मार्च 2024 तक तैयार हो जाने की उम्मीद है।

इससे वार्षिक लगभग 32,500 टन कार्बनडाई आक्साइड उत्सर्जन कम होगा। टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) आशीष खन्ना ने कहा, जामखेड परियोजना नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ाने की दिशा में एक कदम है।

नियोसिम इंडस्ट्री लिमिटेड के महाप्रबंधक (वाणिज्यिक) विनय मोहता ने कहा, टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड के साथ हमारी साझेदारी स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा समाधानों की दिशा में हमारी निरंतर यात्रा में एक बड़ा सहयोग है। यह भारत में कार्बन उत्सर्जन कम करने हरित ऊर्जा क्रांति में हमारा सक्रिय योगदान है।

टीपीआरईएल की कुल नवीकरणीय क्षमता 7,821 मेगावाट है जिसमें के तहत 3,689 मेगावाट परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं।

कंपनी की वर्तमान परिचालन क्षमता 4,132 मेगावाट है, जिसमें 3,139 मेगावाट सौर और 993 मेगावाट पवन ऊर्जा परियोजनाएं शामिल हैं।

महेन्द्र सिंह धोनी बने स्वराज ट्रेक्टर के ब्रांड एंबेसडर

नयी दिल्ली। महिंद्रा समूह के स्वराज ट्रैक्टर्स ने पूर्व क्रिकेटर महेन्द्र सिंह धोनी को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाने की घोषणा के साथ आज 40 से 50 एचपी श्रेणी में ट्रैक्टरों की नई रेंज पेश की।

महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के फार्म इक्विपमेंट सेक्टर के अध्यक्ष हेमंत सिक्का ने नये ट्रेक्टर लॉंच करने के मौके पर कहा कि हरित क्रांति में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने और भारत के पहले स्वदेशी ट्रैक्टर के लिए प्रसिद्ध नई स्वराज रेंज भारत के कृषि मशीनीकरण को आगे बढ़ाने और भारतीय किसानों की बढ़ती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए स्वराज ट्रैक्टर्स के समर्पण का प्रतीक है। नई रेंज भारत के तेजी से बढ़ते और प्रमुख 40-50 एचपी ट्रैक्टर सेगमेंट में स्वराज के उत्पाद पोर्टफोलियो की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के लिए तैयार है।

उन्होंने कहा कि किसानों को सशक्त बनाने और कृषि उत्पादकता

बढ़ाने के प्रति समर्पण के साथ, यह रेंज इस सेगमेंट में प्रदर्शन के नए मानक स्थापित करती है। ये ट्रैक्टर नवीनतम सुविधाओं और प्रौद्योगिकी के साथ सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों पर विजय पाने के लिए बेजोड़ शक्ति, विश्वसनीयता और स्टाइल की पेशकश करते हैं। उन्होंने कहा कि भारी और नवीनतम उपकरणों को आसानी से संभालने के लिए डिज़ाइन की गई, नई रेंज कृषि कार्यों को नए सिरे से परिभाषित करती है, जिससे सबसे चुनौतीपूर्ण कार्य भी आसान हो जाते हैं। ये ट्रैक्टर आधुनिक कृषि की मांगों को पूरा करते हुए मौजूदा और उभरते अनुप्रयोगों में असाधारण क्षमता और बेहतर उत्पादकता का दावा करते हैं।

महिंद्रा एंड महिंद्रा के स्वराज डिवीजन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हरीश चव्हाण ने नए ट्रैक्टरों के लॉन्च पर कहा, इस नई ट्रैक्टर रेंज के साथ, हम मौलिक क्षमता, विश्वसनीयता को बढ़ाकर और भविष्य की कृषि यंत्रीकरण आवश्यकताओं के लिए इसे तैयार करके ब्रांड को भविष्य में आगे बढ़ा रहे हैं। प्रदर्शन से परे, यह नई रेंज उभरते अनुप्रयोगों के लिए आराम, बहुपयोगिता पर जोर देती है और इसकी आधुनिक लेकिन प्रामाणिक स्टाइल ग्राहकों को आकर्षित करने वाली है।

उन्होंने कहा कि नई स्वराज रेंज अब पूरे भारत में सभी स्वराज डीलरशिप पर उपलब्ध है। इसकी कीमत 6.9 लाख रुपये से लेकर 9.95 लाख रुपये तक है। किसानों को समर्थन देने के लिए, स्वराज ट्रैक्टर नवीनतम स्वराज ट्रैक्टर रेंज की आसान सुलभता सुनिश्चित करने के लिए वित्तपोषण विकल्प भी प्रदान करेगा। इसके अलावा, इन ट्रैक्टरों पर छह साल की वारंटी है, जो गुणवत्ता और ग्राहक संतुष्टि के प्रति स्वराज ट्रैक्टर्स के अटूट समर्पण को रेखांकित करती है, जो कृषक समुदाय के लिए विश्वसनीयता और मानसिक शांति का आश्वासन देती है।

अब यूपीआई से भुगतान में ई-रुपये का भी हो सकेगा इस्तेमाल

भारतीय स्टेट बैंक ने शुरू की सुविधा

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक ने ग्राहकों के लिए एक नई सुविधा की घोषणा की है। अब एसबीआई ग्राहकों को डिजिटल तौर पर भुगतान करने में आसानी होगी। एसबीआई ने भारतीय रिजर्व बैंक के ई रुपये पर यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस इंटरऑपरेबिलिटी की सुविधा देने का एलान किया है।

इस कदम के साथ, एसबीआई का उद्देश्य अपने ग्राहकों की सुविधा और पहुंच में इजाफा करना है। एसबीआई अपने ईरुपी एप्लिकेशन के माध्यम से उपयोगकर्ताओं को लेनदेन के लिए किसी भी मर्चेंट यूपीआई क्यूआर कोड को आसानी से स्कैन करने में सक्षम बनाएगी। बता दें कि एसबीआई आरबीआई की खुदरा डिजिटल ई-रुपया परियोजना में भाग लेने वाले पहले कुछ बैंकों में से एक था। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) भारत की मोबाइल-आधारित फास्ट पेमेंट सिस्टम है, जो ग्राहकों को वर्चुअल पेमेंट एड्रेस (वीपीए) का उपयोग करके चौबीसों घंटे भुगतान करने की सुविधा प्रदान करता है। यूपीआई भुगतान प्रणाली भारत में खुदरा डिजिटल भुगतान के लिए बेहद लोकप्रिय हो गई है, और इसे अपनानेवालों की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रही है।

एसबीआई ने एक विज्ञप्ति में कहा, यूपीआई के साथ सीबीडीसी का निर्बाध एकीकरण बैंक के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, यह रोजमर्रा के लेनदेन में डिजिटल मुद्राओं की स्वीकृति और उपयोग को बढ़ाएगा। बैंक को लगता है कि यह एकीकरण डिजिटल मुद्रा पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक गेम चेंजर होगा।

केंद्रीय बजट 2022-23 में, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सेंट्रल बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) नामक डिजिटल मुद्रा को शुरू करने की घोषणा की थी। सीबीडीसी संप्रभु मुद्रा का एक इलेक्ट्रॉनिक रूप है। यह नकदी की तरह कोई ब्याज अर्जित नहीं करेगा, लेकिन इसे नकद के विभिन्न रूपों में परिवर्तित किया जा सकता है। एसबीआई से पहले यस बैंक और एक्सिस बैंक इस तरह की सुविधा शुरू कर चुके हैं।

नजारा टेक्नोलॉजी में रु 100 करोड़ इन्वेस्ट करेंगे निखिल कामत

मुंबई। मोबाईल गेमिंग और स्पोर्ट्स मीडिया कंपनी नजारा टेक्नोलॉजी के शेयर में आज सोमवार को (4 सितंबर) 10 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली। नजारा टेक का शेयर 77.45 रुपए यानी 10.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 837 रुपए पर बंद हुआ।

दरअसल, नजारा टेक में ब्रोकरेज फर्म जीरोधा के को-फाउंडर निखिल कामत 100 करोड़ रुपए का इन्वेस्टमेंट करेंगे। नजारा टेक्नोलॉजी ने इस बात की जानकारी स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में दी है। इस खबर के सामने आने के बाद से ही नजारा के शेयर में यह तेजी आई है। वहीं कारोबार के दौरान नजारा टेक्नोलॉजी के शेयर ने 12 प्रतिशत की तेजी के साथ 854 रुपए का अपना नया 52-वीक हाई बनाया था। पिछले 5 दिन में इस शेयर ने 16.22 प्रतिशत, 1 महीने में 22.29 प्रतिशत और 6 महीने में 58.45 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, निखिल कामत का नजारा में यह इन्वेस्टमेंट प्रिफरेंशियल अलॉटमेंट के जरिए होगा।

कामत एसोसिएट्स एंड एनके-स्क्वॉयर्ड को 100 करोड़ रुपए के 1.4 मिलियन यानी 14 लाख इक्विटी शेयर्स शेयर जारी करने के लिए नजारा के बोर्ड ने मंजूरी भी दे दी है।

एशिया कप : कोलंबो की मेज़बानी पर फिर सकता है पानी

कोलंबो। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) भारी बारिश के कारण एशिया कप 2023 के सुपर-चार मुकाबलों को कोलंबो से बाहर स्थानांतरित करने पर विचार कर रहा है।
ईएसपीएन क्रिकइन्फो की ओर से रविवार को प्रकाशित एक खबर के अनुसार, श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अधिकारी श्रीलंका में ऐसे वैकल्पिक स्थानों पर विचार कर रहे हैं जहां कोलंबो की तुलना में अपेक्षाकृत शुष्क मौसम का अनुमान है।
श्रीलंका में फिलहाल बरसात का मौसम नहीं है, लेकिन कोलंबो में पिछले कुछ दिनों में भारी बारिश होने से शहर के उत्तरी इलाकों के कुछ हिस्सों में बाढ़ आ गयी है।
कोलंबो में सितंबर अक्सर बारिश वाला महीना नहीं होता है क्योंकि उत्तर-पूर्वी मानसून आम तौर पर अक्टूबर में शुरू होता है। सुपर-चार चरण के पांच मैचों और फाइनल की मेज़बानी के लिये चुने गये खेतारामा स्टेडियम ने 2015 के बाद से सितंबर के महीने में पांच पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय और चार पुरुष एकदिवसीय मैचों का आयोजन किया है। वे सभी मैच पूरे हुए और सिर्फ दो में बारिश ने बाधा डाली।

रिपोर्ट में बताया गया कि अगर मैच कोलंबो से बाहर स्थानांतरित होते हैं तो वैकल्पिक स्थल चुनना भी आयोजकों के लिये सिरदर्द का कारण होगा। एक विकल्प के रूप में दांबुला पर विचार किया गया, लेकिन एसएलसी अधिकारियों के अनुसार स्टेडियम की फ्लडलाइट पर काम चल रहा है। दांबुला श्रीलंका के शुष्क क्षेत्र में स्थित है और इस कारण साल के इस समय में कैंडी और कोलंबो दोनों की तुलना में वहां काफी कम वर्षा होती है।
श्रीलंका के सूखे और गीले क्षेत्रों की सीमा पर स्थित हंबनटोटा आयोजन के लिये एक और विकल्प हो सकता है लेकिन वह स्टेडियम अनिवार्य रूप से जंगल के किनारे पर स्थित है और आस-पास कोई आवास विकल्प नहीं है। अगर मैच वहां ले जाये गये तो आवागमन एसएलसी के लिये बड़ी परेशानी होगी।
रिपोर्ट के अनुसार, एशिया कप का प्रसारक डिज़्नी प्लस हॉटस्टार शेष मैचों को दो अलग-अलग स्थानों पर विभाजित करने के पक्ष में नहीं हैं क्योंकि इसमें या तो सड़क मार्ग से उपकरणों को ले जाना होगा, या श्रीलंका में दो अलग-अलग स्थानों पर प्रसारण बुनियादी ढांचा कायम करना होगा।
उल्लेखनीय है कि एशिया कप की मेज़बानी मूल रूप से पाकिस्तान को मिली थी, लेकिन भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 'सुरक्षा कारणों' का हवाला देते हुए पड़ोसी देश जाने से मना कर दिया, जिसके बाद टूर्नामेंट के अधिकतर मैच श्रीलंका में स्थानांतरित किये गये थे।

अमेरिकी ओपन 2023 के क्वार्टरफाइनल में पहुंचे बोपन्ना-एब्डेन

न्यूयॉर्क। भारत के रोहन बोपन्ना यहां अमेरिकी ओपन 2023 टेनिस टूर्नामेंट में पुरुष युगल के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गये हालांकि मिश्रित युगल प्रतियोगिता से उन्हें हार के साथ बाहर होना पड़ा।
पुरुष युगल के प्री-क्वार्टरफाइनल में, छठी वरीयता प्राप्त रोहन बोपन्ना और ऑस्ट्रेलियाई साथी मैथ्यू एबडेन की जोड़ी ने जूलियन कैश और हेनरी पैटन की ब्रिटिश जोड़ी को दो घंटे 20 मिनट चले मुकाबले में 6-4, 6(5)-7, 7-6(10-6) से हराने के लिये कड़ी मेहनत की। अगले दौर में बोपन्ना-एबडेन का सामना शीर्ष वरीय वेस्ले कूलहोफ-नील स्कूपस्की और नाथनियल लैमन्स-जैक्सन विथ्रो के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। हार्ड कोर्ट पर खेला जाने वाला अमेरिकी ओपन साल का चौथा और अंतिम टेनिस ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट है। इस सीज़न की शुरुआत में बोपन्ना और एबडेन ने दोहा और इंडियन वेल्स में हार्ड कोर्ट पर खिताब जीते थे।

यह जोड़ी जुलाई में विंबलडन के सेमीफाइनल में भी पहुंची थी।
इस बीच, मिश्रित युगल प्रतियोगिता में रोहन बोपन्ना और इंडोनेशिया की अल्डिला सुत्जियादी अमेरिका की टेलर टाउनसेंड और बेन शेल्टन से एक घंटे से भी कम समय में 6-2, 7-5 से हार गये। बोपन्ना इस आयोजन में एकमात्र भारतीय खिलाड़ी थे।
गौरतलब है कि 43 वर्षीय बोपन्ना अमेरिकी ओपन 2023 में भारत के एकमात्र प्रतिनिधि हैं। इससे पहले, साकेत माइनेनी और युकी भांबरी पुरुष युगल के दूसरे दौर में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गये थे। अंकिता रैना और सुमित नागल सहित कोई भी भारतीय एकल खिलाड़ी क्वालीफायर से आगे नहीं बढ़ पाया।

बुमराह के घर गूंजी 'अंगद' की किलकारी

मुंबई। भारत के अग्रणी तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह और उनकी पत्नी संजना गणेशन ने अपने परिवार में बेटे 'अंगद' का स्वागत किया है। बुमराह ने सोमवार को एक्स पर लिखा, हमारा छोटा परिवार बड़ा हो गया है। हमारे दिल इतने भर आये हैं जितना कभी सोचा भी नहीं था। आज सुबह हमने अपने नन्हे से बेटे अंगद जसप्रीत बुमराह का इस दुनिया में स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि बुमराह भारत के साथ एशिया कप खेलने श्रीलंका गये थे लेकिन बेटे के जन्म के लिये वह रविवार को स्वदेश लौट आये। इस कारण वह भारत और नेपाल के बीच सोमवार को होने वाले मुकाबले में हिस्सा भी नहीं ले सके। बुमराह ने कहा, हम चांद के ऊपर हैं। हमारे जीवन का यह नया अध्याय जो कुछ अपने साथ लाया है, उसका इंतज़ार नहीं कर सकते। बुमराह अब सुपर-चार चरण में हिस्सा लेने के लिये श्रीलंका लौटेंगे, जहां भारत का पहला मुकाबला 10 सितंबर को पाकिस्तान से होगा।

ओस्तापेन्को ने गत चैंपियन स्वियातेक को बाहर किया

न्यूयॉर्क। लातविया की हेलेना ओस्तापेन्को ने अमेरिकी ओपन के चौथे दौर में 3-6, 6-3, 6-1 की जीत के साथ गत चैंपियन इगा स्वियातेक का अभियान खत्म कर दिया है।
स्वियातेक रविवार रात की हार के बाद विश्व रैंकिंग में नंबर एक पर नहीं रहेंगी और उनकी जगह रूस की एरिना सबालेंका पहली बार शीर्ष पायदान हासिल करेंगी।
यह पोलैंड की स्वियातेक के खिलाफ ओस्तापेन्को की चार मुकाबलों में चौथी जीत है। दो बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्वियातेक विश्व रैंकिंग के शीर्ष पर पहुंचने के बाद ओस्तापेन्को से पहली बार भिड़ रही थीं लेकिन इस बार भी वह उनकी मज़बूत हिटिंग की बराबरी नहीं कर सकीं।
ओस्तापेन्को ने जीत के बाद कहा, वह एक बेहतरीन खिलाड़ी है और लगातार प्रदर्शन कर रही है, खासकर पिछले कुछ वर्षों से। मैं यह भी जानती थी कि उस पर सारा दबाव होगा क्योंकि वह स्पष्ट रूप से नंबर एक है। मैं बस उसके लिये परिस्थिति कठिन बनाने और अपना खेल खेलने की कोशिश

कर रही थी। फ्लशिंग मीडोज़ में पहली बार क्वार्टरफाइनल तक पहुंचने वाली ओस्तापेन्को अब अमेरिका की कोको गौफ़ का मुकाबला करेंगी, जो प्री-क्वार्टरफाइनल में डेनमार्क की कैरोलीन वोज़नियाकी को 6-3, 3-6, 6-1 से हराकर आ रही हैं।
ओस्तापेन्को ने गौफ पर कहा, वह एक शानदार युवा खिलाड़ी है। वह मैच भी मुश्किल होगा। मैं ग्रैंड स्लैम आयोजनों में आसान मुकाबलों की उम्मीद नहीं करती।
इस बीच, सर्बिया के दिग्गज खिलाड़ी नोवाक जोकोविच और अमेरिका के फ्रांसिस टियाफो ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया।
जोकोविच ने एकतरफा मुकाबले में क्रोएशिया के बोर्ना गोजो को 6-2, 7-5, 6-4 से हराया। अगले दौर में उनका मुकाबला अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज़ से होगा, जो प्री-क्वार्टरफाइनल में स्विट्ज़रलैंड के डॉमिनिक स्ट्रिकर को 7-6(2), 6-4, 6-4 से हराकर आ रहे हैं। टियाफो ने ऑस्ट्रेलिया के रिंकी हिजिकाता को 6-4, 6-1, 6-4 से हराया। क्वार्टरफाइनल में टियाफो हमवतन बेन शेल्टन से भिड़ेंगे।

पाकिस्तान नेवी का हेलिकॉप्टर क्रैश

हादसे में दो अफसरों समेत 3 की मौत; बलोच आतंकियों के गढ़ में हुआ क्रैश

क्वेटा। पाकिस्तान नेवी का एक हेलिकॉप्टर मंगलवार दोपहर बलूचिस्तान के ग्वादर इलाके में क्रैश हो गया। इसमे दो अफसरों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। ग्वादर में चीन के कई प्रोजेक्ट्स चल रहे हैं। इनकी हिफाजत का जिम्मा पाकिस्तानी फौज की एक स्पेशल यूनिट के जिम्मे है। यहां बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी का तगड़ा होल्ड है। पिछले महीने इसी इलाके में चीनी इंजीनियरों पर हमला हुआ था। इसमें 15 लोगों की मौत हुई थी। इनमें चार चीनी इंजीनियर थे। नेवी का यह हेलिकॉप्टर समुद्र में क्रैश हुआ है। सोशल मीडिया पर कुछ फुटेज वायरल हैं। इनमें दावा किया जा रहा है कि ये फुटेज उसी हेलिकॉप्टर के हैं, जो क्रैश हुआ है। हालांकि, पाकिस्तान नेवी या सरकार की तरफ से इनकी पुष्टि नहीं की गई है।

रूटीन फ्लाइट पर थे अफसर

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक- यह हेलिकॉप्टर वेस्टलैंड WS-61 था। इसे पाकिस्तान नेवी में सी-किंग या समंदर का राजा कहा जाता है। सोमवार

को इसने ग्वादर के नेवल बेस से उड़ान भरी थी। करीब 20 मिनट बाद यह ग्वादर पोर्ट के करीब एक पहाड़ी के ऊपर मंडराता देखा गया। इस पहाड़ी के ठीक पीछे समंदर है।
रिपोर्ट्स के मुताबिक- टेक ऑफ के कुछ देर बाद हेलिकॉप्टर में टेक्निकल फॉल्ट आ गया था। पायलट ने इसे बेस पर ले जाने की काफी कोशिश की, लेकिन वो इसमें नाकाम रहा। इसके बाद हेलिकॉप्टर को पहाड़ी के दूसरी तरफ मैदान में लैंड कराने की कोशिश की गई। इसमें भी नाकामी हाथ लगी। चंद मिनट बाद ये क्रैश होकर समंदर में जा गिरा।
हेलिकॉप्टर में दो अफसर लेफ्टिनेंट कमांडर जवाद हुसैन और लेफ्टिनेंट कमांडर हमजा अशरफ के अलावा एक सैनिक हसनैन मौजूद थे। इनके शव अब तक बरामद नहीं किए जा सके हैं। नेवी की एक टीम मामले की जांच कर रही है। यह हेलिकॉप्टर रूटीन फ्लाइट पर था। दिन में इस तरह की तीन उड़ानें नेवी के अफसर करते हैं। केयरटेकर प्राइम मिनिस्टर अनवार उल हक काकड़ ने हादसे पर अफसोस जाहिर किया है।

बलोच आतंकियों का गढ़ है ग्वादर

पिछले महीने इसी ग्वादर इलाके में चीनी इंजीनियरों पर आतंकी हमला हुआ था। पाकिस्तान में मौजूद 'न्यूयॉर्क टाइम्स' के रिपोर्टर ताहा सिद्दीकी के मुताबिक हमले में 4 चीनी इंजीनियर, 9 पाकिस्तानी सैनिक और दो आतंकी मारे गए थे।
जियो न्यूज के मुताबिक चाइना-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर के एक थर्मल पावर प्रोजेक्ट के लिए यहां चीनी इंजीनियर मौजूद हैं। दो साल पहले भी यहां चीनी इंजीनियरों पर फिदायीन हमला हुआ था। उसमें 9 इंजीनियर मारे गए थे।
बलूचिस्तान में पहले भी फौज और चीन के टेक्निकल स्टाफ पर हमले होते रहे हैं। पिछले महीने हमले की जिम्मेदारी भी बलोच लिबरेशन आर्मी यानी ने ली थी। उसने सोशल मीडिया पर बयान जारी किया। कहा- हमले में हमारे दो शहीद शामिल थे। इनके नाम नवीद बलोच और खुदाबख्श उर्फ असलम बलोच हैं। दोनों ही तुरबत इलाके के रहने वाले थे। दोनों ही मजीद ब्रिगेड से ताल्लुक रखते हैं।
2014 में पाकिस्तान सरकार ने चीन के नागरिकों की सिक्योरिटी के लिए स्पेशल प्रोटेक्शन यूनिट बनाई थी। इसमें 4 हजार से ज्यादा सिक्योरिटी ऑफिशियल्स शामिल हैं। ज्यादातर सिक्योरिटी अफसर फौज से ताल्लुक रखते हैं। ये यूनिट 7567 चीनी नागरिकों को स्पेशल सिक्योरिटी मुहैया कराती है। अकेले बलूचिस्तान में चीनी नागरिकों की 70 मल्टी स्टोरीज बिल्डिंग हैं। इसके अलावा 24 टेम्परेरी कैम्प भी हैं। इन सभी में चीन के वो अफसर और वर्कर रहते हैं जो CPEC से जुड़े प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं।

जंग के बीच यूक्रेन ने रक्षा मंत्री को हटाया

अब रुस्तम उमेरोव को मिली जिम्मेदारी; जेलेंस्की बोले- मंत्रालय को नई अप्रोच की जरूरत

सेना में भ्रष्टाचार के बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अपने रक्षा मंत्री ओलेक्सी रेजनिकोव को हटा दिया है।
ओलेक्सी रेजनिकोव जंग शुरू होने के 3 महीने पहले नवंबर 2021 में ही यूक्रेन के रक्षा मंत्री बने थे। उनकी जगह अब क्रीमियन तातार मूल के पूर्व सांसद रुस्तम उमेरोव लेंगे। जेलेंस्की ने इसकी घोषणा टेलीग्राम अकाउंट पर की है।
उन्होंने कहा- रेजनिकोव ने जंग के 550 दिनों तक मंत्रालय को संभाला है, अब मिनिस्ट्री को नई अप्रोच की जरूरत है। रेजनिकोव के नेतृत्व में यूक्रेन को रूस का सामना करने के लिए पश्चिमी देशों से खूब मदद मिली।
41 साल के उमेरोव यूक्रेन में विपक्षी पार्टी होलोस के नेता हैं। वो रूस के साथ युद्ध बंदियों, आम लोगों और बच्चों की अदला-बदली करवाने में शामिल रह चुके हैं। उन्होंने रूस के कब्जे वाले यूक्रेनी इलाकों से लोगों को निकलवाने में भी अहम भूमिका निभाई थी।

क्या है रक्षा मंत्रालय में भ्रष्टाचार का मामला...

24 जनवरी को यूक्रेन के डिप्टी डिफेंस मिनिस्टर याचेस्लाव शापोवालोव को भ्रष्टाचार से जुड़े एक स्कैंडल में फंसने के बाद इस्तीफा देना पड़ा था।
न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक इसी स्कैंडल के चलते ओलेक्सी रेजनिकोव पर आरोप लगने लगे थे। हालांकि, ओलेक्सी पर सीधे तौर पर भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं है। वहीं माना जा रहा है कि जंग के बीच रक्षा मंत्रालय में हुए स्कैंडल से दुनिया भर में यूक्रेन की छवि बिगड़ी है।
अगस्त में एक स्कैंडल का खुलासा हुआ। इसमें दावा किया गया कि यूक्रेनी सैनिकों को मिलने वाली मिलिट्री जैकेट्स को तीन गुना ज्यादा दाम पर खरीदा गया।
वहीं सर्दियों की जैकेट्स के बजाय सैनिकों के लिए हल्की गर्मी की जैकेट्स खरीदी गईं। जैकेट सप्लाई करने के वाले सप्लायर के दस्तावेजों में इनका दाम 29 डॉलर प्रति जैकेट है, जबकि डिफेंस मिनिस्ट्री ने इन्हें 86 डॉलर प्रति जैकेट के दर से खरीदा दिखाया गया है।

सातो किलमैन बने वानुअतु के नये प्रधानमंत्री

पोर्ट विला। वानुअतु के संसदीय चुनाव में 23 के मुकाबले 27 वोट हासिल करने के बाद सोमवार को सातो किलमैन को देश का नया प्रधान मंत्री चुना गया। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। वानुअतु ब्रॉडकास्टिंग एंड टेलीविज़न कॉरपोरेशन के अनुसार, पीपुल्स प्रोग्रेसिव पार्टी के नेता किलमैन (65) के लिए वानुअतु के प्रधान मंत्री के रूप में सेवा करने का यह पांचवा अवसर होगा। किलमैन ने हाल ही में जून 2015 से फरवरी 2016 तक पदभार संभाला था। चुनाव के लिए संसद सोमवार को स्थानीय समय के अनुसार पांच बजे बुलाई गई है। राष्ट्रीय प्रसारक के अनुसार यह बैठक अपील अदालत द्वारा सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले को बरकरार रखने के बाद हुई।

शार्ट न्यूज

एशियाई खेलों से पहले 17 दिवसीय शिविर में हिस्सा लेंगे भारतीय मुक्केबाज

नयी दिल्ली। चीन के हांग्झोउ में 23 सितंबर से होने वाले एशियाई खेलों की तैयारी के लिये भारतीय मुक्केबाजी दल 17 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी प्रशिक्षण शिविर के लिये चीन के वुइशान शहर के लिये रवाना हुआ है। भारतीय मुक्केबाजी संघ ने सोमवार को बताया कि इस दल में 13 मुक्केबाज और 11 सहयोगी स्टाफ सदस्य शामिल हैं। आरईसी लिमिटेड द्वारा समर्थित प्रशिक्षण शिविर तीन सितंबर से 20 सितंबर तक निर्धारित है। इसके बाद भारतीय मुक्केबाज एशियाई खेलों में भाग लेने के लिये हांग्झोउ रवाना होंगे। एशियाई खेलों के लिये भारतीय पुरुष टीम में दीपक (51 किग्रा), सचिन (57 किग्रा), शिव थापा (63.5 किग्रा), निशांत देव (71 किग्रा), लक्ष्य चाहर (80 किग्रा), संजीत (92 किग्रा) और नरेंद्र (+92 किग्रा) का नाम है। वहीं महिला टीम में निकहत ज़रीन (50 किग्रा), प्रीति (54 किग्रा), परवीन (57 किग्रा), जैस्मीन (60 किग्रा), अरुंधति चौधरी (66 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) शामिल है।

भारत ने एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य पक्का किया

प्योंगचांग (दक्षिण कोरिया)। भारतीय पुरुष टेबल टेनिस टीम ने एशियाई चैंपियनशिप के क्वार्टरफाइनल में सोमवार को सिंगापुर को 3-0 से मात देकर अपने लिये कांस्य पदक सुनिश्चित कर लिया। शरत कमल, सत्यन ज्ञानशेखरन और हरमीत देसाई ने अपने-अपने एकल मुकाबले जीतकर भारत को सेमीफाइनल में पहुंचाया। अनुभवी शरत और इजाक क्यूक के बीच शुरुआती एकल मैच में कड़ी टक्कर हुई, जिसमें भारतीय खिलाड़ी ने अंततः 11-1, 10-12, 11-8, 11-13, 14-12 से जीत हासिल की। सत्यन ने यू एन कोएन पांग पर 11-6, 11-8, 12-10 की आसान जीत के साथ भारत को 2-0 की बढ़त दिलाई। भारत के सर्वोच्च रैंकिंग वाले 61वें खिलाड़ी हरमीत देसाई ने झे यू क्लेरेंस च्यू को 11-9, 11-4, 11-6 से हराकर मुकाबला अपने नाम किया। सेमीफाइनल में भारत का सामना बुधवार को चीनी ताइपे से होगा। इस बीच, महिलाओं के क्वार्टरफाइनल में पांचवीं वरीयता प्राप्त भारतीय टीम को जापान के खिलाफ 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। दुनिया की आठवें नंबर की खिलाड़ी मीमा इतो ने शुरुआती एकल में अयहिका मुखर्जी को 11-7, 15-13, 11-8 से हराया। दुनिया की 36वें नंबर की खिलाड़ी मनिका बत्रा ने सातवीं रैंकिंग वाली हिना हयाता के खिलाफ एक गेम जीता लेकिन वह भी 7-11, 9-11, 11-9, 3-11 से हार गयीं।

'दिमाग को शांत रखो, पैरों को बोलने दो'

थिम्पू (भूटान)। हिन्दी भाषा में व्यवस्था और अव्यवस्था एक दूसरे के विपरीत होते हैं, लेकिन एक फुटबॉल टीम बनाने के लिये दोनों की ही ज़रूरत है। खासकर वह टीम, जो एक टूर्नामेंट के बीचोंबीच हो। भारतीय अंडर-16 पुरुष फुटबॉल टीम ने जब बंगलादेश के खिलाफ अपना सैफ चैंपियनशिप अभियान शुरू किया तो उसने पहली बार अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल के उतार-चढ़ाव को अनुभव किया। बंगलादेश को 1-0 से हराने में जब भारतीय युवाओं का पसीना छूट गया तो उन्होंने भूटान की राजधानी थिम्पू में खुद को आराम पहुंचाने के लिये हर संभव चीज़ों का उपयोग शुरू किया। अगले मैच में बुधवार को नेपाल से भिड़ने से पूर्व भारतीय टीम ने जो काम सबसे पहले किया वह था वांग छू नदी में डुबकी लगाना। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने बताया कि मुख्य कोच इश्फाक अहमद इसे बर्फ के पानी से नहाने से बेहतर मानते हैं। अहमद ने कहा, यह कुछ ऐसा है जो हम कश्मीर में बचपन में हमेशा किया करते थे। हमने इसे हमेशा फायदेमंद पाया है, खासकर मैचों या कठिन प्रशिक्षण सत्रों के बाद। पानी लगभग 1-2 डिग्री सेल्सियस है, इसलिए यह बर्फ का काम पूरी तरह से करता है। यह प्राकृतिक झरने का पानी भी है, इसलिए प्राकृतिक परिस्थितियों में ऐसी चीजें करने के हमेशा अतिरिक्त फायदे होते हैं। अहमद अपने खिलाड़ियों के शरीर को ठीक करने के अलावा उनकी मानसिक सेहत पर भी ध्यान दे रहे हैं।

अफगानिस्तान और सुपर-चार के बीच श्रीलंका बना दीवार

लाहौर। अफगानिस्तान को अगर एशिया कप 2023 के सुपर-चार में पहुंचना है तो उसे अपने दूसरे और आखिरी ग्रुप-बी मुकाबले में मंगलवार को श्रीलंका पर बड़ी जीत दर्ज करनी होगी। श्रीलंका अपने पहले मुकाबले में बंगलादेश को पांच विकेट से हराने के बाद ग्रुप-बी की तालिका में शीर्ष पर है, जबकि बंगलादेश ने भी अफगानिस्तान पर 89 रन की जीत के साथ दो अंक अर्जित कर लिये हैं। टूर्नामेंट के इस प्रारूप में एक जीत या हार किसी भी टीम का भविष्य तय करने के लिये काफी होती है इसलिये अफगान टीम कल श्रीलंका के विरुद्ध अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए सुपर-चार में पहुंचने का भरपूर प्रयास करेगी। अफगानिस्तान के लिये ऐसा करना आसान नहीं होगा क्योंकि श्रीलंका भी मज़बूत टीम है और फॉर्म में है। अपने अनुभवी तेज़ गेंदबाज़ों की अनुपस्थिति के बावजूद श्रीलंका ने पाल्लेकेले स्टेडियम में बंगलादेश को मात्र 164 रन पर ऑलआउट कर दिया था। अफगानिस्तान अगर श्रीलंका के विरुद्ध बड़ा स्कोर बनाना चाहती है तो उसे युवा तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना और ऑफ-स्पिनर महीश तीक्षणा की घातक गेंदबाजी का तोड़ निकालना होगा। हाल ही में जून में इन दोनों टीमों का आमना-सामना हुआ था।

'सूडान की राजधानी खार्तूम में आरएसएफ के हमले 16 नागरिकों की मौत'

खार्तूम। सूडान की राजधानी खार्तूम में अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के हमले में 16 नागरिक मारे गए हैं। यह जानकारी सूडानी सशस्त्र बल (एसएएफ) ने रविवार को दी। सेना ने कहा कि आरएसएफ ने खार्तूम के पश्चिमोत्तर में उत्तरी ओमडुरमन में करारी और वाड अल-बखित इलाकों में 'अंधाधुंध गोलाबारी' की, जिसमें 13 नागरिकों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। सेना ने कहा, आरएसएफ ने अल-मसीद क्षेत्र (खार्तूम के दक्षिण) में भी हमला किया और नागरिकों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें तीन नागरिकों की मौत हो गई। सेना की ओर से जारी बयान में कहा गया कि खार्तूम के दक्षिण में अल-शजारा क्षेत्र में भी दोनों सेनाओं के बीच झड़पें हुईं, जिसमें आरएसएफ के पांच सदस्य मारे गए और छह अन्य घायल हो गए। वहीं, आरएसएफ ने एसएएफ पर सूडान के दक्षिण राज्य दारफुर की राजधानी न्याला में आवासीय इलाके में बमबारी करने का आरोप लगाया, जिसमें 14 नागरिक मारे गए और कई घायल हो गए। अर्धसैनिक बलों ने एक बयान में कहा कि ओमडुरमैन शहर के पश्चिम में एसएएफ के इंजीनियर्स कोर बेस पर हमले के दौरान रविवार को उसके 60 सैनिक मारे गए।

कुरान जलाने के विरोध में स्वीडन में हिंसक दंगे हुए

स्टॉकहोम। स्वीडन के शहर माल्मो के एक आवासीय जिले में कुरान जलाये जाने के विरोध में रात भर झड़पें हुईं हैं प्रदर्शनकारियों ने पुलिस अधिकारियों पर पथराव किया और कारों में आग लगा दी है। स्वीडिश पुलिस ने यह जानकारी दी। स्वेरिजेस टेलीविज़न (एसवीटी) ब्रॉडकास्टर ने कहा कि रविवार को प्रदर्शन का आयोजन इराकी आप्रवासी सलवान मोमिका द्वारा किया गया था, जिसने पहले भी कुरान जलाने वाले के विरोध में प्रदर्शनों को अंजाम दिया था। बयान में कहा गया कि कुरान जलाये जाने का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारी सड़कों पर पोस्टर लेकर इसे बंद किये जाने के नारे लगा रहे थे और उसी भीड़ में कुछ मास्क पहने हुए लोग पुलिस पर पथराव भी कर रहे थे हालांकि इस मामले में अभी तक न तो कोई गिरफ्तारी हुई है और न ही किसी के मारे जाने की सूचना है। पुलिस द्वारा रविवार रात से सोमवार सुबह तक के हालात को लेकर जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि पुलिस और आपातकालीन सेवाओं से जुड़े कर्मियों को रामेल्स वाग स्ट्रीट (रोसेंगार्ड पड़ोस में) में स्थानीय लोगों द्वारा फ़ोन करके बुलाया गया। लोगों ने बताया कि वहां कई कारों में आग लगा दी गई है।

ताइवान में तूफ़ान हाइकुई के कारण 80 लोग घायल

ताइपे। ताइवान में तूफ़ान हाइकुई के प्रवेश करने से कम से कम 78 लोग घायल हो गए या लापता हो गए। केंद्रीय समाचार एजेंसी (सीएनए) ने आपातकालीन सेवाओं का हवाला देते हुए सोमवार को यह जानकारी दी। सेंट्रल इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर (सीईओसी) ने कहा कि तूफान स्थानीय समयानुसार तड़के तीन बजे आया। रिपोर्ट में कहा गया है कि तूफान के उत्तर-पश्चिम में मुख्य भूमि चीन की ओर बढ़ने कारण सोमवार को द्वीप पर तूफान का प्रभाव कमजोर हो रहा है। पूरे द्वीप में आपातकालीन सेवाओं द्वारा तूफान से संबंधित कुल 1,429 घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें से अधिकांश ताइतुंग काउंटी और काऊशुंग शहर में है। समाचार एजेंसी ने कहा कि ज्यादातर घटनाएं गिरे हुए पेड़ों के कारण हुई कार दुर्घटनाओं से संबंधित थीं। तूफान के परिणामस्वरूप 118 से अधिक ताइवानी काउंटियों में बाढ़ आ गई, जिनमें से कुछ में अभी भी बाढ़ आई है। सीईओसी ने कहा कि दिन के दौरान लगभग 2 लाख 17 हजार 500 घरों में बिजली गुल हो गई और कम से कम 13,000 लोग जल आपूर्ति प्रणाली से कट गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि सात हजार से अधिक नागरिकों को उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों से निकाला गया, जबकि ताइवान के अंदर और बाहर 246 उड़ानें देरी से या रद्द कर दी गईं। समाचार एजेंसी ने कहा कि सेना ने ताइवान के उन हिस्सों के आसपास सैनिकों और रबर नौकाओं जैसे उपकरणों को तैनात किया है, जहां हाइकुई से अधिक नुकसान होने की आशंका है। ताइवान के केंद्रीय मौसम ब्यूरो (सीडब्ल्यूबी) ने कहा कि तूफान हाइकुई अगस्त 2019 के बाद सीधे ताइवान से टकराने वाला पहला उष्णकटिबंधीय चक्रवात है।

फ़िनलैंड में दुनिया का पहला डिजिटल यात्रा दस्तावेज परीक्षण

हेलसिंकी। दुनिया में पहली बार फिनलैंड में डिजिटल यात्रा दस्तावेज का परीक्षण किया जा रहा है। बॉर्डर गार्ड की प्रतिनिधि मीरा एलोपियस ने सोमवार को आरआईए नोवोस्ती को यह जानकारी दी। एलोपियस ने कहा, फ़िनिश बॉर्डर गार्ड हेलसिंकी हवाई अड्डे पर सीमा नियंत्रण पर डिजिटल यात्रा दस्तावेज़ का परीक्षण करने के लिए ब्रिटेन से फिनएयर उड़ानों के यात्रियों को आमंत्रित करता है। उन्होंने कहा कि केवल फिनिश नागरिकों के लिए डिजिटल यात्रा दस्तावेज़ों को जारी किया गया है, जो लंदन, मैनचेस्टर और एडिनबर्ग मार्गों पर फिनएयर ध्वज वाहक के साथ यात्रा कर रहे हैं। फरवरी 2024 के अंत तक अधिक संख्या में नागरिक सीमा नियंत्रण से गुजरने में सक्षम हो सकेंगे। फिनलैंड के नागरिक स्वैच्छिक डिजिटल ट्रैवल क्रेडेंशियल्स (डीटीसी) उपयोगकर्ता के रूप में पंजीकरण करके डिजिटल पासपोर्ट का परीक्षण कर सकते हैं और फ़िनलैंड छोड़ने या यहां पहुंचने के लिए सीमा नियंत्रण पर डिजिटल पासपोर्ट का उपयोग कर सकते हैं। एलोपियस ने कहा कि अगर कोई फिनलैंड के भीतर या बाहर जाने की योजना बना रहे हैं, तो आने-जाने से करीब चार घंटे पहले यहां के बॉर्डर गार्ड को जानकारी देना आवश्यक है। फिनिश बॉर्डर गार्ड के नेतृत्व में डीटीसी पायलट परियोजना में फिनिश और क्रोएशियाई भागीदार शामिल हैं और इस शरद ऋतु में ज़ाग्रेब अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इसका परीक्षण भी किया जाएगा।

नासा का स्पेसएक्स क्रू-6 पृथ्वी पर लौटा

लॉस एंजिल्स। अमेरिका की स्पेस एजेंसी नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन ने कहा कि स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान में सवार उसके स्पेसएक्स क्रू-6 अंतरिक्ष यात्री सोमवार तड़के दक्षिणपूर्वी अमेरिकी राज्य फ्लोरिडा के तट पर सुरक्षित उतर गये। चार सदस्यीय अंतरराष्ट्रीय दल, में नासा के अंतरिक्ष यात्री स्टीफन बोवेन और वुडी होबर्ग, संयुक्त अरब अमीरात के अंतरिक्ष यात्री सुल्तान अल नेयादी और रोस्कोस्मोस के अंतरिक्ष यात्री एंड्री फेडयेव शामिल थे। अंतरिक्ष यान अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से रविवार को स्थानीय समयानुसार सुबह 7: 05 बजे अलग हुआ। यह मिशन दो मार्च को फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया गया था और अगले दिन आईएसएस पर पहुंच गया। दल के सदस्य छह माह से आईएसएस पर रहकर वहां काम कर रहे थे। नासा के अनुसार, दल के सदस्यों ने पृथ्वी की निचली कक्षा से परे अन्वेषण की तैयारी करने और पृथ्वी पर जीवन को लाभ पहुंचाने के लिए छात्र रोबोटिक चुनौतियों, पौधों के आनुवंशिकी और माइक्रोग्रैविटी में मानव स्वास्थ्य सहित सैकड़ों प्रयोगों और प्रौद्योगिकी प्रदर्शनों में योगदान दिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं, ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. -DELHI/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11, ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

शार्ट न्यूज

आगामी त्यौहार के दृष्टगत बैठक संपन्न

रमेश कुमार शर्मा/गौरवशाली भारत

बलरामपुर। थाना सादुल्लनगर परिसर में आगामी त्यौहार श्री कृष्ण जन्माष्टमी व चेहल्लुम को सकुशल संपन्न कराये जाने हेतु की गयी पीस कमेटी की मीटिंग। गोष्ठी में थाना क्षेत्र के ताजियादारो, सम्भ्रान्त व्यक्तियो, ग्राम प्रधानो व झांकी, डोल के आयोजकों के साथ उपस्थित लोगो से त्यौहार के संबन्ध में विवाद समस्या के बारे में पूछा गया तो किसी के द्वारा कोई समस्या या विवाद नही बताया गया । सभी से त्यौहार को सकुशल सपन्न कराये जाने हेतु अपील की गयी तो सभी ने एक स्वर में सहयोग की बात कही। उपजिलाधिकारी द्वारा सभी से त्यौहार को शांतिपूर्वक मनाने तथा अफवाहों पर रोकथाम करने हेतु सभी को जागरुक करते हुए आपसी भाईचारा बनाए रखने तथा त्यौहार को सकुशल संपन्न कराने, सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट व टिप्पणी न करने के लिये युवको को समझाने के लिए बताया गया तथा किसी भी विषम स्थिति में तत्काल थाना या 112 पर सूचना देने के लिए निर्देशित किया गया साथ ही शासन प्राप्त आदेशों-निर्देशो को अवगत कराते हुए शान्ति व्यवस्था बनाये रखने हेतु सभी से अपील की गई।

लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु विधिक सेवा प्राधिकरण ने समस्त बैंकों के साथ की बैठक

सोनभद्र। 9 सितम्बर को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत में सफलतापूर्वक एवं आधिकारिक उपयुक्त प्रकरणों के निस्तारण हेतु समस्त बैंक प्रबंधकों की सामूहिक बैठक सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के विश्राम कक्ष में आहूत की गई। सचिन एहसानुल्लाह खान द्वारा आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में लंबित एवं प्री-लिटिगेशन स्टेज पर लंबित अधिकाधिक लोन प्रकरणों को निस्तारित करने का निर्देश दिया गया। इस निमित्त एलडीएम इंडियन बैंक सोनभद्र से अपेक्षा की गई कि जिले के समस्त बैंकों के शाखा प्रबंधकों को इस संबंध में निर्देश जारी करें। एलडीएम इंडियन बैंक द्वारा आयोजित होने वाले लोक अदालत में पूर्व की अपेक्षा में अधिक मामलों के निस्तारण की संभावना व्यक्त की गई। आगामी 9 सितंबर को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिले, इस आशय से क्षेत्र में अधिक जनप्रचार हेतु जिला जज एवं न्यायिक अधिकारियों द्वारा प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस बैठक में प्रवीण कुमार एलडीएम सोनभद्र रितेश कुमार मुख्य प्रबंधक इंडियन बैंक क्षेत्राधिकार स्टेट बैंक रामसूरत एवं अन्य बैंक अधिकारी उपस्थित रहे।

मूर्ति चोर गिरोह के चार आरोपी गिरफ्तार

पन्ना। मध्यप्रदेश के पन्ना जिले की पुलिस ने अंतर्राज्यीय मूर्ति चोर गिरोह के चार आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की गई मूर्तियां, घटना में प्रयुक्त एक कार, तीन मोबाइल फोन और मूर्ति काटने हेतु इस्तेमाल किया गया कटर जप्त किया है। पुलिस अधीक्षक साईं कृष्णा एस थोटा ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए आज बताया कि अजयगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम कगरे का बारा स्थित मन्दिर से 16 अगस्त की रात्रि में अज्ञात आरोपियों द्वारा मन्दिर का ताला तोड़कर मन्दिर में स्थापित भगवान श्री लक्ष्मण जी एवं सीता जी की अष्टधातु की मूर्ति चोरी कर ले गये थे। घटना की रिपोर्ट अजयगढ़ थाना में मंदिर के पुजारी गोपाल प्रसाद अवस्थी ने दर्ज कराई थी। रिपोर्ट पर थाना अजयगढ़ में अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध चोरी का अपराध पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना में लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों की गिरफ़्तारी के लिए एक पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस सायबर सेल टीम और मुखबिरों की मदद से मूर्ति चोरी की वारदात में लिप्त चार आरोपियों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की। मामले में दो आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी सरगर्मी से तलाश की जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों में नरेन्द कुमार वर्मा, बलवंत सिंह, सुरेन्द पाल और अमर सिंह शामिल हैं। इनमें से तीन आरोपी उत्तर प्रदेश के महोबा और एक छतरपुर का निवासी है। इन आरोपियों से पूंछताछ पर जिले एवं जिले के बाहर अन्य राज्यो में भी चोरी के दर्जनों अपराध दर्ज होने की जानकारी मिली है।

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस कार्यक्रम सात सितंबर को भोपाल में

भोपाल। अंतर्राष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस-2023 (इंटरनेशनल-डे ऑफ क्लीन एयर फॉर ब्ल्यू स्काईज) का राष्ट्रीय कार्यक्रम सात सितंबर को मध्यप्रदेश के भोपाल में आयोजित किया जाएगा। अब तक यह कार्यक्रम नई दिल्ली में हुआ था। यह पहली बार है कि यह कार्यक्रम दिल्ली से बाहर किसी राज्य मध्यप्रदेश के भोपाल में किया जा रहा है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव की उपस्थिति में कार्यक्रम का शुभारंभ 7 सितम्बर को सुबह 11 बजे यहां के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में किया जाएगा। केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे, प्रदेश के पर्यावरण मंत्री हरदीप सिंह डंग, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेन्द्र सिंह इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि होंगे। 'टूगेदर फॉर क्लीन एयर' कार्यक्रम में स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2023 में प्रथम तीन स्थान पाने वाले शहरों को भी पुरूस्कृत किया जायेगा। मध्यप्रदेश ने इसमें विशेष सफलता हासिल की है। दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में इंदौर ने प्रथम और भोपाल ने 5वाँ स्थान, जबलपुर ने 13वाँ और ग्वालियर ने 41वाँ स्थान प्राप्त किया है। तीन से 10 लाख तक शहरों की श्रेणी में सागर को देश में 10वाँ और 3 लाख से कम आबादी वाले शहरों में देवास को 6वाँ स्थान मिला है।

आप यहाँ आइये

आप यहाँ आइये
कुछ तो मुस्कराइये
जिंदगी का वर्द्धमान
दर्द अब घटाइये ।
साँस में तपन बढ़ी
आँख में लगन मढ़ी
थिरक उठे अंग - अंग
सहज मन लुभाइये ।
जिंदगी का वर्द्धमान
दर्द अब घटाइये।
स्वयं का जहान एक
राग प्रकृति चले टेक
'पुष्कर' का धैर्य - बन्ध
टूटता सजाइये।
जिंदगी का वर्द्धमान
दर्द अब घटाइये।
व्यथित उर - अशांति में
दिव्य स्निग्ध कान्ति में
नेह राग रोलिका से
अल्पना बनाइये ।
जिंदगी का वर्द्धमान
दर्द अब घटाइये।

डॉ0 परमेश्वर दयाल श्रीवास्तव 'पुष्कर'

यूपी के 2 लाख से ज्यादा छात्र दे सकेंगे छात्रवृत्ति योजना परीक्षा

प्रदेश के अधिक से अधिक छात्रों को छात्रवृत्ति योजना से जोड़ने के लिए योगी सरकार की पहल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के 2 लाख से अधिक छात्र इस बार राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना परीक्षा 2024-25 में बैठ सकेंगे। योगी सरकार ने भारत सरकार द्वारा निर्धारित लाभार्थी कोटे के सापेक्ष 15 गुना अधिक छात्रों के ऑनलाइन आवेदन का लक्ष्य रखा है। भारत सरकार की ओर से इस बार यूपी के 15143 सफल छात्रों को योजना का लाभ देने के लिए कोटा निर्धारित किया है। इसी क्रम में सरकार की ओर से सभी बेसिक शिक्षा अधिकारियों, जिला विद्यालय निरीक्षकों को आवश्यक शर्तें पूरा करने वाले अधिक से अधिक छात्र-छात्राओं से 18 सितंबर से पहले ऑनलाइन आवेदन कराने के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि पांच नवंबर को प्रदेश के सभी जिलों में यह परीक्षा प्रस्तावित है।

छात्रों की संख्या बढ़ाने के लिए करें गंभीर प्रयास

मनोविज्ञानशाला की निदेशक ऊषा चन्द्रा ने कम आवेदनों के दृष्टिगत सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों और बेसिक शिक्षा अधिकारियों को यह निर्देश जारी किए हैं। इसमें कहा गया है कि अपने जनपद के राजकीय, अशासकीय सहायता प्राप्त एवं स्थानीय निकाय (परिषदीय) के अन्तर्गत संचालित विद्यालयों के प्रधानाचार्य,

खण्ड शिक्षाधिकारियों एवं एआरपी की बैठक आयोजित कर उन्हें निर्देशित करें कि वे अपने विद्यालय, विकास खण्ड के सभी अर्ह (परीक्षा के लिए आवश्यक शर्त पूरा करने वाले) छात्र-छात्राओं से ऑनलाइन आवेदन कराना सुनिश्चित करें, जिससे जनपद के निर्धारित कोटे के सापेक्ष छात्र-छात्राओं का चयन हो सके। पत्र में इसे बेहद संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण विषय करार दिया गया है। इसलिए इस पर पूरी गंभीरता से प्रयास करने को कहा गया है।

छात्रवृत्ति योजना परीक्षा के लिए हैं ये अर्हताएं

-शैक्षिक सत्र 2022-23 में कक्षा सात (7) की परीक्षा न्यूनतम 55 प्रतिशत (अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए 5 प्रतिशत की छूट है) अंको के साथ उत्तीर्ण की हो।
- ऐसे छात्र और छात्राएं जो सत्र 2023-24 में राजकीय, अशासकीय सहायता प्राप्त, स्थानीय निकाय (परिषदीय) के विद्यालय में कक्षा 08 में अध्ययनरत हों।
- ऐसे छात्र और छात्राएं जिनके अभिभावक की वार्षिक आय सभी स्रोतो से 3,50,000.00 (तीन लाख पचास हजार रूपए) से अधिक न हो।
- इस परीक्षा में केन्द्रीय विद्यालय, जवाहर नवोदय विद्यालय, सैनिक स्कूल, राजकीय आवासीय एवं प्राइवेट विद्यालय में अध्ययनरत् छात्र और छात्राएं सम्मिलित होने के लिए अर्ह नही है।

नहीं लिया जाएगा कोई शुल्क

राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा योजना में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों से कोई परीक्षा शुल्क नहीं लिया जाएगा। इस परीक्षा के लिए राज्य सरकार के नियमानुसार आरक्षण देय होगा। मेरिट के आधार पर चयनित छात्र और छात्राओं को छात्रवृत्ति के रूप में 1000 रुपए प्रतिमाह की दर से 12000 रुपए वार्षिक छात्रवृत्ति प्रस्तावित है, जो भारत सरकार द्वारा निर्धारित प्रक्रिया के अन्तर्गत देय होगी। परीक्षा में सफल होने के बाद भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, नई दिल्ली द्वारा निर्धारित शर्तों के अधीन कक्षा 9 से 12 तक अध्ययनरत चयनित छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति देय है।

प्रदर्शनी के माध्यम से केन्द्र व प्रदेश सरकार की विकासपरक योजनाओं से रूबरू होंगें जनपदवासी

सांसद ने फीता काटकर किया शुभारंभ, विकास प्रदर्शनी 04 से 06 सितम्बर तक रहेगी संचालित

सोनभद्र । प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, उपलब्धियों, नये कीर्तिमानों एवं नीतियों से सम्बन्धित राबर्ट्सगंज के आर0टी0एस0 क्लब में आयोजित 'विकास प्रदर्शनी' का सांसद पकौड़ी लाल कोल ने फीता काटकर शुभारम्भ किया। इस अवसर पर ब्लाक प्रमुख राबर्ट्सगंज अजीत रावत, जिला प्रोबेशन अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष के प्रतिनिधि अरूण पटेल, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह ने सभी अतिथियों व पत्रकारों को विकास प्रदर्शनी में लगे सभी योजनाओं के बारे में जानकारी दी। शुभारंभ करते हुए सांसद पकौड़ी लाल कोल ने बताया कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में अन्त्योदय को भी विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के साथ ही रूबरू कराते सुपरिचित कराया गया

है। सांसद ने विकास प्रदर्शनी की सराहना करते हुए प्रदर्शनी में लगे विभिन्न योजनाओं व उपलब्धियों , विकास परक योजनाओं का अवलोकन करते इनके संस्थापित कीर्तिमानों अक्षरश: उकेरा। सांसद ने जनपदवासियों से प्रदर्शनी में आने की साग्रह अपील की तथा कहा कि मुख्यमंत्री कन्या सुमंला योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से आचछादित होते सोनभद्र वासियों व जनपद में मेडिकल कालेज निर्माण का कार्य प्रगति पर है। केन्द्र व प्रदेश सरकार की जनहितार्थ विभिन्न कल्याणकारी, विकास के पथ पर अग्रसर नये आयामों सहित जनपद के विकास कार्यों पर बाकायदा प्रकाश डाला। जिला सूचना अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा ने बताया कि यह विकास प्रदर्शनी 04 सितम्बर से प्रारंभ होकर 06 सितम्बर तक संचालित रहेगी। मुख्यमंत्री सुमंगला योजना, महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजना, निराश्रित पेंशन योजना, 1090 वूमैन पावर योजना, मिशन शक्ति सहित केन्द्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं के सम्बन्ध में विस्तार पूर्वक जानकारी दी जिला प्रोबेशन अधिकारी सुधांशु शर्मा ने प्रदर्शनी तह तक पहुंचते।

कार्यक्रम का कुशल व सफल संचालन सुश्री साधना मिश्रा ने किया। आयोजित प्रदर्शनी के मौके पर प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के प्रतिनिधिगण, अपना दल (एस) राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य, सूचना कार्यालय के मुकेश कुमार भारती, आर्यभट्ट मौर्य, श्री जगदीश प्रसाद, जिला प्रोबेशन कार्यालय से सामाजिक कार्यकर्ता सुश्री आकांक्षा , संरक्षण अधिकारी गायत्री दूबे, नवनीत पाठक, परामर्शदाता रूमा पाठक, जिला कार्यक्रम कार्यालय से रोमी पाठक के साथ ही सुपर वाईजर, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्री सहायिका सहित अन्य सम्मानित जनप्रतिधिगण सँग बड़ी तादाद में प्रदर्शनी में जुटा नागरिक समुदाय।

डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन ने वकीलों पर हो रहे हमलों के विरोध में किया प्रदर्शन

सोनभद्र। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र द्वारा बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के आह्वान पर गाजियाबाद में अधिवक्ता की दिनदहाड़े हत्या व हापुड़ में पुलिस द्वारा न्यायालय परिसर में निहथे अधिवक्ताओं पर बर्बरतापूर्वक किए गए लाठीचार्ज के विरोध में डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन द्वारा न्यायालय परिसर में अधिवक्ता चक्रमण करते करते हुए प्रदर्शन किया गया। अतुल प्रताप पटेल एड, दयाराम सिंह यादव एड, पवन कुमार सिंह एड, वी पी. सिंह एड व महेंद्र प्रताप सिंह एड के नेतृत्व में अधिवक्ता एकता जिंदाबाद का नारा लगाते हुए महामहिम राज्यपाल महोदय को सम्बोधित ज्ञापन पत्र उपजिलाधिकारी दिया गया। महामहिम राज्यपाल को ज्ञापन देकर अधिवक्ताओं द्वारा माँग की गई कि जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक हापुड़ का अभिलंब स्थानांतरण, दोषी पुलिसकर्मियों जिन्होंने बर्बरता पूर्वक लाठी चार्ज किया और महिला अधिवक्ताओं को भी पीटने का कार्य किया है उन पर मुकदमा दर्ज हो, प्रदेश भर में अधिवक्ताओं के विरुद्ध पुलिस के मनगढ़ंत झूठी कहानी बनकर जो मुकदमे दर्ज किए हैं, उन्हें तुरंत वापस लिया जाए। साथ ही अधिवक्ताओं की सुरक्षा के लिए एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट पारित कर तुरंत पूरे प्रदेश में लागू किया जाए व हापुड़ में अधिवक्ताओं को तुरंत मुआवजा दिया जाए विरोध प्रदर्शन करने वालों में महामंत्री विमल प्रसाद सिंह एडवोकेट, अतुल प्रताप पटेल एडवोकेट, पवन कुमार सिंह एडवोकेट, राजेश कुमार सिंह एडवोकेट, दयाराम सिंह यादव एड., हीरालाल पटेल एडवोकेट, महेंद्र कुशवाहा एड., अनिल कुमार सिंह एड., प्रदीप कुमार एड., चंद्र प्रकाश सिंह एड आदि उपस्थित रहे।

दिल्ली के 360 गांवों की समस्याओं को दूर करने के लिए उच्च स्तरीय समिति के गठन की मांग

नई दिल्ली। दिल्ली आदर्श ग्रामीण समाज के उपाध्यक्ष शिक्षाविद् दयानंद वत्स बरवाला ने आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को ट्वीट कर उनसे दिल्ली के 360गांवों की 77सालों से लंबित मूलभूत समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए एक उच्च स्तरीय समिति के गठन की मांग की है। वत्स ने अपने ट्वीट में प्रधानमंत्री का ध्यान दिलाया है कि उनकी देश भर में लागू स्वामित्व योजना को तत्काल दिल्ली के गांवों में भी लागू किया जाए। दिल्ली को कृषि का दर्जा दिया जाए। ग्राम सभा की भूमि पर हर गांव का विलेज डेवलपमेंट प्लान बनाकर ग्रामीणों की जरूरत के मुताबिक इस्तेमाल किया जाए। भूमि अधिग्रहण के बाद मिलने वाले वैकल्पिक प्लाट शीघ्र आवंटित किए जाएं। स्मार्ट सिटी की तरह पहले चरण में स्मार्ट विलेज परियोजना बनाई जाए जिसमें दिल्ली के सभी 70 विधानसभाओं में एक-एक गांव को स्मार्ट विलेज योजना के तहत विकसित किया जाए। गांवो को हाउसटैक्स मुक्त किया जाए। सभी गांवों में पीएनजी रसोई गैस लाईन डाली जाए। हर गांव से डीटीसी सी बसों की पर्याप्त, समयबद्ध बस सेवा दी जाए। भूमि अधिग्रहण के कारण बेरोजगार हुए 36बिरादरी के कुशल खेतीहर मजदूरों के पुनर्वास हेतु उन्हें काम धंधे के लिए डीडीए दुकानें और आवास के लिए फ्लैट आवंटन हो। हर गांव में मूलभूत सभी जन सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। वत्स ने कहा कि दिल्ली और केंद्र सरकार मिलकर दिल्ली देहात के सभी 360गांवों का कायाकल्प करने की दिशा में ठोस पहल करें। उत्तर पश्चिमी लोकसभा क्षेत्र को मैट्रो से जोड़ने के लिए रिठाला से बरवाला, बवाना,नरेला मैट्रो रुट को सरकार तत्काल मंजूरी दे। दिल्ली के गांवों के बेरोजगार युवाओं को शिक्षा ग्रहण हेतु प्रवेश में अंकों की छूट और नौकरियों में दिल्ली के गांवों का कोटा देकर प्राथमिकता दी जाए।

बिजली के मामले में कमलनाथ ने घेरा सरकार को

भोपाल। मध्यप्रदेश में पर्याप्त बारिश नहीं होने के कारण सूखे की आशंका और बिजली संकट के बीच वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमलनाथ ने राज्य की शिवराज सिंह चौहान सरकार को निशाने पर लिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट के जरिए लिखा है, शिवराज जी दुनिया के पहले आदमी हैं, जो बिजली को भी झटका दे रहे हैं। जब प्रदेश में सामान्य परिस्थितियां थीं, तो मुख्यमंत्री यह कहते नहीं थकते थे कि मध्यप्रदेश सरप्लस बिजली है और आज जब वाकई बिजली की आवश्यकता है, तब शिवराज जी ने पूरे प्रदेश और विशेषकर ग्रामीण क्षेत्र को बिजली कटौती के अंधकार में झोंक दिया है। अब मुख्यमंत्री कह रहे हैं कि हम बिजली खरीदना चाहते हैं, लेकिन बिजली मिल नहीं रही है। मुख्यमंत्री जी मानसून का पूर्वानुमान अप्रैल से ही आना शुरू जाता है। प्रदेश में कम वर्षा होगी, इसकी जानकारी कोई सितंबर में नहीं लगी है।

हापुड़ की घटना को लेकर वकीलों का प्रदर्शन

राज्यपाल को सम्बोधित 5 सूत्रीय ज्ञापन उपजिलाधिकारी उतरौला अवधेश कुमार को सौंपा

रमेश कुमार शर्मा/गौरवशाली भारत

बलरामपुर। हापुड़ में अधिवक्ताओं पर हुई लाठीचार्ज के विरोध में बार काउंसिलआफ उत्तर प्रदेश के आवाह्न पर अधिवक्ता संघ उतरौला ने तहसील उतरौला में धरना प्रदर्शन कर पुलिस प्रशासन के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की और महामहिम राज्यपाल को सम्बोधित 5 सूत्रीय ज्ञापन उपजिलाधिकारी उतरौला अवधेश कुमार को सौंपा।

सोमवार को अधिवक्ता संघ उतरौला ने तहसील उतरौला में हापुड़ घटना केविरोध में धरना प्रदर्शन किया। धरना को सम्बोधित करते हुये अधिवक्ता संघ अध्यक्ष वीरेंद्र सिन्हा ने कहा कि पुलिस द्वारा हापुड़ में अधिवक्ताओं के ऊपर की गयी लाठीचार्ज कार्रवाई को वकीलों की आवाज को दबाने का प्रयास किया जा रहा है । बैठक को संबोधित करते हुए अमित श्रीवास्तव ने दोषी के विरुद्ध कार्यवाही न करना

सरकार का तानाशाही रवैया है जो गलत है। अधिवक्ता इसे कतई स्वीकार नही करेगा।

युवा अधिवक्ता लालजी मिश्र ने कहा कि पुलिस का रवैया तानाशाही पूर्ण हैं बैठक के बाद अधिवक्ताओं ने पुलिस प्रशासन के विरुद्ध एक ज्ञापन उपजिलाधिकारी उतरौला को सौंपा। ज्ञापन में हापुड़ के डी एम व एस पी के स्थानांतरण, अधिवक्ताओं पर लाठीचार्ज में दोषी कर्मचारियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया जाय,वकीलों पर दर्ज फर्जी एफआईआर को स्पंज किया जाय। घायलों अधिवक्ताओ को इलाज व उचित मुआवजा दिया जाए तथा एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किया जाए। इस अवसर पर अखिलेश सिंह, बबर अली , नाजिर मलिक, रामसुंदर यादव , रमाशंकर मौर्य, प्रहलाद यादव, महेंद्र पांडेय, अब्दुल मोईद सिद्दीकी, आदित्य श्रीवास्तव , रवि गुप्ता ,रवि मिश्रा आलोक गुप्ता, प्रवीण कुमार, बृजेश वर्मा, जयकरण भारती ,आशीष कसौधन, संतराम वर्मा, निजामुदिन अंसारी, अखिलेश यादव,सीबी माथुर, शादाब अहमद सहित तमाम अधिवक्ता मौजूद रहे।

मोदी के नेतृत्व में नए भारत का उदय हुआ : शिवराज

नीमच। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि आज हम सभी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गर्व है, उनके नेतृत्व में नए भारत का उदय हुआ है। देश लगातार प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

चौहान यहां भारतीय जनता पार्टी की जन आशीर्वाद यात्रा के शुभारंभ अवसर पर जनसभा को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय और प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर केन्द्रीय मंत्री व प्रदेश सह चुनाव प्रभारी अश्विनी वैष्णव, पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता जफर इस्लाम भी उपस्थित रहे। रक्षा मंत्री सिंह और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने रथ को हरी झंडी दिखाकर और गुब्बारे उड़ाकर रवाना किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने आज महाकाल बाबा से प्रार्थना की है कि किसान एक महीने से परेशान हैं, बारिश

कर दो, जिससे किसानों के चेहरों पर मुस्कान आ जाए। हम प्रार्थना तो कर ही रहे हैं, लेकिन वे हाथ पर हाथ रखकर नहीं बैठेंगे। सूखे का संकट भी आया, तो वे उसके पार ले जाएंगे। उन्होंने कहा कि वे 3,200 करोड़ रुपये की नीमच-जावद सूक्ष्म सिंचाई योजना को मंजूर कर रहे हैं, जिससे एक लाख हेक्टेयर से ज्यादा जमीन में सिंचाई होगी। कांग्रेस ने तो कभी किसी के खाते में पैसे नहीं डाले। ये केवल पैसा नहीं, सम्मान है। वे माँ-बहन और बेटी की आँखों में आँसू नहीं रहने देंगे। हम सरकार नहीं, परिवार चला रहे हैं, वे मुख्यमंत्री नहीं भाई हैं। चौहान ने कहा कि प्रदेश का विकास और जनता का कल्याण हमारा लक्ष्य है, आज बीमारू राज्य विकसित राज्य बनकर खड़ा हो गया है। विकास के काम आगे बढ़ाने का काम कांग्रेस नहीं भाजपा करेगी। कांग्रेस ने तो एक संगठन बनाया है जो भानुमति का कुनबा है। उनका एक घटक दल है जिनके नेता हैं, वो कह रहे हैं कि सनातन धर्म को मच्छर, कोरोना की तरह खत्म कर देना चाहिए। दुनिया के कई लोग आए, वो न तो सनातन को खत्म कर पाए और न ही हिन्दू को खत्म कर पाए। सनातन को समाप्त करने की बात करने वाले ही समाप्त हो जाएंगे।

भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि कांग्रेस को कभी गाँव और गरीब की याद नहीं आई लेकिन भाजपा का संकल्प 'गरीब कल्याण' है। प्रधानमंत्री मोदी गरीब के घर में पैदा हुए, उन्हें पता है गरीब का दर्द क्या होता है। उन्होंने चूल्हे पर खाना बनाते समय अपनी माँ की आंख में आंसू देखे हैं, इसलिए प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने घोषणा कर दी कि अब खाना बनाते समय किसी गरीब माता की आंख में आंसू नहीं आने देंगे और उज्जवला योजना से नि:शुल्क गैस कनेक्शन दिए।

उन्होंने कहा कि कोरोना काल में जब पूरी दुनिया संकट में थी, तब प्रधानमंत्री ने स्वदेशी वैक्सीन बनाकर दुनिया को संकट से बाहर निकाला। श्री विजयवर्गीय ने कहा कि केंद्र और मध्यप्रदेश की डबल इंजन की भाजपा सरकार ने गरीब कल्याण की योजनाएं लागू करके साढ़े 13 करोड़ लोगों को गरीबी से मुक्त कराया है। हमें गर्व है मोदी हमारे प्रधानमंत्री और चौहान हमारे मुख्यमंत्री हैं। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि 2003 के पहले मध्यप्रदेश बीमारू प्रदेश के नाम से पुकारा जाता था। 2003 के बाद प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी।

भाद्रपद माह की प्रथम सवारी में भगवान महाकालेश्वर निकले नगर भ्रमण पर

उज्जैन। मध्यप्रदेश की धार्मिक नगरी उज्जैन के अवंतिकानाथ राजाधिराज भगवान महाकालेश्वर की भाद्रपद माह के आज प्रथम सोमवार को राजसी ठाट-बाट के साथ अपनी प्रजा को दर्शन देने के लिये नगर भ्रमण पर निकले।

भगवान श्री महाकाल ने अपनी प्रजा को नौ रूपों में दर्शन दिये। भाद्रपद माह के प्रथम सोमवार को भगवान श्री महाकालेश्वर की सवारी में रजत जडित पालकी में श्री चन्द्रमौलेश्वर, हाथी पर श्री मनमहेश, गरूड़ रथ पर शिवतांडव, नन्दी रथ पर उमा-महेश, डोल रथ पर होल्कर स्टेट के मुखारविंद, बैलगाड़ी में श्री घटाटोप स्वरुप, श्री जटाशंकर रूप, श्री रुद्रेश्वर स्वरुप, व नवम सवारी में रथ पर श्री चन्द्रशेखर स्वरुप में विराजित होकर अपनी प्रजा का हाल जानने नगर भ्रमण पर निकलें। श्री महाकालेश्वर भगवान की नवम सवारी बड़े धूमधाम व उल्लास के साथ श्री महाकालेश्वर मंदिर से शाम चार बजे नगर भ्रमण हेतु निकली। नगर भ्रमण पर निकलने के पूर्व श्री महाकालेश्वर मंदिर परिसर में कोटितीर्थ कुण्ड के पास स्थित सभामंडप में श्री महाकालेश्वर मंदिर के सभामंडप में भगवान श्री चन्द्रमौलेश्वर का षोडशोपचार से पूजन-अर्चन कर भगवान की आरती की गई। पूजन-अर्चन मुख्य पुजारी पं. घनश्याम शर्मा द्वारा संपन्न् कराया गया। आयुक्त नगर पालिक निगम रोशन सिंह , पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा, श्री पंचायती महानिर्वाणी अखाड़े के महंत श्री विनीत गिरी जी महाराज, महापौर मुकेश टटवाल आदि ने भगवान श्री महाकालेश्वर का पूजन - अर्चन किया और आरती में सम्मिलित हुए। आरती उपरांत भगवान श्री चन्द्रमौलेश्वर ने पालकी विराजमान होकर मंदिर प्रांगण से नगर भ्रमण हेतु प्रस्थान किया।

CMYK CMYK CMYK CMYK